हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com | रायपुर, गुरुवार 30 जुलाई 2026

कलेक्टर-एसएसपी ने किया निरीक्षण

कैदी जेल के फायर प्लांट में कूद गया!

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

केंद्रीय जेल में दोहरे हत्याकांड में सजा काट रहे कैदी ने जलते गैसीफायर प्लांट में कुदकर खुदकुशी कर ली है। सनसनीखेज वारदात ने जेल की सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोलकर रख दी है। सूचना मिलते ही कलेक्टर, एसएसपी ने जेल पहुंचकर मौके का निरीक्षण कर जेल अधीक्षक से घटना की जानकारी ली। जांजगीर चांपा बम्हनीडीह निवासी राहुल उर्फ विकेश कंवर 46 साल दोहरे हत्याकांड के मामले में ▶▶| शेष पेज 7 पर

खुदकुशी की है

हत्याकांड के सजायाप्ता कैदी ने गैस फायर में कूदकर खुदकुशी की है। मामले की विस्तृत जांच कराई जा रही है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

-संजय अग्रवाल, कलेक्टर

केन्द्रीय कमेटी सदस्य मोस्ट वाटेंड नक्सली को झारखंड में गिरफ्तार किया गया

नक्सलियों का आखिरी बड़ा नेता मिसिर बेसरा कब्जे में दो करोड़ से ज्यादा का था इनाम, बीजापुर में 8 का समर्पण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

खास खबर

झारखंड पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों ने नक्सल विरोधी अभियान में बड़ी सफलता हासिल करते हुए प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) संगठन के एक करोड़ रुपए से अधिक के इनामी केन्द्रीय कमेटी मेंबर मिसिर बेसरा उर्फ भास्कर उर्फ सुनिर्मल समेत पांच नक्सलियों को गिरफ्तार किया है। बेसरा को नक्सलियों का अंतिम सबसे बड़ा सक्रिय लीडर माना जाता है। सुरक्षा एजेंसियां सभी गिरफ्तार ▶▶| शेष पेज 7 पर

टाटा मैजिक वाहन में सवार होकर धनबाद से गिरिडीह जाने के दौरान पकड़े गए

बस्तर से भी रहा संबंध

सुरक्षा एजेंसियों के मुताबिक मिसिर बेसरा का बस्तर से भी गहरा संबंध रहा है। वह दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी और पूर्वी क्षेत्रीय नेटवर्क के बीच समन्वय स्थापित करने, कैडरों को प्रशिक्षण देने, हथियार आपूर्ति और बड़े हमलों की रणनीति बनाने में अहम भूमिका निभाता ▶▶| शेष पेज 7 पर

पांच महिलाओं समेत 8 ने डाला हथियार

मिसिर बेसरा की गिरफ्तारी के साथ ही छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में झारखंड में सक्रिय रहे 8 नक्सलियों ने पुलिस और सीआरपीएफ अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। आत्मसमर्पण करने वालों में 5 महिला माओवादी भी शामिल हैं। इन सभी पर कुल 49 लाख रुपए का इनाम घोषित था। समर्पण करने वाले नक्सलियों में 8-8 लाख के ईनामी बीजापुर के गंगालूर क्षेत्र निवासी डीवीसीएम अश्विन ऊर्फ लच्छू, रंगा ऊर्फ सोहन तथा नारायणपुर ओरछा निवासी दोबा माड़वी ▶▶| शेष पेज 7 पर

गुरु पूर्णिमा पर दर्शन कर बागेश्वरधाम से लौट रहे थे, कमर और हाथ में आई हैं चोटें | एक वाहन को बचाने के चक्कर में हुआ हादसा

भाजपा अध्यक्ष की कार ट्रक में घुसी झांसी अस्पताल में चल रहा इलाज

छत्तीसगढ़ भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं जगदलपुर विधायक किरण सिंह देव सड़क हादसे में घायल हो गए हैं। जानकारी के मुताबिक, उत्तर प्रदेश के झांसी-ललितपुर हाईवे पर उनकी कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में उन्हें कमर समेत शरीर के अन्य हिस्सों में चोटें आई हैं।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

बताया जा रहा है कि किरण सिंह देव बागेश्वर धाम से लौट रहे थे, तभी झांसी-ललितपुर मार्ग पर उनकी कार अनियंत्रित होकर एक ट्रक के पीछे हिस्से में घुस गई। दरअसल, एक वाहन को बचाने के चक्कर में उनकी कार ट्रक के पीछे जा घुसी। हादसे में उनकी कमर और हाथ में चोटें पहुंची हैं। हादसे के बाद उन्हें तत्काल उपचार के लिए झांसी मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां उनका ▶▶| शेष पेज 7 पर

बैज ने की दीर्घायु जीवन की कामना

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और जगदलपुर विधायक किरण सिंहदेव की सड़क दुर्घटना में घायल होने की सूचना पर गहरा दुख प्रकट करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने उनके शीघ्र स्वस्थ होने और दीर्घायु जीवन की कामना की है।

सीएम ने की कुशलता की कामना

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने हादसे पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एवं जगदलपुर विधायक किरण सिंह देव के सड़क दुर्घटना में घायल होने की सूचना मिली। उनका इलाज झांसी मेडिकल कॉलेज में चल ▶▶| शेष पेज 7 पर

राहुल के भाषण पर चली कैंची | लोक परीक्षा बिल लोकसभा में पास, चर्चा के दौरान कांग्रेस के वार पर भाजपा का पलटवार

संसद में 'इडियट' और 'अंधभक्त' पर संग्राम

राहुल बोले- गृहमंत्री ने दी थी हिंसक कार्रवाई की इजाजत, सरकार बोली- सबूत दें या माफी मांगें

'इडियट' शब्द बोलने पर स्पीकर ने 11 बार रिजिजू ने 7 बार टोका

लोकसभा में बुधवार को 'लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026' पर चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा नीट प्रश्नपत्र लीक के विरोध में छात्रों पर पुलिस कार्रवाई को लेकर गृहमंत्री अमित शाह पर लगाए गए आरोपों से सदन में तीखा हंगामा हुआ। सत्तापक्ष ने राहुल गांधी के आरोपों का कड़ा विरोध करते हुए उनसे माफी की मांग की, जबकि विपक्ष ने सरकार से छात्रों पर बलप्रयोग के आदेश को लेकर जवाब मांगा।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने नीट प्रश्नपत्र लीक के खिलाफ छात्रों के विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस की कार्रवाई को लेकर बुधवार को लोकसभा में गृह मंत्री अमित शाह पर गंभीर आरोप लगाए, जिसका सत्तापक्ष ने तीखा विरोध किया और उनसे माफी की मांग की। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष बताएं कि किस आधार पर उन्होंने देश के एक जिम्मेदार व्यक्ति पर गंभीर आरोप ▶▶| शेष पेज 7 पर

हंगामे के बीच बिल पर मुहर

लोकसभा में हंगामे के बीच ही प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने विधेयक पर हुई चर्चा का जवाब दिया और उनके जवाब के बाद सदन ने ध्वनिमत से विधेयक को मंजूरी प्रदान कर दी। विधेयक पारित होने के बाद कांग्रेस सांसदों की नारेबाजी के बीच ही अध्यक्ष ओम बिरला ने कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी।

किरेन रिजिजू ने जताई आपत्ति

राहुल गांधी के इडियट शब्द का इस्तेमाल करते ही संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने आपत्ति जताई और स्पीकर ओम बिरला से आग्रह किया कि वे इस असंसदीय शब्द को कार्यवाही से हटा दें। किरेन रिजिजू के बोलने पर राहुल गांधी ने कहा, अध्यक्ष जी, अगर आप चाहते हैं कि देश में सिर्फ भाजपा बोले तो मैं चुप होकर बैठ जाऊंगा।

ऐतिहासिक एवं दूरदर्शी कदम

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने विधेयक पारित होने का स्वागत करते हुए इसे देश के करोड़ों युवाओं के सुरक्षित भविष्य, ईमानदार प्रतिभा और पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था की दिशा में एक ऐतिहासिक एवं दूरदर्शी कदम बताया है।

राहुल को बुनियादी जानकारी नहीं: जितेंद्र

कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर सार्वजनिक जीवन और प्रशासनिक प्रणाली की बुनियादी जानकारी नहीं होने का आरोप लगाते हुए केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने बुधवार को कहा कि लोकसभा में तथ्यों के बिना गैर जिम्मेदारी से बात कह देना विपक्ष के नेता का व्यवहार नहीं हो सकता। प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने सदन में लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026 पर हुई चर्चा का जवाब ▶▶| शेष पेज 7 पर

गुलवीर ने रचा इतिहास

10 हजार मीटर दौड़ में जीता सिल्वर

कॉमनवेल्थ गेम्स

ग्लासगो। कॉमनवेल्थ गेम्स में लंबी दूरी के धावक गुलवीर सिंह ने इतिहास रच दिया। उन्होंने 10 हजार मीटर दौड़ में सिल्वर मेडल अपने नाम किया। राष्ट्रमंडल खेलों में इस वर्ग में वे पदक जीतने वाले पहले भारतीय बन गए है। नेशनल रिकॉर्ड होल्डर गुलवीर ने ग्लासगो के स्कॉट्सटाउन स्टेडियम में यह रेस 27:49.8 में पूरी की। गुलवीर ऑस्ट्रेलिया के काई रॉबिन्सन के बाद दूसरे स्थान पर रहे।

- 10 हजार मीटर, 5 हजार मीटर, हाफ मैराथन और एक मील के इवेंट में नेशनल रिकॉर्ड
- साल 2026 में ही हाफ मैराथन को सिर्फ 59 मिनट 42 सेकेंड में पूरा करने के साथ पहले ऐसे भारतीय एथलीट
- साल 2025 में एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 5 हजार और 10 हजार मीटर के इवेंट में गोल्ड मेडल
- मई 2026 में अमेरिका के कार्निवल में चार मिनट से कम समय में एक मील की दौड़ पूरी करने वाले पहले भारतीय

सोनम ने किया समर्पण हिरासत में भेजी गई

शिलांग। राजा रघुवंशी हत्याकांड की आरोपी सोनम रघुवंशी ने मंगलवार को मेघालय की एक अदालत में आत्मसमर्पण कर दिया। वर्ष 2025 में हनीमून के दौरान सोनम ने पति राजा रघुवंशी की हत्या कर दी थी। हाल ही में दिए गए सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन करते हुए मेघालय की एक ट्रायल कोर्ट में आत्मसमर्पण कर दिया।

नाइजीरियन गिरफ्तार एक करोड़ की ड्रग्स जब्त

पालघर। महाराष्ट्र के पालघर जिले में पुलिस ने 53 वर्षीय एक नाइजीरियाई नागरिक को गिरफ्तार कर उसके पास से 1.02 करोड़ रुपए मूल्य का मेफेड्रोन (मादक पदार्थ) बरामद किया है। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान जस्टिन उसीफो उर्फ माइकल ग्रेस के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान 2.054 किलोग्राम मेफेड्रोन बरामद किया गया, जिसकी कीमत 1,02,75,000 रुपए आंकी गई है।

राम मंदिर के सचिव बनाए गए जगदीश

नई दिल्ली। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने संगठनात्मक ढांचे में बड़ा बदलाव करते हुए जगदीश आफले को ट्रस्ट का पहला सचिव नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति पर औपचारिक मुहर 2 सितंबर को होने वाली ट्रस्ट की बैठक में लगेगी। हालांकि, उन्हें पहले ही ट्रस्ट का अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता बना दिया गया है।

5 मशीनें लगातार गिन रही हैं नोट

सरकारी बस ड्राइवर के घर से करोड़ों की नकदी और 15 किलो सोना जब्त

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

बीरभूम के मोहम्मदबाजार इलाके में मंगलवार देर रात पुलिस की छापेमारी में एक सरकारी बस चालक के घर से करोड़ों रुपये की नकदी और बड़ी मात्रा में सोना जब्त किया गया है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने बुधवार को इस कार्रवाई का जिक्र करते हुए कहा कि घर से करीब 15 किलो सोना मिला है। पुलिस ने मोहम्मदबाजार के देउचा इलाके में मिनार मंडल के घर को घेरकर तलाशी अभियान शुरू किया। बताया जा रहा है कि देर रात शुरू हुई कार्रवाई सुबह तक जारी रही। घर में नोटों के कई बंडल मिले हैं। नकदी की गिनती के लिए पांच नोट गिनने वाली मशीनें मंगाई गईं। बरामद रुपये को ले जाने के लिए बड़े-बड़े ट्रंक भी लाए गए। मिनार मंडल सरकारी बस चालक है और पत्थर कारोबार से भी जुड़ा हुआ है। दावा है कि वह बीरभूम के चर्चित पत्थर कारोबारी टुलू मंडल के कई पत्थर खदानों के कारोबार से भी जुड़ा रहा है। हालांकि, बरामद नकदी और सोने

पुलिस की तैनाती

का स्रोत क्या है तथा इसका किसी अवैध गतिविधि से संबंध है या नहीं, यह अभी स्पष्ट नहीं है। टुलू मंडल को कभी पूर्व मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी के नेतृत्व वाली तत्कालीन सरकार में प्रभावशाली नेता अनुब्रत मंडल का करीबी बताया जाता था। टुलू पर अवैध पत्थर खदान चलाने के आरोप भी लग चुके हैं और उसका नाम मवेशी तस्करी मामले में भी सामने आया था। वर्ष 2022 में प्रवर्तन निदेशालय ने उसके घर और कार्यालय में तलाशी अभियान चलाया था।

बरामद रकम जनहित के कार्यों में लगाई जाए

मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति जारी रहेगी। उन्होंने चेतावनी दी कि सरकारी संपत्ति या जनता के पैसे की कथित लूट से संपत्ति बनाने वालों और गलत तरीके से संपत्ति अर्जित करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि सत्ता में बैठे लोगों से सांठगांठ कर संपत्ति बनाने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई होगी। सैंथिया के भाजपा विधायक कृष्णकांत साहा ने कहा कि राज्य में बदलाव के बाद चोरी, लूट और सिंडिकेट राज को खत्म करने की दिशा में कार्रवाई हो रही है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार से जुड़ी रकम बरामद होने पर उसे जनता के हित में इस्तेमाल किया जाना चाहिए।

मप्र किसान आंदोलन : मुख्यमंत्री आवास से कुछ ही दूरी पर डटे थे अन्नदाता

सरकार 60 प्रतिशत मूंग खरीदने को तैयार किसानों का आंदोलन खत्म करने का ऐलान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भोपाल

मध्यप्रदेश में किसानों का तीन दिन से चल रहा आंदोलन समाप्त हो गया है, सरकार ने उनकी मांगें मान ली है। बुधवार को आंदोलनरत किसानों से बातचीत के बाद राज्य के मूंग उत्पादक पात्र किसानों की उपज का 60 प्रतिशत उपार्जन करने की घोषणा की, जिसके कुछ देर बाद मुख्यमंत्री आवास से कुछ ही दूरी पर डटे अन्नदाताओं ने अपना प्रदर्शन खत्म करने की घोषणा की। इसके साथ ही सरकार ने मूंग उपार्जन की अंतिम तिथि 10 अगस्त से बढ़ाकर 20 अगस्त करने और ई-टोकन व्यवस्था में सुधार के लिये समिति गठित करने का ऐलान

किया। बयान में राज्य के कृषि मंत्री ऐदल सिंह कंषाना ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार सदैव किसानों के हित में कार्य करती आई है क्योंकि अन्नदाता प्रदेश की अर्थव्यवस्था और समृद्धि का आधार हैं और उनके परिश्रम से उत्पादित उपज का उचित मूल्य सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

ऐसे बनी बात

बता दें, सरकार के प्रस्ताव के बाद भी किसान न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर मूंग की सौ प्रतिशत खरीद की मांग पर अड़े रहे और कहा कि इस बारे में सभी हितधारकों से बातचीत के बाद अंतिम निर्णय लिया जाएगा और तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। हालांकि, कुछ देर बाद आंदोलन में शामिल राष्ट्रवादी किसान आर्मी के प्रदेश संयोजक प्रतीक शर्मा ने 'पीटीआई-वीडियो' से बातचीत में कहा कि किसान सरकार के फैसले से खुश हैं और सभी किसान संगठनों ने मिलकर आंदोलन को खत्म करने का फैसला किया है। इसके बाद रोशनपुरा चौराहे पर पुलिस की ओर से सभी आंदोलनरत किसानों को उनके घर भेजने के लिए गाड़ियों की व्यवस्था किए जाने की घोषणा की गई।

सरकार ने जारी किया आधिकारिक बयान

किसानों से वार्ता के बाद सरकार की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि किसानों के व्यापक हित को ध्यान में रखते हुए सरकार ने अब प्रत्येक पात्र किसान से उसकी मूंग उपज का 25 प्रतिशत नहीं, बल्कि 60 प्रतिशत उपार्जन करने का निर्णय लिया है। इसमें कहा गया कि नर्मदापुरम, सीहोर एवं हरदा जैसे जिलों में लगभग तीन क्विंटल प्रति एकड़ मूंग उत्पादक किसानों के लिए यह निर्णय तत्काल प्रभाव से लागू किया जाएगा और प्रयास रहेगा कि अधिक से अधिक किसानों को इसका लाभ मिले। बयान में कहा गया कि किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सरकार ने स्लॉट बुकिंग की अवधि भी 10 दिन बढ़ाने का निर्णय लिया है।

खबर संक्षेप

पुराने वाहनों में ई20 ईंधन का इस्तेमाल चिंताजनक : केजरी

नयी दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को दावा किया कि वाहन निर्माता कंपनियां सार्वजनिक रूप से यह स्पष्ट करने से बच रही हैं कि वर्ष 2023 से पहले निर्मित पेट्रोल वाहनों के लिए ई20 ईंधन उपयुक्त है या नहीं। उन्होंने आरोप लगाया कि कंपनियां इस मामले में केंद्र सरकार के दबाव में हैं। केजरीवाल ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि उन्होंने 29 वाहन निर्माता कंपनियों को पत्र लिखकर पूछा है कि क्या 2023 से पहले निर्मित पेट्रोल वाहनों में ई20 ईंधन का सुरक्षित तरीके से इस्तेमाल किया जा सकता है।

महिला ट्रेनी से यौन उत्पीड़न आईपीएस रेड्डी गिरफ्तार

हैदराबाद। हैदराबाद में महिला ट्रेनी आईपीएस अधिकारी से कथित यौन उत्पीड़न के मामले में आरोपी ट्रेनी आईपीएस अधिकारी उदय कृष्णा रेड्डी को बुधवार को गिरफ्तार कर लिया गया। अत्तापुर पुलिस उन्हें बुधवार सुबह अत्तापुर पुलिस स्टेशन लेकर पहुंची, जहां जरूरी कानूनी औपचारिकताएं पूरी की गईं. इसके बाद उन्हें मेडिकल जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया। मेडिकल परीक्षण के बाद पुलिस ने उन्हें नामपल्ली स्थित अदालत में पेश किया।

भोजशाला, मुस्लिम पक्ष की याचिका पर सुनवाई

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय बृहस्पतिवार को मुस्लिम पक्ष की उस याचिका पर सुनवाई करेगा जिसमें कहा गया है कि मध्यप्रदेश के धार में विवादित भोजशाला परिसर के पास जुमे की नमाज अदा करने के लिए वैकल्पिक जगह उपलब्ध कराने के अदालती निर्देशों का पालन नहीं किया गया। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने 24 जुलाई को कहा था कि याचिका पर बुधवार को सुनवाई की जाएगी।

अमेरिका के साथ किए गए इस हमले में 20 की मौत, 32 घायल

मिडिल ईस्ट जंग में सऊदी भी कूदा, इराक में ईरान समर्थित लड़ाकों पर किया हमला

ईरान जंग में अब सऊदी अरब की भी आधिकारिक रूप से एंट्री हो गई है। सऊदी ने अमेरिका के साथ मिलकर मंगलवार देर रात इराक में ईरान समर्थित पॉपुलर मोबिलाइजेशन फोर्स (पीएमएप) के लड़ाकों के ठिकानों पर मिसाइल हमले किए। इस हमले में 20 लड़ाकों की मौत हो गई जबकि 32 घायल हुए। ईरान ने जवाबी कार्रवाई करते हुए जॉर्डन स्थित अमेरिकी बेस को लक्ष्य करके मिसाइल दागी, लेकिन इसे मार गिराया गया।

एजेंसी ▶▶| वाशिंगटन

अमेरिकी सेना की सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने बताया कि अमेरिकी और सऊदी बलों ने इराक में उन ठिकानों पर हमले किए, जिनका इस्तेमाल ईरान समर्थित सशस्त्र समूह हाल के दिनों में हमले करने के लिए कर रहे थे। अमेरिका ने चेतावनी दी कि यदि अमेरिकी सैनिकों या सऊदी अरब के ऊर्जा प्रतिष्ठानों पर आगे भी हमले हुए, तो और कड़ी सैन्य कार्रवाई की जाएगी। सेंटकॉम ने कहा, 'पिछले 72 घंटों में आईआरजीसी के निर्देश पर किए गए 30 से अधिक ड्रोन हमलों के जवाब में अमेरिकी और सऊदी लड़ाकू विमानों ने पूर्वी इराक में आतंकवादी संगठनों के कई रसद और हथियार भंडारण ठिकानों पर हमला किया।'सऊदी अरब के रक्षा मंत्रालय ने भी सोशल मीडिया पर हमलों की पुष्टि करते हुए कहा कि 'सऊदी अरब तनाव बढ़ाना नहीं चाहता, लेकिन किसी भी आक्रामक कार्रवाई का जवाब देगा।'

इराकी सेना के अधीन है ईरान समर्थक 'पॉपुलर मोबिलाइजेशन फोर्सेज'

पीएमएफ ने लड़ाकों के मरने की की पुष्टि

'पॉपुलर मोबिलाइजेशन फोर्सेज' (पीएमएफ), जो मुख्य रूप से शिया और ईरान समर्थित सशस्त्र समूहों का गठबंधन है तथा औपचारिक रूप से इराकी सेना के अधीन है, ने दावा किया कि रातभर चले हवाई हमलों में उसके 20 लड़ाके मारे गए और 32 घायल हुए। सऊदी अरब ने मंगलवार को कहा था कि उसने लगातार दूसरे दिन इराक में ईरान समर्थित मिलिशिया द्वारा दागे गए ड्रोन मार गिराए।

इराकी पीएम ने बुलाई आपात बैठक

इराक के प्रधानमंत्री अली अल-जैदी ने इन हमलों पर चर्चा के लिए बुधवार को राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की आपात बैठक बुलाई। अमेरिका और ईरान के बीच पिछले कुछ दिनों से अपेक्षाकृत शांति का दौर था। लगभग तीन दिनों तक दोनों देशों की ओर से किसी नए हमले की घोषणा नहीं हुई थी।

होर्मुज में और बढ़ा तनाव

इससे पहले होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर कई सप्ताह तक तनाव बना हुआ था। यह वही रणनीतिक समुद्री मार्ग है, जहां से दुनिया के लगभग 20 प्रतिशत तेल व्यापार होता है। यह संघर्ष ऐसे समय फिर भड़क उठा है, जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कई मोर्चों पर दबाव का सामना कर रहे हैं। हाल के सप्ताहों में संघर्ष में चार अमेरिकी सैनिकों की मौत हो चुकी है, जबकि पेंटागन ने युद्ध की बढ़ती लागत के लिए कांग्रेस से अतिरिक्त धन की मांग की है।

जार्डन ने ईरान की पांच मिसाइलों को मार गिराया

इधर, अमेरिका और सउदी के हमले के जवाब में ईरान ने भी जार्डन स्थित अमेरिकी बेस को निशाना बनाया था। जॉर्डन की सेना ने कहा कि देश की हवाई रक्षा प्रणाली ने बुधवार तड़के ईरान से दागी गई पांच मिसाइलों को बीच रास्ते में ही मार गिराया। यह घटना अमेरिकी सेना द्वारा पश्चिम एशिया में अमेरिकी ठिकानों पर दागी गईं ईरानी मिसाइलों को निष्क्रिय करने और इराक में ईरान समर्थित सशस्त्र समूहों के ठिकानों पर सऊदी अरब के साथ संयुक्त हवाई हमले किए जाने के कुछ ही घंटों बाद हुई। जॉर्डन की सेना ने कहा कि 'सभी पांच मिसाइलों को सफलतापूर्वक रोककर नष्ट कर दिया गया।'

वंदे मातरम बिल राज्यसभा से हुआ पारित, अपमान पर 3 साल की होगी जेल

बिल पर चर्चा के दौरान विपक्षी सदस्यों ने किया सदन से वॉकआउट

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

ससंद के उच्च सदन यानी राज्यसभा में वंदे मातरम से संबंधित 'राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) विधेयक, 2026 पारित कर दिया है। संशोधन के तहत अगर कोई वंदे मातरम के गाए जाने के दौरान जानबूझकर उसका अपमान करता है, तो उसे 3 साल तक की जेल हो जाएगी। जन-गण-मन की तरह सारा प्रोटोकॉल वंदे मातरम के लिए भी लागू होगा। वंदे मातरम बिल पर हुई को लेकर गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि बिल में किया गया संशोधन केवल एक विधायी बदलाव नहीं है। उन्होंने कहा कि यह भारत की आत्मा, राष्ट्रीय चेतना, सांस्कृतिक विरासत और स्वतंत्रता संग्राम के आदर्शों के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

शाह से स्पष्टीकरण को लेकर विपक्ष का हंगामा : लंच के बाद उपसभापति हरिवंश ने कार्यसूची में शामिल राष्ट्र गौरव अपमान निवारण (संशोधन) विधेयक, 2026 पर चर्चा शुरू कराई। इसी बीच विपक्षी दलों ने राजधानी में नीट पेपर लीक के प्रदर्शनकारियों पर कथित पुलिस कार्रवाई को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से स्पष्टीकरण की मांग करते हुए नारेबाजी शुरू कर दी।

ध्वनिमत से पारित हुआ कानून

राज्यसभा में वंदे मातरम बिल पर चर्चा के दौरान विपक्षी सदस्यों ने सदन से वॉकआउट किया था। हालांकि, आम आदमी पार्टी (आप), बीजू जनता दल (बीजद), भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) और वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के सदस्यों ने चर्चा में हिस्सा लिया, जिसके बाद विधेयक को ध्वनिमत से मंजूरी मिल गई।

आगे इस बात पर हो सकती है चर्चा

'वंदे मातरम' की रचना बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने की थी और बाद में इसे उनके उपन्यास आनंदमठ में शामिल किया गया। आजादी के आंदोलन के दौरान यह राष्ट्रीय चेतना का प्रमुख प्रतीक बना और बाद में इसे भारत का राष्ट्रीय गीत का दर्जा मिला। नए संशोधन के बाद यह बहस भी तेज हो सकती है कि कानून में 'अपमान' और 'बाधा' की परिभाषा क्या होगी तथा क्या इसमें जानबूझकर व्यवधान पैदा करने और किसी व्यक्ति के राष्ट्रीय गीत के गायन में शामिल न होने के बीच स्पष्ट अंतर किया जाएगा।

महाप्रभु जगन्नाथ फिल्म को सुप्रीम कोर्ट ने दी हरी झंडी

ऐसे ही चलता रहा तो एक दिन बंद करनी पड़ेगी रामायण-महाभारत

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

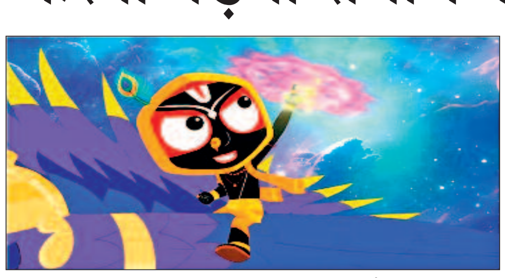

एनिमेटेड फिल्म 'महाप्रभु जगन्नाथ' को लेकर छिड़े विवाद पर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने फिल्म की रिलीज पर रोक लगाने से साफ इंकार कर दिया। इतना ही नहीं, सुनवाई के दौरान अदालत ने ऐसी याचिकाओं पर सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि अगर हर बार किसी की भावनाएं आहत होने के नाम पर फिल्मों और कला पर रोक लगाई जाएगी, तो एक दिन रामायण, महाभारत और हिंदू देवी-देवताओं पर बनने वाली हर फिल्म, टीवी शो, पेंटिंग और मूर्ति तक बंद करनी पड़ेगी।

'जगन्नाथ को डोरेमोन और स्पाइडरमैन बना दिया'

सुनवाई के दौरान ओडिशा सरकार की ओर से पेश एडवोकेट जनरल ने दलील दी कि फिल्म में भगवान जगन्नाथ को 'डोरेमोन' और 'स्पाइडरमैन' जैसे अंदाज में दिखाया गया है, जो आपत्तिजनक है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह एक एनिमेटेड फिल्म है, जो बच्चों के लिए बनाई गई है। सिर्फ एनिमेशन स्टाइल में दिखाने भर से इसे अपमानजनक नहीं माना जा सकता। बेंच ने साफ कहा कि फिल्म देखने के बाद ऐसा नहीं लगता कि इससे भगवान जगन्नाथ के प्रति लोगों की आस्था या श्रद्धा कम होती है। इसलिए रिलीज पर रोक लगाने का कोई आधार नहीं बनता।

यह है मामला

दरअसल, 15 जुलाई को ओडिशा हाई कोर्ट ने 'महाप्रभु जगन्नाथ' की देशभर में रिलीज पर रोक लगा दी थी। हाई कोर्ट का कहना था कि फिल्म स्कंद पुराण में वर्णित तथ्यों का पूरी तरह पालन नहीं करती। इसके बाद फिल्म बनाने वाली कंपनी ईलई एनिमेशन प्राइवेट लिमिटेड सुप्रीम कोर्ट पहुंची। 17 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने रथ यात्रा के दौरान फिल्म रिलीज करने की इजाजत नहीं दी थी, लेकिन यह साफ कर दिया था कि 28 जुलाई को रथ यात्रा खत्म होने के बाद फिल्म रिलीज की जा सकती है। अब बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने रिलीज रोकने की नई मांग भी खारिज कर दी है। यानी फिल्म का रास्ता पूरी तरह साफ हो गया है।

एक्स से भी मांगी अकाउंट होल्डर की पर्सनल डिटेल

पीएम मोदी को गाली देने वाले अब नहीं बचेंगे, दिल्ली पुलिस भेज रही नोटिस

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

कॉकरोच जनता पार्टी के प्रोटेस्ट के दौरान सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सुरक्षाबलों को गाली-गलौज देने वाले लोगों के खिलाफ दिल्ली पुलिस ने एक्शन शुरू कर दिया है। दरअसल, दिल्ली पुलिस पीएम और सुरक्षाबलों को गाली-गलौज देने वाले सोशल मीडिया हैंडलों को नोटिस जारी कर रही है। इस मामले में दिल्ली पुलिस ने एक FIR दर्ज की है जिसके आधार पर एक्स से भी उन सोशल मीडिया अकाउंट की जानकारी मांगी गई है जिन्होंने सीजेपी प्रोटेस्ट के दौरान पीएम और सुरक्षाबलों के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया था।

दिल्ली पुलिस ने एक्स से मांगी यह जानकारी

एक्सप्रेस के मुताबिक, एफआईआर इस शिकायत पर दर्ज की गई कि 'सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर संवैधानिक प्रमुखों को टारगेट करके गलत, दुर्भावनापूर्ण और बदनाम करने वाला कंटेंट शेयर किया जा रहा है। दिल्ली पुलिस ने एक्स (पहले ट्विटर) से कहा है कि वह प्लेटफॉर्म से कथित पोस्ट या वीडियो तुरंत डिलीट कर दे। पुलिस ने ऐसे एक्स अकाउंट को हैंडल करने वालों का नाम, पता, कॉन्टैक्ट डिटेल्स और ईमेल आईडी जैसी पूरी जानकारी भी मांगी है।

दिल्ली और बाहर के राज्यों के लोग हैं निशाने पर

रिपोर्ट के मुताबिक, दिल्ली पुलिस ने राजधानी के अलावा अन्य दूसरी जगहों से भी आए ऐसे प्रदर्शनकारियों की पहचान करना शुरू कर दिया है जिन्होंने प्रोटेस्ट के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सिक्योरिटी फोर्स को टारगेट करने वाले गाली-गलौज वाले पोस्ट सोशल मीडिया पर डाले थे। दिल्ली पुलिस ने सोशल मीडिया अकाउंट के साथ-साथ ऐसे न्यूज पोर्टल को भी नोटिस जारी किया है। हालांकि कितने सोशल मीडिया अकाउंट को नोटिस जारी किया गया है ये जानकारी सामने नहीं आई है। पुलिस ने यह एक्शन प्रोटेस्ट के दौरान और बाद में अपलोड किए गए कंटेंट के रिव्यू के बाद शुरू किया है।

गुरु पूर्णिमा पर हीरे-रत्नों से जड़ित अनोखा उपहार भेंट

साईं बाबा को दान किया 1 करोड़ के सोने का मुकुट

एजेंसी ▶▶| मुंबई

लाखों श्रद्धालु पहुंचे साईं बाबा के दर्शन के लिए | एक भक्त ने चढ़ाया 300 ग्राम का सोने का हार

देशभर में बुधवार को आषाढ़ी गुरु पूर्णिमा धूमधाम से मनाई गई। इस खास मौके पर एक भक्त ने शिरडी साईं बाबा को 1 करोड़ से ज्यादा कीमत का शानदार सोने का मुकुट गुरु-दक्षिणा के तौर पर भेंट किया। साईं बाबा को ये मुकुट भेंट किया है आंध्र प्रदेश के वेल्लोर के रहने वाले श्रीनिवास राव ने. इस सोने के चमकते खूबसूरत मुकुट का वजन 642 ग्राम है। इसकी कीमत करीब 1.03 करोड़ है। सोने के मुकुट पर नवग्रहों की बारीक नक्काशी की गई है। इसे अमेरिकन डायमंड्स से सजाया गया है।

सोने का ओम

महाराष्ट्र के शिरडी में इस मौके पर देशभर से लाखों श्रद्धालु साईं बाबा के दर्शन के लिए पहुंचे। इस बार चर्चा उस गुरुदक्षिणा की भी है, जो श्रद्धालुओं ने बाबा के चरणों में अर्पित की। यहां दो दिनों में शिरडी के साईं बाबा मंदिर में करीब 1 करोड़ 70 लाख रुपये कीमत के सोने के आभूषण चढ़ाए गए। इनमें सोने के मुकुट हैं, सोने का ओम है और एक ऐसा नक्काशीदार सोने का हार भी है, जिसकी कीमत अकेले 47 लाख रुपये है।

स्वर्ण आभूषण की भरमारषः साईं बाबा मंदिर ट्रस्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गोरक्ष गाडिलकर ने बताया कि गुरुपूर्णिमा उत्सव के दौरान श्रद्धालुओं की ओर से लगातार स्वर्ण आभूषण अर्पित किए जा रहे हैं। कल और आज मिले सभी स्वर्ण आभूषणों का कुल मूल्य लगभग 1.70 करोड़ है।

ट्रस्ट ने दी जानकारी

मंदिर ट्रस्ट के अनुसार, गुरुपूर्णिमा पर मुंबई के एक श्रद्धालु ने अपनी मन्नत पूरी होने के बाद साईं बाबा को 300 ग्राम वजनी नक्काशीदार सोने का हार अर्पित किया। इस हार की अनुमानित कीमत 47 लाख है। खास बात यह है कि श्रद्धालु ने अपनी पहचान सार्वजनिक न करने के लिए कहा है, जिसे मंदिर प्रशासन ने स्वीकार किया। गुरुपूर्णिमा के दो दिनों में मंदिर को दो स्वर्ण मुकुट और दो सोने के ओम भी भेंट किए गए। इनमें एक बड़ा सोने का मुकुट 642 ग्राम, एक छोटा मुकुट 60 ग्राम और एक स्वर्ण ओम 51 ग्राम वजन का है। ट्रस्ट का कहना है कि दो दिनों में प्राप्त सभी स्वर्ण आभूषणों का कुल वजन करीब 1 किलो 53 ग्राम है।

पाकिस्तानी के कहने पर सस्ते टूर पैकेज का लालच देकर लुभाया

3 भारतीय टूरिस्ट का थाईलैंड में भारतीयों ने ही किया अपहरण

बैंकॉक। थाईलैंड में पांच भारतीय नागरिकों को अपने ही देश के तीन लोगों का अपहरण करने और उनकी रिहाई के लिए फिरौती मांगने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। 'बैंकॉक पोस्ट' ने पुलिस के हवाले से अपनी खबर में कहा कि पांचों आरोपियों को मंगलवार को बैंकॉक के क्लोंग तान इलाके के एक होटल से उस समय गिरफ्तार किया गया, जब वे विदेश भागने की फिराक में थे। खबर के अनुसार संदिग्धों की पहचान अवतार सिंह (38), जगजीत सिंह (38), रामबालक कुमार (24), सुखबीर सिंह (37) और कुलरा सिंह (27) के रूप में की गई है। आरोपियों ने जांचकर्ताओं को बताया कि उन्हें एक पाकिस्तानी नागरिक ने तीन भारतीय पुरुषों (सभी पर्यटक) का अपहरण करने का निर्देश दिया था।

मास्टरमाइंड का ठिकाना है दुबई

इस कथित षडयंत्रकर्ता का ठिकाना दुबई में है और उसने फिरौती की रकम 'क्रिप्टोकरेंसी' के रूप में हासिल करने की योजना बनाई थी। पुलिस ने मीडिया को बताया कि आरोपियों को यह काम पूरा करने के बाद थाईलैंड छोड़ने के लिए कीमती सामान, नकदी और हवाई टिकट देने का वादा किया गया था।

रायपुर
गुरुवार 30 जुलाई 2026
श्रावण, कृष्ण पक्ष प्रतिपदा
वर्ष : 25, अंक : 10
पृष्ठ : 12+4+4 = 20 मूल्य : 5.00**

मौसम
अधि. 28.2
न्यून. 24.8

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

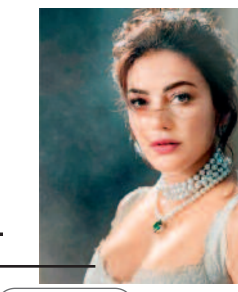

3 असिस्टेंट डायरेक्टर ने की शर्मनाक...

विचार पेज
4 विकास कार्यों की जवाबदेही...

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA sky चैनल नं. 1155
airtel चैनल नं. 366

भारी बारिश से उफान पर नदी-नाले, धमतरी-गरियाबंद में दो बहे, स्कूलों की छुट्टी, सैकड़ों गांवों का संपर्क टूटा

खबर संक्षेप

'छड़ी मुबारक' के धार्मिक अनुष्ठान शुरू

श्रीनगर। अमरनाथ यात्रा से जुड़ी सदियों पुरानी परंपरा 'छड़ी मुबारक' के धार्मिक अनुष्ठान बुधवार से औपचारिक रूप से शुरू हो गए। महंत दीपेंद्र गिरि ने यह जानकारी दी। भगवान शिव की भगवा वस्त्रों से सुसज्जित छड़ी 'छड़ी मुबारक' को यहां स्थित दशनामी अखाड़े से अनंतनाग जिले के पहलगाम ले जाया गया, जहां भूमि पूजन अनुष्ठान किया गया।

100 करोड़ की धोखाधड़ी तीन आरोपी गिरफ्तार

डिंडीगुल। तमिलनाडु के डिंडीगुल जिले में स्थित प्रसिद्ध पलानी मुरुगन मंदिर से जुड़े एक मठ की बेशकीमती जमीन कथित तौर पर फर्जी विलेख पत्र तैयार कर निजी लोगों के नाम कर दी गई। इस मामले की जांच कर रही तमिलनाडु सीबीआई-सीआईडी ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। इन गिरफ्तारियों से मंदिर के नजदीक 1.4 एकड़ जमीन के चर्चित मामले में एक बड़ी कामयाबी मिली है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

बाढ़ के चलते जगह-जगह पेड़ गिर गए हैं जिससे यातायात प्रभावित है। कुछ जगहों पर सड़कें भी बह गई हैं। गरियाबंद जिले में सौ से ज्यादा गांवों का ब्लॉक मुख्यालय से संपर्क टूट गया है। धमतरी जिले के सिहावा ब्लॉक में बुधवार को स्कूलों की छुट्टी रही, वहीं गरियाबंद के मैनपुर ब्लॉक में भी एक दिन की अवकाश की खबर है।

धमतरी जिले के सिहावा इलाके के सेमरा गांव में नदी के एनीकट में मछली पकड़ने गया एक युवक बह गया। युवक घोटगांव का रहने वाला बताया गया है। फिलहाल बचाव दल उसकी तलाश कर रही है। इसीतरह गरियाबंद जिले के फिंगेश्वर के सरगी नाले में एक बुजुर्ग बह गया। नाले के किनारे खड़े लोगों ने बुजुर्ग को आगाह भी किया था कि वह न जाएं। बुजुर्ग का शव पांच किलोमीटर दूर बरामद किया गया है।

बस्तर संभाग में लगातार भारी बारिश से जनजीवन बुरी तरह अस्त व्यस्त हो गया है। सुकमा जिले में तेज बारिश से मुख्य मार्ग पर राजामुण्डा के ▶▶|शेष पेज 7 पर

छत्तीसगढ़ में दो दिनों से हो रही भारी बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। भारी बारिश से रायपुर, सरगुजा और बस्तर संभाग के कई जिले बुरी तरह प्रभावित हैं। नदी-नालों के उफान पर आने से धमतरी, गरियाबंद और दो लोग बह गए, जिसमें एक बुजुर्ग का शव बरामद किया गया है।

छत्तीसगढ़ में जमकर हो रही बारिश, राजधानी समेत कई इलाकों में मानसूनी बौछारें

नेशनल हाईवे पर दो-तीन फीट पानी

भारी बारिश के चलते नेशनल हाईवे 130 सी के उपर 2-3 फीट पानी भरने से गरियाबंद, रायपुर, देवभोग ओड़िशा मार्ग अवरूद्ध हो गया। अड़गड़ी नाला में बनाए एप्रोच रोड बहने से 65 गांवों के हजारों लोगों का आवागमन पूरी तरह बंद है। उदंती, ▶▶|शेष पेज 7 पर

फरसगांव में दो दर्जन से अधिक गांवों का संपर्क टूटा

बस्तर संभाग के कोंडागांव जिले में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश से फरसगांव विकासखंड में जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। उरंदाबेड़ा नाला सहित कई छोटे-बड़े नाले उफान पर हैं, जिससे फरसगांव आने-जाने वाले प्रमुख मार्ग बाधित हो गए हैं। तेज बहाव के कारण दो दर्जन से अधिक गांवों का मुख्यालय से संपर्क टूट गया है।

24 घंटे में रायपुर 15 तो बचेली में 20 सेमी. बरसा पानी

- आज से गतिविधि में कमी आने के आसार, प्रदेश में अब तक करीब 48 सेमी. वर्षा
- रायपुर में दैनिक और मासिक बरसात का टूट चुका है रिकार्ड, अब तक 59 सेमी. बरसात

रायपुर। पश्चिम बंगाल में बने गहरे अवदाब ने सावन के पहले राजधानी रायपुर समेत प्रदेश के अधिकतर इलाके को सराबोर कर दिया है। मानसून की सक्रियता की वजह से पिछले चौबीस घंटे में प्रदेश के अधिकतर इलाकों में भारी बारिश हुई है। पिछले चौबीस घंटे में रायपुर में बरसात ने 15 सेमी. का आंकड़ा पार कर दिया तो बचेली में 20 सेमी. तक बारिश से जनजीवन प्रभावित हो गया। सिस्टम के मध्यप्रदेश की ओर कूच करने की वजह से अगले चौबीस घंटे में बरसात की गतिविधि में कमी आएगी। जुलाई के महीने में रायपुर जिले में दैनिक और मासिक वर्षा का रिकार्ड टूटा चुका है। जिले में अब तक 59 सेमी. पानी बरस ▶▶|शेष पेज 7 पर

फिंगेश्वर के सरगी नाले में एक बुजुर्ग बह गया

कार के अंदर ही मिली पूर्व सरपंच दंपती की लाश

- 71 घंटे चला रेस्क्यू ऑपरेशन
- ओडिशा एनडीआरएफ, रायपुर-बिलासपुर एसडीआरएफ और रायगढ़ के नगर सेना की टीम मौके पर डटी पूरे समय

रायगढ़/ बरमकेला। बीते रविवार को कार समेत नदी की धार में बहे पति-पत्नी को ढूंढने करीब 71 घंटे का रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। जब जाकर दोनों का शव बरामद हो सका है। इस दौरान ओडिशा एनडीआरएफ, रायपुर-बिलासपुर एसडीआरएफ और रायगढ़ के नगर सेना की टीम मौके ▶▶|शेष पेज 7 पर

डीईओ ने दिया जांच का निर्देश

शिक्षक ने बच्चे से कापी पर लिखवाई दो सौ बार गाली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबिकापुर

शहर के एक निजी स्कूल का हैरान करने वाला मामला सामने आया है। स्कूल में एक शिक्षिका द्वारा छात्र को कापी पर मां की गाली लिखने की सजा दी। बच्चे से उसके ही स्कूल कापी पर 200 बार अशोभनीय गाली लिखवाई गई और अभिभावक से हस्ताक्षर कराकर मंगवाया गया। इस घटना के बाद अभिभावक आक्रोशित हैं और जांच व कार्रवाई की मांग की है। इधर इस मामले में शिकायत के बाद जिला शिक्षा अधिकारी ने स्कूल ▶▶|शेष पेज 7 पर

जारी किया गया है नोटिस

यह मामला काफी गंभीर है। शिकायत के बाद स्कूल के प्राचार्य को नोटिस जारी किया गया है और जवाब मांगा गया है। मामले की जांच के निर्देश दिए गए है। जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

-डॉ. दिनेश झा, डीईओ

तीसरे सोमवार को मनाई जाएगी नाग पंचमी, 2003 के बाद यह पहली बार

श्रवण नक्षत्र सहित आयुष्मान में श्रावण मास प्रारंभ, 23 वर्ष पश्चात नागपंचमी सोमवती

अलग खबर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

श्रवण नक्षत्र में सावन की शुरुआत 30 जुलाई से हो रही है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, श्रवण नक्षत्र एक देवगण नक्षत्र है। इस नक्षत्र में किए गए मंत्र जाप, ध्यान और व्रत का प्रभाव अधिक माना जाता है। साधक को मानसिक शांति और आध्यात्मिक उन्नति प्राप्त होती है। सावन के पहले दिन आयुष्मान योग बहुत शुभ माना जाता है, जो आज निर्मित हो रहा है। आयुष्मान योग ▶▶|शेष पेज 7 पर

तड़के 4 बजे प्रथम आरती

राजधानी के महादेव घाट स्थित हाटकेश्वरनाथ मंदिर में श्रावण मास की प्रथम आरती गुरुवार तड़के 4 बजे की गई। इसके पूर्व जलाभिषेक व श्रृंगार हुआ। यहां दर्शन के लिए पट रात्रि 10 बजे तक खुले रहेंगे। प्रतिदिन यही क्रम रहेगा। इसी भांति शहर के अन्य शिवालयों में भी श्रावण मास की तैयारियां पूर्ण किए जाने के साथ ही विविध व्यवस्थाएं की गई हैं।

गोधूली बेला के पूर्व जलाभिषेक

शिव को जल सर्वाधिक प्रिय है। ब्रह्म मुहूर्त से जलाभिषेक प्रारंभ कर सकते हैं। गोधूली बेला के पूर्व तक जलाभिषेक करना अधिक श्रेष्ठ है।

- पं.आशीष शास्त्री
भोरमदेव मंदिर, कवर्धा

संपूर्ण मास शिव को अर्पित

सावन का पूरा महीना ही शिव को समर्पित है। कोई मुहूर्त या विशेष योग-संयोग ना होने पर भी पूजन अनंत फलदायी है।

- पं.सुरेश गिरी
गोस्वामी,हाटकेश्वरनाथ, महादेव घाट, रायपुर

सुप्रीम कोर्ट का 11 साल बाद फैसला

पूर्व पीएम मनमोहन के खिलाफ बंद हुआ कोयला घोटाला केस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने कोयला ब्लॉक आवंटन मामले में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के खिलाफ जारी आपराधिक मामला बुधवार को बंद कर दिया और उन्हें आरोपी के रूप में तलब करने वाले आदेश रद्द कर दिए। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची तथा न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की उस 'क्लोजर रिपोर्ट' को स्वीकार कर लिया, जिसमें पूर्व प्रधानमंत्री सिंह और अन्य को क्लीन चिट दी गई थी। शीर्ष अदालत ने कहा कि ▶▶|शेष पेज 7 पर

2005 के ब्लॉक आवंटन से जुड़ा मामला

वर्ष 2005 में ओडिशा के तालाबीरा-II कोयला ब्लॉक आवंटन से संबंधित कथित कोयला घोटाले में एक विशेष अदालत ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, उद्योगपति कुमार मंगलम बिड़ला, पूर्व कोयला सचिव पी. सी. पारेख और तीन अन्य लोगों को आरोपी के रूप में तलब किया था। हालांकि, न्यायालय ने इस आदेश में हस्तक्षेप करते हुए इस पर रोक लगा दी थी।

सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट स्वीकार

अदालत ने कहा, जांच एजेंसी की रिपोर्ट स्वीकार करने के संबंध में इस अदालत द्वारा लगातार तय किए गए मानकों को ध्यान में रखते हुए हम संतुष्ट हैं कि विशेष न्यायाधीश के पास सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट को अस्वीकार कर संज्ञान लेने का कोई कारण नहीं था। हम अपील स्वीकार करते हैं और विवादित आदेश को रद्द करते हैं। परिणामस्वरूप, हम सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट स्वीकार करते हुए मामले को बंद करते हैं।

अधिसूचित जिले: बस्तर, बेमेतरा, बीजापुर, कोरिया, सारंगगढ़-बिलाईगढ़, गरियाबंद, जांजगीर-चांपा, कबीरधाम, कांकेर, सक्ती, मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी

खरीफ 2026 मौसम हेतु अधिसूचित फसलें धान सिंचित, धान असिंचित, मक्का, उड़द, अरहर, मूँग, मूँगफली, सोयाबीन, कोदो, कुटकी, रागी

योजना के मुख्य बिंदु :
- कृषक द्वारा देय प्रीमियम बीमित राशि का अधिकतम 2 प्रतिशत
- शेष प्रीमियम राशि का भुगतान भारत सरकार एवं राज्य शासन द्वारा किया जावेगा
- ओलावृष्टि, जलभराव, बादल फटने, आकाशीय बिजली से नुकसान होने पर स्थानीय आपदा अंतर्गत दावा भुगतान
- स्थानीय आपदा की स्थिति में-धान फसल में जलप्लावन से होने वाली क्षति इस घटक मे शामिल नही है
- फसल कटाई के उपरांत आगामी 14 दिनों तक खेत में सुखाने हेतु बंडलो में रखी फसल को चक्रवात, बैमौसम/चक्रवाती वर्षा से नुकसान होने पर दावा भुगतान
- कम वर्षा या विपरीत मौसम अवस्थाओं के कारण फसल बुवाई विफलता पर दावा भुगतान
- फसल उत्पादन के आधार पर व्यापक क्षति की स्थिति में, राज्य शासन एवं योजना के प्रावधानों के अनुसार फसल क्षति का मूल्यांकन एवं निर्धारण किया जाएगा।
- अनावरी के आंकड़े इस योजना अंतर्गत दावा भुगतान के लिए मान्य नही होंगे

योजनांतर्गत शामिल होने वाले कृषक :
- ऋणी कृषकों का बीमा ऋण दायी संस्था द्वारा नियमानुसार किया जायेगा।
- गैर-ऋणी कृषक अपना बीमा बैंक शाखा/कॉपरेटिव सोसाइटी/लोक सेवा केंद्र (CSC)/पोस्ट ऑफिस/AIDE-एजेंट/फसल बीमा ऐप एवं पोर्टल के माध्यम से निर्धारित तिथि के अंदर फसल का बीमा करा सकते है।
- गैर-ऋणी कृषकों हेतु आवश्यक दस्तावेज-नवीनतम आधार कार्ड, बैंक पासबुक, भूमि एवं फसल बुवाई संबंधित दस्तावेज।
ऋणी कृषक: ऋणी कृषक जो योजना में शामिल नहीं होना चाहते, उन्हें भारत सरकार द्वारा जारी चयन (Opt-out) प्रपत्रानुसार हस्ताक्षरित घोषणा पत्र बीमा आवेदन की अंतिम तिथि के 7 दिन पूर्व तक संबंधित वित्तीय संस्थान में अनिवार्य रूप से जमा करना होगा।
- योजना से बाहर होने (Opt-Out) का निर्णय पूरी तरह किसान की इच्छा पर आधारित है। किसी भी किसान को बैंक शाखा द्वारा (Opt-Out) के लिये बाध्य नहीं किया जाएगा।
- ऑप्ट-आउट की कार्यवाही केवल एक मौसम-वर्ष के लिए ही लागू होगी; जिसके लिए किसान द्वारा ऑप्ट-आउट घोषणा दी गई है।
- बैंक शाखाएं किसानों द्वारा प्रस्तुत योजना से बाहर होने (Opt-out) की प्रपत्रानुसार हस्ताक्षरित घोषणा पत्र को निरीक्षण/सत्यापन हेतु सुरक्षित रखेंगी।

अऋणी कृषक: अधिसूचित इकाई में अधिसूचित फसल लगाने वाले सभी गैर ऋणी कृषक ऐच्छिक तौर पर योजना का लाभ लेने हेतु पात्र होंगें।

योजना सम्बंधित अधिक जानकारी एवं अपनी शिकायत दर्ज करने हेतु कृषि रक्षक पोर्टल हेल्पलाइन नंबर 14447 पर संपर्क करे या व्हाट्सएप चैटबॉट नंबर 70655-14447 का उपयोग करे या www.pmfby.gov.in पर जाएँ या क्रॉप इंश्योरेंस मोबाइल एप का प्रयोग करें या अपने निकटतम कृषि कार्यालय, बैंक शाखा, CSC सेंटर या बीमा कंपनी से संपर्क करें।

स्थानीय आपदाओं से बीमित फसल में नुकसान होने पर 72 घंटे के भीतर फसल नुकसान की सूचना देना आवश्यक है।

PMFBY अंतर्गत दावा भुगतान सफल बनाने हेतु कृपया अपने संबंधित बैंक शाखा से PFMS पोर्टल से खाता संख्या को सत्यापित करवाये अथवा आधार नंबर को सही बैंक खाता से लिंक कराये।

योजना संबंधित अधिक जानकारी के लिए फार्ममित्र ऐप डाउनलोड करें

FARMITRA

बजाज जनरल इंश्योरेंस लिमिटेड, बजाज इंश्योरेंस हाउस, एयरपोर्ट रोड, येरवडा, पुणे - 411006 | आईआरडीएआई पंजीकरण संख्या: 113 • सीआईएन: U66010PN2000PLC015329 • यूआईएन: IRDAN113CP0001V02201617 • www.bajajgeneralinsurance.com • टोल फ्री नंबर: सेल्स - 1800 209 0144 / सर्विस - 1800 209 5858 • BGI-O-1092/08-07-2026

खबर संक्षेप

फर्जी सर्पदंश, महिला हितग्राही गिरफ्तार

बिलासपुर। फर्जी सर्पदंश के मामले में पुलिस ने जेल में बंद मास्टर माइंड खाण्डे सहित चार आरोपियों को पुलिस रिमांड लेकर पूछताछ करने, दस्तावेज साक्ष्य एकत्रित करने के बाद फिर से तीनों को जेल भेज दिया गया है। वहीं एक मामले में हितग्राही महिला को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। बताया जाता है सरकण्डा अशोकनगर के एक फोटो कापी दुकान में फर्जी दस्तावेज तैयार किए जाते थे। उसके बाद तहसील का पूरा काम तहसीलदार का ड्राइवर कराता था। सरकण्डा थाने में फर्जी सर्पदंश के 5 मामले में 16 जुलाई को पुलिस ने मास्टर माइंड हीराप्रसाद खाण्डेकर मंगला आकाश विहार सहित अन्य को जेल भेजा था। मृतक शंकर साहू की मौत के मामले में पुलिस ने हितग्राही उसकी पत्नी कवर्धा निवासी शिवकुमारी साहू को 29 जुलाई को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

बाघ की खाल बरामद तीन तस्कर को पकड़ा

अम्बिकापुर। वाइल्ड लाइफ क्राइम कंट्रोल ब्यूरो भोपाल के अधिकारी बाघ के अवैध शिकार एवं क्षेत्र के कुछ ग्रामीणों के पास बाघ की खाल मौजूद होने की शिकायत की गुपचुप तरीके से जांच कर रहे थे। लम्बी जांच के बाद दूरस्थ विकासखण्ड ओड़गी अंतर्गत ग्राम भंवरखोह एवं धरसेड़ी के पास बाघ की खाल मौजूद होने की सूचना मिली तो अधिकारियों ने सूरजपुर वनमंडल अधिकारी दिलेश्वर साहू को स्थिति से अवगत कराया। श्री साहू की टीम बनाई। टीम के तीन सदस्य ग्राहक बनकर ग्राम भंवरखोह निवासी भूखन लाल पण्डो आ.रामलाल पण्डो एवं गरीब लाल पण्डो आ.रामदयाल पण्डो से संपर्क कर बाघ की खाल खरीदने की इच्छा जताई। ग्राम धरसेड़ी निवासी टिकेश्वर राजवाड़े आ.राम किशुन राजवाड़े (38वर्ष) भी मौजूद था। इसके बाद खाल के साथ तीनों को पकड़ लिया। खाल खरीदने का सौदा 2 लाख में तय हुआ था।

मिड-डे मील में भेदभाव पर हाईकोर्ट सख्त, 26 जिलों के बच्चों को क्यों रखा गया बाहर?

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बिलासपुर

छत्तीसगढ़ के सरकारी स्कूलों में चल रही प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण मिड-डे मील योजना को लेकर हाईकोर्ट ने सरकार से जवाब मांगा है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रवींद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने पूछा कि जब बच्चों को पौष्टिक आहार देने के लिए हफ्ते में तीन दिन 20 ग्राम मिलेट चिक्की (बाजरा, कोदो-कुटकी) देने का फैसला हुआ है, तो यह सिर्फ 7 जिलों में ही क्यों लागू है। बाकी 26 जिलों के बच्चों को इससे क्यों वंचित रखा गया है। दरअसल, स्कूलों में मिड-डे मील योजना की खराब व्यवस्था और गड़बड़ियों की खबरें लगातार मीडिया में सामने आ रही थीं। इसे देखते हुए हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा ने एक्शन लिया। मामले को जनहित याचिका मानकर सुनवाई शुरू की गई। डिवीजन बेंच ने जांच के लिए न्यायमित्र नियुक्त किया और उन्हें स्कूलों में मिड-डे मील योजना की वास्तविक स्थिति की जानकारी लेने का निर्देश दिया। वहीं, अब मामले की अगली सुनवाई 12 अक्टूबर को होगी।

योजना की खराब व्यवस्था और गड़बड़ियों की खबरें लगातार

7 जिलों में ही मिलेट चिक्की

सुनवाई के दौरान न्यायमित्र ने मुख्य सचिव के शपथ पत्र के पैरा-7 का हवाला दिया। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने माना है कि 20 ग्राम मिलेट चिक्की का वितरण सिर्फ नियद नेल्लानार योजना वाले 5 जिलों और जशपुर, रायगढ़ समेत कुल 7 जिलों में ही किया जा रहा है।

शिक्षाकर्मियों की संविलियन से पहले की सेवा और पेंशन पात्रता पर नीति बनाने का निर्देश

हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा व जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने शिक्षाकर्मियों की संविलियन को लेकर महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। शिक्षाकर्मी से शिक्षक एलबी बने शिक्षकों की संविलियन से पहले की सेवा को पेंशन पात्रता में शामिल करने के मुद्दे पर डिवीजन बेंच ने राज्य सरकार की रिट अपील खारिज कर दी है। डिवीजन बेंच ने सिंगल बेंच के उस आदेश को सही ठहराया है, जिसमें सरकार को शिक्षाकर्मियों की पूर्व सेवा अवधि को पेंशन के लिए गिने जाने के मुद्दे पर पुनर्विचार कर स्पष्ट नीति बनाने को कहा गया था।

परीक्षा रद्द, नया विषय जोड़ने को हाईकोर्ट ने गंभीर माना

छत्तीसगढ़ अधीनस्थ लेखा सेवा विभागीय परीक्षा भाग-दो, 2017 के परिणाम को छत्तीसगढ़ बिलासपुर हाई कोर्ट के जस्टिस बीडी गुरु के सिंगल बेंच ने रद्द कर दिया है। परीक्षा में विज्ञापित पाठ्यक्रम से बाहर के सवाल पूछे जाने और परीक्षा से ठीक पहले एडमिट कार्ड में नया विषय जोड़ने को कोर्ट ने गंभीर मामला माना है। कोर्ट ने वित्त विभाग को स्पष्ट सिलेबस अधिसूचित कर पात्र कर्मचारियों को तैयारी के लिए पर्याप्त समय देने के बाद नए सिरे से परीक्षा कराने की छूट दी है।

श्रावण मास का शुभारंभ आज से शिवालयों में उमड़ेगा आस्था का सैलाब

हरिभूमि न्यूज ▶▶ राजिम

देवों के देव महादेव को समर्पित पवित्र श्रावण मास का शुभारंभ गुरुवार से होगा। श्रावण का पहला दिन आते ही छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध तीर्थराज राजिम स्थित त्रिवेणी संगम पर विराजमान भगवान श्री कुलेश्वरनाथ महादेव के दर्शन और जलाभिषेक के लिए शिवभक्तों में उत्साह दिखाई दे रहा है। प्रदेश के विभिन्न जिलों सहित दूर-दराज के क्षेत्रों से हजारों श्रद्धालु, कांवड़िए, महिलाएँ एवं युवा पूरे श्रद्धाभाव के साथ यहां पहुंचने लगे हैं।

त्रिवेणी संगम के कुलेश्वर महादेव में श्रद्धालुओं के साथ पहुंचने लगे कांवरिए

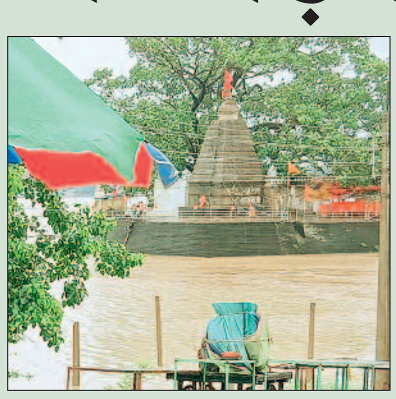

पूरे सावन माह में विशेष रूप से प्रत्येक सोमवार को मंदिर परिसर हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयघोष से गूंजता रहेगा। धार्मिक मान्यता के अनुसार, भगवान श्रीराम के वनवास काल में जब वे माता सीता और लक्ष्मण के साथ इस पावन क्षेत्र में पहुंचे थे, तब त्रिवेणी संगम के मध्य स्थित इस स्थान पर माता सीता ने भगवान शिव की आराधना करते हुए स्वयं शिवलिंग की स्थापना की थी। यही शिवलिंग आज भगवान श्री कुलेश्वर महादेव के रूप में देश-प्रदेश के श्रद्धालुओं की अटूट आस्था का केंद्र बना हुआ है। मान्यता है कि श्रावण मास में यहां सच्चे मन से पूजा-अर्चना और जलाभिषेक करने वाले भक्तों की सभी मनोकामनाएं भगवान भोलेनाथ पूर्ण करते हैं। इस वर्ष महानदी, पैरी और सोंढूर नदी में पर्याप्त जल प्रवाह होने के बावजूद श्रद्धालुओं को मंदिर तक पहुंचने में किसी प्रकार की कठिनाई नहीं होगी। महानदी पर निर्मित लक्ष्मण झूला के कारण राजिम और नवापारा दोनों ओर से मंदिर तक पहुंचना पहले की तुलना में अधिक सुगम और सुरक्षित हो गया है। इससे विशेषकर बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को काफी सुविधा मिलेगी। श्रावण मास में संभावित भारी भीड़ को देखते हुए मंदिर समिति एवं प्रशासन ने व्यापक तैयारियां की हैं।

12 प्राचीन शिवधामों से जुड़ी है धार्मिक परंपरा, बूढ़ा महादेव-भोरमदेव पदयात्रा

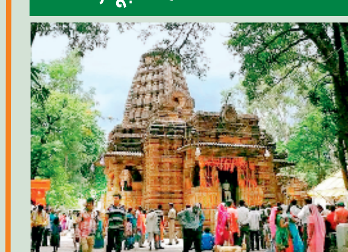

कवर्धा। भगवान शिव को समर्पित पवित्र श्रावण मास का शुभारंभ 30 जुलाई से होने जा रहा है। सावन के पहले सोमवार से पहले ही जिले में शिवभक्तों के बीच धार्मिक उत्साह बढ़ने लगा है। कबीरधाम जिले की पहचान बन चुकी कवर्धा पंचमुखी बूढ़ा महादेव मंदिर से भोरमदेव तक की पदयात्रा को लेकर भी तैयारियां और चर्चाएं तेज हैं। यह पदयात्रा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि जिले की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत का जीवंत प्रतीक मानी जाती है। इतिहासकार आदित्य श्रीवास्तव ने बताया कि कबीरधाम जिले की यह पदयात्रा भगवान शिव के दो विशेष स्वरूपों की आराधना से जुड़ी हुई है। पदयात्रा की शुरुआत कवर्धा स्थित पंचमुखी बूढ़ा महादेव मंदिर में जलाभिषेक से होती है और समापन विश्वप्रसिद्ध भोरमदेव मंदिर में भगवान हाटकेश्वर महादेव के जलाभिषेक के साथ होता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार यह यात्रा श्रद्धालुओं की मनोकामना पूर्ण करने के साथ-साथ लोककल्याण और विश्वकल्याण की भावना का प्रतीक है।

शिवालयों में सुबह से होगा विशेष श्रृंगार, महाआरती

जगदलपुर। बस्तर संभाग के प्रसिद्ध शिव मंदिरों जैसे बारसूर के बत्तीसा मंदिर, चंद्रगणेश मंदिर, शहर के महादेवघाट शिव मंदिर, सीताराम शिवालय, चपका मंदिर, गुप्तेश्वर मंदिर, झाड़ेश्वर मंदिर, धरमपुरा रोड पुराना हाऊसिंग बोर्ड के कालोनी के शिव मंदिर, देवड़ा शिव मंदिर सहित शिव मंदिरों में सावन मास के दौरान विशेष पूजा, जलाभिषेक और रुद्राभिषेक का आयोजन किया जाता है। सावन के हर सोमवार को भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है। ऐतिहासिक बत्तीसा मंदिर और मामा-भांजा मंदिर में भोलेनाथ को बेलपत्र, धतूरा व दूध अर्पित किया जाता है। दंतेश्वरी मंदिर परिसर व शहर के अन्य शिवालयों में सुबह से विशेष श्रृंगार और महाआरती होती है। इस वर्ष 30 जुलाई से प्रारंभ हो रहा सावन मास श्रद्धालुओं के लिए विशेष धार्मिक महत्व लेकर आ रहा है।

ट्विनसिटी में आचार्य कराएंगे महारुद्राभिषेक

भिलाई। हिंदू पंचांग का पांचवां महीना सावन 30 जुलाई यानी गुरुवार से शुरू हो रहा है। 28 अगस्त को सावन मास का समापन होगा। पं. संदीप तिवारी के अनुसार पहला सोमवार व्रत 3 अगस्त, दूसरा 10 अगस्त, तीसरा 17 अगस्त, चौथा और अंतिम सोमवार 24 अगस्त को पड़ रहा है। प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी सभी शिव मंदिरों में सावन उत्सव को लेकर व्यापक तैयारियां की जा रही है। मुख्य रूप से सेक्टर 7 शिवधाम तालाब मंदिर, बैकुंठ धाम प्राचीन शिव मंदिर में उत्सव की तैयारी है। ट्विनसिटी के सबसे पुराने मंदिरों में बैकुंठधाम के संस्थापक राजेंद्र अरोरा ने बताया कि में पिछले 26 सालों से पूरे श्रावण मास में मंदिर परिसर कैलाश पर्वत के रुप तबदील करने तैयारियों जोर-शोर से की जा रही है।

साइकिल की गुणवत्ता पर उठाया सवाल तो जेल पहुंच गए पूर्व भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष भगत

रायगढ़। स्कूली बच्चों को वितरण की जाने वाली सरकारी साइकिल की गुणवत्ता पर सवाल उठाने वाले पूर्व भाजयुमो अध्यक्ष और आदिवासी नेता रवि भगत को जेल भेज दिया गया है। उनके खिलाफ सरकारी काम में बाधा और शांति भंग करने का धारा पुलिस ने लगाई है। रवि भगत ने मंगलवार को लैलूंगा ब्लॉक के कूपाकानी हाई स्कूल में जब छात्राओं को सरकारी साइकिल वितरण किया जा रहा था तब खूब बवाल मचाया था। हालांकि प्राचार्य की शिकायत के बाद लैलूंगा पुलिस ने उसे मौके से उठाकर थाने ले गई थी। इसके बाद बुधवार को विभिन्न धाराओं में जेल भेज दिया गया है।कुछ दिन पहले रवि भगत ने जर्जर सड़क को लेकर सड़क जाम कर दिया था। इसके बाद दूसरी सड़क के लिए भी आंदोलन करने की चेतावनी दी थी। एक अगस्त को इसके लिए अपने समर्थकों के साथ प्रदर्शन करने वाले थे। साथ ही सरकारी साइकिल की गुणवत्ता को लेकर सवाल उठाते हुए जांच की मांग किया था।

- मंगलवार को लैलूंगा ब्लॉक के कूपाकानी हाईस्कूल में मचाया था बवाल

घसीटना पड़ा पुलिस को

विरोध करते हुए रवि भगत मौके पर ही बैठ गए थे। इस दौरान पुलिस उसे उठाने की काफी कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हो सके। जब उसे कई पुलिस कर्मी उठाने लगे तो वह गाड़ी के नीचे जमीन पर लेट गए। इसके बाद उसे घसीटते हुए पुलिस गाड़ी के पास लेकर आए और लैलूंगा थाना ले गए। बुधवार को बीएनएसएस की धारा 170,126 और 135 (3) के तहत अपराध दर्ज कर कोर्ट में पेश किया गया, जहां उसे जेल भेज दिया गया है।

अघोरेश्वर भगवान राम के किए दर्शन

गुरु पूर्णिमा पर अघोर गुरु पीठ पहुंचे मुख्यमंत्री साय

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायगढ़

गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज रायगढ़ प्रवास के दौरान ग्राम बनोरा स्थित अघोर गुरु पीठ पहुंचे। मुख्यमंत्री ने यहां श्रद्धा और आस्था के साथ अघोरेश्वर अवधूत भगवान राम जी के दर्शन किए और प्रदेशवासियों की सुख समृद्धि, शांति एवं खुशहाली की कामना की।

मुख्यमंत्री ने आश्रम के उपासना स्थल पर अघोरेश्वर अवधूत भगवान राम की प्रतिमा के दर्शन कर पूजा.अर्चना की। इसके पश्चात उन्होंने अघोरेश्वर अवधूत भगवान राम के प्रिय शिष्य पूज्य बाबा प्रियदर्शी राम के भी दर्शन किए और उनका आशीर्वाद लिया। श्रद्धालुओं के साथ पंगत में बैठकर भंडारा प्रसाद ग्रहण किया। अघोर गुरु पीठ ट्रस्ट बनोरा और इससे जुड़ी शाखाएं आध्यात्मिक गतिविधियों तक सीमित न रहकर मानव सेवा को अपनी कार्यप्रणाली का प्रमुख आधार बनाए हुए हैं।

- सीएम ने किया कैलाशपति धाम में जलाभिषेक

कैलाशपतिधाम में किया जलाभिषेक : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय रायगढ़ प्रवास के दौरान पंडरीपानी स्थित प्रसिद्ध कैलाशपतिधाम मनकामेश्वर मंदिर पहुंच कर भगवान भोलेनाथ की पूजा-अर्चना, जलाभिषेक किया।

सत्यनारायण बाबाधाम में की पूजा-अर्चना

ग्राम कोसमनारा स्थित प्रसिद्ध सत्यनारायण बाबाधाम में सीएम श्री साय ने भगवान भोलेनाथ की पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की समृद्धि, खुशहाली मांगी। इस मौके पर वित्तमंत्री एवं रायगढ़ विधायक ओपी चौधरी भी मौजूद रहे।

आईईडी की चपेट में आने से दो मासूम गंभीर

जगदलपुर। बीजापुर जिले के उसूर थाना क्षेत्र स्थित नम्बी व नीलम सराई जलप्रपात के करीब आईईडी की चपेट में आने से दो बालक गंभीर रूप से घायल हो गए। उसूर में प्राथमिक उपचार के बाद दोनों बच्चों को बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल रेफर किया गया है। बीजापुर एसपी उमेश गुप्ता ने बताया कि सुकमा जिले के चिंतागुफा थाना क्षेत्र के ग्राम करीगुण्डम के नीलम सराई जलप्रपात से लगभग 1.5 किमी पहले माओवादियों द्वारा पूर्व से लगाए गए प्रेशर आईईडी की चपेट में आने से ग्राम करीगुण्डम निवासी सोढ़ी देवा पिता हुंगा सोढ़ी 13 वर्ष घायल हो गया। दूसरी घटना भी उसूर थाना क्षेत्र के नम्बी जलप्रपात के करीब प्रेशर आईईडी की चपेट में आने से विनोद कट्टम पिता चन्दु कट्टम 15 वर्ष घायल हो गए। दोनों का इलाज जारी है।

फांसी लगाकर दी जान, मर्ग कायम

कांकेर। पखांजुर थानांतर्गत कोयगांव निवासी 28 वर्षीय रामसिंह कड़ियाम पिता स्व. बैसुराम कड़ियाम ने 27 जुलाई की शाम को 5 बजें फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। मृतक के पिरजनों ने पुलिस को बताया कि मृतक शराब पीने का आदी था। अज्ञात कारणों के चलते फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर विवेचना में लिया गया।

असली केंदवा मलहम
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये। HMS देखकर खरीदें

घमंडी दर्द का दुश्मन 25 दर्द की एक दवा
सिर दर्द, कमर दर्द, पसली दर्द या किसी भी अंग के आकस्मिक दर्द पर, दांत-दाढ़ के दर्द पर, चोट, मोच, सूजन पर, सर्दी- जुकाम पर, खांसी व श्वास (दमा) पर, न्यूमोनिया पर, गांठ (मांस की गांठ पड़ जाने पर), गिल्सी पर, टांसिल बढ़ने पर, कुलंग वात (सायटिका) पर, गठिया वात पर, चिकनगुनिया के दर्द पर, पेट फूलने पर, पेट दर्द व गैस पर, ताजे घाव का खून बंद करने के लिए, पके घाव के चारों और सूजन पर, खाज-खुजली पर, उठती हुई फुड़िया, बिस्कुटी आदि पर, खुर्रा पर, बिबाई फटने पर, बर्र काटने पर, बिच्छू काटने पर, थकावट पर असरकारक है।
94060-21769

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल | डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA | भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, मो. 8269885003, मो. 7389485756

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
» प्रसूति » नवजात » शिशु रोग » बांझपन » सोनोग्राफी » आयुष्मान कार्ड » बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन » अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221, 9301744425

AB आई हॉस्पिटल
आयुष्मान कार्ड एवं इंश्योरेंस सुविधा उपलब्ध
लेज़र मोतियाबिंद ऑपरेशन किफायती दरों में
पता :- 119/A सेक्टर - 3, गीतांजली नगर, रायपुर | मो.: 8815096478

डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं : पी.एफ.टी., ब्रांकोस्कोपी, स्लीप स्टडी
स्पेशलिस्ट : खांसी, श्वांस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
समय दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड़, रायपुर मो. 7999450384, 7042974029

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.) (ISO 9001-2000 Certified)
फोन: 0771-4044551 समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

उपलब्ध विशेषताएं
• लेप्रोस्कोपिक एवं जनरल सर्जरी • जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स • जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी • ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल) • गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ई.रोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कोपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Cente
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479 0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

सुविधाएं : मेडिसिन, पॉलीट्रामा, बर्न एण्ड प्लास्टिक लप्रोस्कोपिक सर्जरी, जनरल सर्जरी, स्पाईन एण्ड न्यूरो सर्जरी, आर्थो, कैंसर (कीमोथैरेपी व सर्जरी), स्त्री रोग, जोड़ प्रत्यारोपण
पाल जी स्वास्तिक नर्सिंग होम
बर्न एण्ड पॉलीट्रामा सेंटर मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल
(आयुष्मान भारत स्कीम के तहत नि:शुल्क ईलाज की सुविधा उपलब्ध)
श्यामनगर जल विहार कॉलोनी पानी टंकी के पास तेलीबांधा मरीन ड्राइव के पीछे
मो. 7991031330 मो. 0771-4347172

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक
सेवाएं • मुहासें • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टेली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

विज्ञापन हेतु संपर्क करें:-
7987119756, 9303508130

असिस्टेंट डायरेक्टर ने की शर्मनाक हरकत

बॉलीवुड में अक्सर हम देखते हैं कि एक्ट्रेसेस ही नहीं एक्टर भी अपने साथ हुए हैरेसमेंट को लेकर शॉकिंग बातें शेयर करते हैं। कई स्टार्स ने बचपन में खुद के साथ हुए हैरेसमेंट को लेकर भी खुलासे किए। ऐसे में अब एक जानी मानी एक्ट्रेस ने अपने साथ हुई एक शॉकिंग घटना के बारे में बताया है।

एजेंसी ▶▶ मुंबई

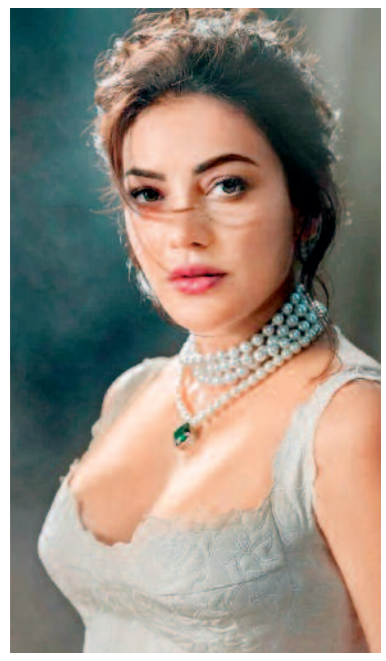

एक्ट्रेस का कहना है कि फिल्म सेट पर एक फैन से हुई मुलाकात ने उन्हें काफी परेशान कर दिया था। ये कोई और नहीं, बल्कि साउथ इंडस्ट्री की जानी मानी एक्ट्रेस काजल अग्रवाल हैं। काजल ने अपने कॅरियर में कई शानदार फिल्में दी हैं। यही नहीं, उनकी फैन फॉलोइंग भी काफी जबरदस्त है। हाल ही में काजल ने खुद के साथ हुई एक शॉकिंग घटना का जिक्र किया। काजल ने बताया कि एक असिस्टेंट डायरेक्टर बिना उनकी परमीशन के उनके कारवां में घुस आया, जब वह अकेली थीं। इसके बाद वो अपने अपने शरीर पर काजल के नाम का टैटू दिखाने लगा, जिसने एक्ट्रेस को चौंका दिया। हालांकि, उन्होंने इस जेस्चर की तारीफ की, लेकिन उन्होंने कहा कि जिस तरह से यह सब हुआ, वह हद पार करने जैसा था। काजल ने उस घटना को याद करते हुए कहा, 'कुछ दिन पहले, एक फिल्म की शूटिंग पूरी करने के बाद मैं अपने कारवां में आराम कर रही थी। तभी, फिल्म में असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर काम करने वाला एक व्यक्ति बिना इजाजत लिए अचानक मेरे कारवां में घुस आया। उसने तुरंत अपनी शर्ट उतारी और मुझे अपनी छाती पर बना मेरे नाम का टैटू दिखाया। मैं इस घटना से इतनी हैरान रह गई कि मेरे हाथ-पैर कांपने लगे।' हालांकि, काजल ने इस बात की तारीफ तो की कि असिस्टेंट डायरेक्टर उन्हें इतना पसंद करते थे कि उन्होंने उनका नाम टैटू करवा लिया।

चकदा एक्सप्रेस रिलीज न हो पाने का अफसोस...

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी की बायोपिक 'चकदा एक्सप्रेस' रिलीज नहीं हो सकी है। इसका अभिनेत्री रेणुका शहाणे को अफसोस है। उनका कहना है कि पूरी टीम ने इस फिल्म पर काफी मेहनत की थी और झूलन गोस्वामी जैसी दिग्गज क्रिकेटर की प्रेरणादायक कहानी ऑडियंस तक पहुंचनी चाहिए थी। रेणुका शहाणे ने कहा, 'मुझे दुख है, क्योंकि चकदा एक्सप्रेस बहुत अच्छी बनी है। इसके निर्देशक प्रोसित रॉय ने काफी मेहनत की है। अनुष्का शर्मा समेत पूरी टीम ने इस फिल्म के लिए बहुत मेहनत की। पीरियड फिल्म बनाना प्रोडक्शन के स्तर पर काफी चुनौतीपूर्ण और खर्चीला होता है। इसे बहुत बारीकी से तैयार किया गया है।' उन्होंने आगे कहा, 'सबसे अहम बात यह है कि यह झूलन गोस्वामी जैसी उम्दा क्रिकेटर की कहानी है। उनका संघर्ष वाकई प्रेरणादायक है। मुझे लगता है कि उनकी कहानी लोगों तक पहुंचनी चाहिए थी। अगर फिल्म रिलीज होती, तो बहुत अच्छा होता।' उन्होंने कहा, 'सच कहूं तो मुझे इसकी अंदरूनी वजहों के बारे में कुछ नहीं पता। लेकिन हम सभी चाहते हैं कि यह फिल्म किसी न किसी तरह ऑडियंस तक पहुंचे।'

जुमानजी गेम का टूट गया कंट्रोल

लॉस एंजिल्स। सोनी ने 'जुमानजी' फ्रेंचाइजी की तीसरी किस्त 'जुमानजी: ओपन वर्ल्ड' का जबरदस्त ट्रेलर रिलीज किया है।

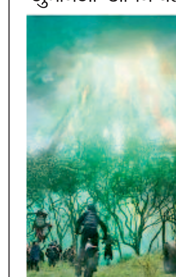

ट्रेलर में ड्वेन जॉनसन, केविन हार्ट, जैक ब्लैक और कैरेन गिलन की झलक देखने को मिलती है। 3 मिनट 6 सेकंड के ट्रेलर में नजर आ रहा है कि जुमानजी गेम का कंट्रोल टूट गया है। वीडियो गेम के किरदार असली दुनिया में आ गए हैं। जंगल के खतरनाक जानवर खुलेआम सड़कों पर तबाही मचा रहे हैं। गेम के हीरो मिलकर इस खेल को रोकने की कोशिश करते हैं। ट्रेलर में मुख्य चार कलाकार फिर से एक्शन में हैं, जो इस फ्रेंचाइजी के एक्शन, कॉमेडी और बॉडी-स्वैप वाली मजेदार हरकतों के उस मिश्रण को जारी रखने का संकेत है, जिसने पिछली फिल्मों को खास बनाया था।

दुनिया भर में आज रिलीज होगा रामायण का ट्रेलर...

मुंबई। 'रामायण' का ट्रेलर 30 जुलाई को भारतीय समय के अनुसार सुबह 4 बजकर 15 मिनट पर रिलीज किया जाएगा। खबर यह भी है कि आज रिलीज हो रही हॉलीवुड फिल्म 'स्पाइडरमैन: ब्रांड न्यू डे' के साथ 'रामायण' का ट्रेलर अटैच रहेगा। इससे पहले ट्रेलर 24

जुलाई को रिलीज होने वाला था। हालांकि, बाद में मेकर्स ने इसे टाल दिया। 'रामायण' के निर्माता नमित मल्होत्रा ने इंस्टाग्राम पर फिल्म के ट्रेलर के रिलीज होने की जानकारी दी है। उन्होंने लिखा 'शुभ ब्रह्म मुहूर्त में, हम 30 जुलाई , गुरुवार को सुबह 4:15 बजे दुनिया भर में अपने ट्रेलर के साथ रामायण के आगमन का स्वागत करते हैं।' मल्होत्रा ने बयान में कहा, 'आज हमारी रामायण के लिए बहुत खास पल है। सोनी पिक्चर्स एंटरटेनमेंट के साथ हमारी पार्टनरशिप से रामायण को दुनिया तक ले जाने का मेरा सपना अब सच हो रहा है। इसे देखते हुए, हम अपना ट्रेलर बाद में ग्लोबल लेवल पर लॉन्च करेंगे।' मेकर्स के मुताबिक इस ट्रेलर को एक साथ हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम सहित की भाषाओं में रिलीज किया जाएगा।

दो पार्ट में बनेगी राका

शाहरुख करेंगे स्पेशल कैमियो

मुंबई। पुष्पा स्टार अल्लू अर्जुन अब जवान के डायरेक्टर एटली के डायरेक्शन में बन रही साइंस-फिक्शन फिल्म 'राका' से बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचाने की तैयारी में हैं। ये एक बहुत बड़ा प्रोजेक्ट बताया जा रहा है और इसते हाई-एंड वीएफएक्स लिए इंटरनेशनल स्टूडियोज के साथ मिलकर काम किया जा रहा है। वहीं,अब एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि 'राका' दो पार्ट में बनेगी। शाहरुख खान का फिल्म में स्पेशल अपीयरेंस अभी शूट नहीं हुआ है और इसे विदेश में होने वाले शेड्यूल के दौरान शूट किया जाएगा। एक रिपोर्ट के मुताबिक, 'राका' एक ऐसी कहानी दिखाएगी जो दो अलग-अलग दौर पर आधारित है। पहला हिस्सा आदिवासी पौराणिक वैदिक काल का होगा और दूसरा हिस्सा मौजूदा समय का बताया जा रहा है। जहां मृणाल ठाकुर आधुनिक दौर में लीड रोल में होंगी तो वहीं दीपिका पादुकोण, जाह्नवी कपूर और रश्मिका मंदाना

ऐतिहासिक दौर का हिस्सा होंगी। ये फिल्म 1000 करोड़ से ज्यादा के बजट में बनाई जा रही है। इस प्रोजेक्ट में चेम्बन विनोद जोस, योगी बाबू और फेमिना जॉर्ज भी नज़र आएंगे। विजय सेतुपति भी फिल्म का हिस्सा हो सकते हैं। हालांकि, मेकर्स ने अल्लू अर्जुन और दीपिका पादुकोण के अलावा बाकी कास्ट की ऑफिशियली कंफर्मेशन नहीं दी है।

फिर साथ में काम करने के लिए तैयार शरवरी-वेदांग, इम्तियाज से मिलाया हाथ

मुंबई। फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' में दर्शकों की दिल जीतने के बाद शरवरी वाघ और वेदांग रैना एक बार फिर एक नए प्रोजेक्ट में एक-साथ नजर आने वाले हैं। खबरों की मानें तो इन कलाकार को निर्देशक इम्तियाज अली की अगली रोमांटिक फिल्म में लीड रोल के लिए साइन किया गया है। इसकी शूटिंग नवंबर में शुरू हो सकती है। लंबे समय तक चली राइटिंग प्रोसेस के बाद बिना नाम वाली फिल्म की पटकथा पूरी हो गई है। इसका मुख्य डेवलपमेंट का काम पूरा हो चुका है। कास्टिंग भी पूरी हो गई है और अब प्रोडक्शन टीम लोकेशन खोजने, शेड्यूल बनाने और दूसरी योजना पर ध्यान देगी। ताकि इस साल के आखिर में शूटिंग शुरू हो सके। प्रोजेक्ट से जुड़े सूत्रों ने बताया कि मेकर्स को भरोसा है कि सब कुछ सही चल रहा है। टीम अब प्री-प्रोडक्शन के आखिरी स्टेज में है और यह पक्का कर रही है कि नवंबर में प्रोडक्शन शुरू होने से पहले सभी क्रिएटिव और टेक्निकल इंतजाम पूरे हो जाएं। इंडस्ट्री के जानकारों का कहना है कि इम्तियाज अली को लगता है कि शरवरी और वेदांग रैना फिल्म के

इमोशनल माहौल के लिए एकदम सही हैं। दोनों एक्टर्स ने हाल के कुछ परफॉर्मेंस से अपनी अच्छी पहचान बनाई है। उनका साथ आना इस प्रोजेक्ट की सबसे बड़ी खूबियों में से एक होगा।'मैं वापस आऊंगा' में उनकी जोड़ी चर्चा में रही थी। दूसरी बार उनका साथ आना उन दर्शकों के लिए और भी रोमांचक है, जो उन्हें फिर से साथ देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। 'मैं वापस आऊंगा' इसी साल 12 जून को रिलीज हुई थी। बॉक्स ऑफिस पर इसने ठीक-ठाक प्रदर्शन किया है।

ओटीटी पर दिखेगी महाभारत के वीर योद्धा की कहानी

नई दिल्ली। महाकाव्य महाभारत सिनेमा जगत का सबसे लोकप्रिय माइथोलॉजिकल जॉनर माना जाता है। बी आर चोपड़ा के महाभारत टीवी सीरियल से लेकर अब तक कई सारे धारावाहिक, फिल्म और सीरीज का निर्माण किया जा चुका है। अब इस मामले में एक और नई सीरीज द लीजेंड ऑफ करण का नाम शामिल हो रहा है, जिसमें महाभारत के वीर योद्धा कर्ण की कहानी को दर्शाया जाएगा। द लीजेंड ऑफ करण की ओटीटी रिलीज की तरफ तो पौराणिक कहानी वाली इस सीरीज को मशहूर ओटीटी प्लेटफॉर्म सोनी लिव पर 31 जुलाई 2026 को ऑनलाइन स्ट्रीम किया जाएगा। महाभारत के सबसे लोकप्रिय और चर्चित पात्र में कर्ण का नाम शामिल होता है। अब उनके व्यक्तिगत जीवन पर आधारित द लीजेंड ऑफ करण का निर्माण किया गया है। इससे पहले आपको अर्जुन और भगवान कृष्ण जैसे महाभारत पात्रों पर सीरीज और टीवी शोज देखने को मिले होंगे।

टीवी मसाला

तारक मेहता का उल्टा चश्मा को 18 साल पूरे, मनाया गया जश्न

नई दिल्ली। 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' सिर्फ एक सीरियल नहीं, बल्कि इमोशन बन चुका है। सीरियल का सफर साल 2008 में आज के ही दिन शुरू हुआ था। 28 जुलाई को इस सीरियल ने 18 साल पूरे कर लिए हैं। इस मौके पर जश्न भी भव्य मनाया गया। मेकर्स ने इवेंट आयोजित किया। जहां, जेठा लाल यानी दिलीप जोशी, बापू जी (अमित भट्ट) और पोपटलाल (श्याम पाठक) को एक साथ देखा गया। शो 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' को देखते हुए एक पूरी पीढ़ी बड़ी हो गई है। आज भी यह पसंदीदा शो बना हुआ है। पूरा परिवार साथ बैठकर इसका लुत्फ उठाता है। सीरियल के 18 साल पूरे होने पर जश्न मनाया गया, जहां सीरियल की कास्ट शामिल हुई। इवेंट में जेठा लाल, पोपटलाल और बापूजी साथ नजर आए। इस दौरान तीनों ने पैप्स को पोज दिए। इस आइकॉनिक सीरियल में बापूजी का किरदार एक्टर अमित भट्ट निभाते हैं। उनकी उम्र 53 वर्ष है। शो में अपने ट्रांसफॉर्मेशन के लिए वे टोपी का सहारा लेते हैं। इसी के जरिए वे अपने काले बाल छिपाते हैं। एक्टर का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसी बीच अभिनेत्री मुनमुन दत्ता का भी एक वीडियो वायरल हो रहा है। 'तारक मेहता' में मुनमुन को बबीता जी की भूमिका में देखा जाता है। वायरल वीडियो में वे पैपराजी पर नाराज होती दिख रही हैं। सीरियल को 18 साल पूरे होने पर निर्माता असित मोदी ने पोस्ट साझा कर खुशी जताई है। उन्होंने लिखा, '18 साल! यकीन नहीं होता कि आज इस सफर को पूरे 18 साल हो गए।

चिंतन

संसद की गरिमा और मर्यादा सर्वोपरि

पेपर लीक जैसे गंभीर मुद्दे पर संसद से देश को ठोस समाधान और सार्थक बहस की अपेक्षा होती है। विपक्ष को सरकार से कठिन सवाल पूछने का पूरा अधिकार है और सरकार को उनके जवाब देने की जिम्मेदारी है, लेकिन जब बहस का केंद्र असंसदीय शब्दों और आरोप-प्रत्यारोप पर आ जाता है, तो मूल मुद्दा पीछे छूट जाता है। संसद में विचारों का संघर्ष लोकतंत्र की पहचान है, लेकिन शब्दों का संयम उसकी गरिमा और मर्यादा ही सदन की नींव है। बुधवार को लोकसभा में पेपर लीक से जुड़े संशोधन विधेयक पर हुई बहस इसी सवाल को फिर से सामने ले आई। बहस के दौरान नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने लगभग 50 मिनट तक अपनी बात रखी। उन्होंने छात्रों के आंदोलन का समर्थन किया और सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। अपने भाषण में 'इडियट' और 'अंधभक्त' जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया, जिस पर सत्ता पक्ष ने कड़ी आपत्ति जताई। इसके बाद सदन में हंगामा शुरू हो गया। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कई बार हस्तक्षेप करते हुए इसे संसदीय मर्यादा के विपरीत बताया और माफी की मांग की। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भी हस्तक्षेप करते हुए आपत्तिजनक माने गए शब्दों को कार्यवाही से हटाने का निर्देश दिया। अध्यक्ष द्वारा आपत्तिजनक माने गए शब्दों को कार्यवाही से हटाना संसदीय परंपरा का हिस्सा है। अंततः लोकतंत्र की मजबूती इस बात में है कि मतभेद कितने भी गहरे हों, संवाद शालीन, तथ्यपरक और मर्यादित बना रहे। बहस के दौरान गृह मंत्री पर छात्रों पर फायरिंग के आदेश देने का आरोप भी लगाया गया, जिसे सरकार ने सिरे से खारिज किया। ऐसे गंभीर आरोपों की जांच और सत्यापन तथ्यों तथा कानून के आधार पर होनी चाहिए। संसद में बोले गए शब्द केवल तत्कालीन बहस तक सीमित नहीं रहते, बल्कि वे देश की लोकतांत्रिक संस्कृति का हिस्सा बन जाते हैं। यह भी ध्यान रखने योग्य है कि किसी शब्द की स्थायी 'प्रतिबंधित सूची' नहीं होती। किसी टिप्पणी को असंसदीय माना जाएगा या नहीं, इसका निर्णय उसके संदर्भ, प्रभाव और सदन की गरिमा के आधार पर अध्यक्ष या सभापति करते हैं। यही कारण है कि समय-समय पर विभिन्न शब्द कार्यवाही से हटाए जाते रहे हैं। यह प्रक्रिया किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि संसद की संस्थागत गरिमा को बनाए रखने के लिए होती है। आज देश के करोड़ों युवा संसद की ओर उम्मीद भरी निगाहों से देखते हैं। वे चाहते हैं कि उनके भविष्य से जुड़े मुद्दों पर गंभीर बहस हो, ठोस नीतियां बनें और समाधान निकले। यदि चर्चा का केंद्र असंसदीय शब्द, नारे और राजनीतिक टकराव बन जाए, तो सबसे अधिक निराशा उन्हीं युवाओं को होती है, जिनके हितों की रक्षा के लिए संसद अस्तित्व में है। लोकतंत्र की शक्ति सत्ता और विपक्ष, दोनों की जिम्मेदारी से बढ़ती है। विपक्ष का दायित्व है कि वह सरकार से कठिन और असहज प्रश्न पूछे, जबकि सरकार का दायित्व है कि वह तथ्यों और जवाबदेही के साथ उनका उत्तर दे। लेकिन दोनों पक्षों की समान जिम्मेदारी यह भी है कि संसद की गरिमा और मर्यादा किसी भी राजनीतिक संघर्ष से ऊपर रहे। मतभेद जितने भी तीखे हों, संवाद तथ्यपरक, संयमित और जनहित केंद्रित होने चाहिए और सभी दल यह ध्यान रखें की सदन की गरिमा और मर्यादा सर्वोपरि है, इसे बनाए रखना सबका दायित्व है।

विकास कार्यों की जवाबदेही भी तय हो

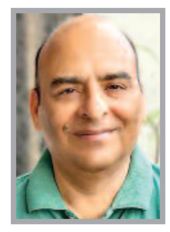

मुद्दा
पंकज चतुर्वेदी

ऐसा क्यों होता है कि बरसात आते ही देश के विकास के प्रतिमान ढहने लगते हैं। कई हजार करोड़ की संरचनाएं तकनीकी कारणों से जानलेवा बन जाती हैं। इसमें कोई शक नहीं है कि भारत आज दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। देश में राजमार्गों का जाल बिछ रहा है, वंदे भारत जैसी आधुनिक रेल सेवाएं शुरू हो रही हैं, नए हवाई अड्डे बन रहे हैं, समुद्र पर लंबे पुल तैयार हो रहे हैं और स्मार्ट शहरों का सपना आकार ले रहा है। इस चमकदार तस्वीर का दूसरा पहलू भी है। नई बनी सड़कों का पहली बारिश में उखड़ जाना, उद्घाटन के कुछ समय बाद ही पुलों में दरारें आना, निर्माणाधीन पुलों का गिरना, सार्वजनिक इमारतों की छतों का ढह जाना गंभीर प्रश्न खड़ा करता है।

आखिर ऐसा क्यों होता है कि बरसात आते ही देश के विकास के प्रतिमान ढहने लगते हैं। कई हजार करोड़ की संरचनाएं तकनीकी कारणों से जानलेवा बन जाती हैं। इसमें कोई शक नहीं है कि भारत आज दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। देश में राजमार्गों का जाल बिछ रहा है, वंदे भारत जैसी आधुनिक रेल सेवाएं शुरू हो रही हैं, नए हवाई अड्डे बन रहे हैं, समुद्र पर लंबे पुल तैयार हो रहे हैं और स्मार्ट शहरों का सपना आकार ले रहा है। सरकारें इन परियोजनाओं को नए भारत की पहचान के रूप में प्रस्तुत करती हैं। इस चमकदार तस्वीर का दूसरा पहलू भी है। पिछले कुछ वर्षों में नई बनी सड़कों का पहली बारिश में उखड़ जाना, उद्घाटन के कुछ समय बाद ही पुलों में दरारें आना, निर्माणाधीन पुलों का गिर जाना और सार्वजनिक इमारतों की छतों का ढह जाना एक गंभीर प्रश्न खड़ा करता है-क्या हम टिकाऊ विकास कर रहे हैं या केवल विकास का प्रदर्शन?

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस वे हो या फिर प्रगति मैदान की सुरंग, बरसात में जलजमाव होना आम बात है। बिहार में गंगा पार का अगुवानी–सुल्तानगंज पुल निर्माण के दौरान दो बार ढह गया। इस परियोजना पर सैकड़ों करोड़ रुपये खर्च हो चुके थे। इसके बावजूद लंबे समय तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि डिजाइन में कमी थी, निर्माण सामग्री दोषपूर्ण थी या निगरानी में गंभीर लापरवाही हुई। इसी प्रकार, बिहार में कई छोटे पुलों और पुलियों के लगातार गिरने की घटनाओं ने राज्य की निर्माण व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न लगा दिया। मुंबई में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा का गिरना भी केवल एक तकनीकी विफलता नहीं था। करोड़ों रुपये की लागत से स्थापित प्रतिमा का अपेक्षाकृत कम समय में ढह जाना यह बताता है कि गुणवत्ता परीक्षण और संरचनात्मक सुरक्षा के मानकों की अनदेखी कितनी महंगी पड़ सकती है। करीब 36,230 करोड़ रुपये की लागत से बने गंगा एक्सप्रेसवे का उद्घाटन होने के कुछ ही समय बाद उन्नाव के निकट इसकी लिंक रोड पहली ही बारिश में धंस गई। पहली ही भारी बारिश के बाद उत्तर प्रदेश के शामली और सहारनपुर के पास 12,000 करोड़ की लागत से बना दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे (विशेषकर हाथ करोड़ा गांव के समीप) कई जगहों से धंस गया था। इसके कारण बने बड़े-बड़े गड्ढों से कई गाड़ियां क्षतिग्रस्त हुईं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि अधिकांश दुर्घटनाओं के बाद कुछ दिनों तक चर्चा होती है, जांच समिति बनती है, कुछ अधिकारियों का तबादला या निलंबन होता है और फिर मामला ठंडे बस्ते में चला जाता है। दोष तय नहीं होता, न किसी बड़ी निर्माण एजेंसी की जवाबदेही सुनिश्चित होती है और न ही ऐसी घटनाओं से सीख लेकर व्यवस्था में व्यापक सुधार दिखाई देता है। ऐसी घटनाएं केवल इंजीनियरिंग की विफलता नहीं हैं। इनके पीछे कई स्तरों की समस्याएं काम करती हैं। पहली समस्या है समय से पहले परियोजना पूरी करने का राजनीतिक दबाव। आज अधिकांश बड़ी परियोजनाएं चुनावी कैलेंडर से जुड़ जाती हैं। उद्घाटन की तारीख तय हो जाती है और फिर निर्माण एजेंसियों पर समय सीमा पूरी करने का दबाव बढ़ जाता है। ऐसे में गुणवत्ता परीक्षण, अंतिम निरीक्षण और तकनीकी मानकों के पालन में समझौते की आशंका बढ़ जाती है। दूसरी समस्या है सबसे कम बोली आधारित

ठेका प्रणाली। सरकारी खरीद में कम लागत निश्चित रूप से महत्वपूर्ण है, लेकिन जब प्रतिस्पर्धा केवल सबसे सस्ता ठेका पाने तक सीमित रह जाए तो गुणवत्ता प्रभावित होना स्वाभाविक है। कई बार ठेकेदार बाद में लागत की भरपाई घटिया सामग्री, कम गुणवत्ता वाले श्रम या तकनीकी मानकों में कटौती करके करते हैं। तीसरी और सबसे गंभीर समस्या है जवाबदेही का अभाव। किसी पुल के गिरने, सड़क के धंसने या सरकारी भवन के ढहने के बाद यदि दोषी इंजीनियर, निर्माण एजेंसी या निगरानी संस्था पर कठोर कार्रवाई नहीं होती तो यह संदेश जाता है कि सार्वजनिक धन की बर्बादी की कोई वास्तविक कीमत नहीं चुकानी पड़ेगी।

यही कारण है कि गलतियां दोहराई जाती हैं। विडंबना यह है कि भारत में परियोजनाओं की सफलता का मूल्यांकन अक्सर उनकी लागत, लंबाई या उद्घाटन की तारीख से किया जाता है, न कि उनकी डिजाइन आयु और टिकाऊपन से। यदि किसी पुल की अनुमानित आयु सौ वर्ष है, लेकिन वह दस वर्ष में ही बड़ी मरम्मत मांगने लगे, तो उसे सफल परियोजना नहीं कहा जा सकता, चाहे उसका उद्घाटन कितने ही भव्य तरीके से हुआ हो। जलवायु परिवर्तन का तर्क भी अक्सर सामने रखा जाता है। निश्चित रूप से अत्यधिक वर्षा, बाढ़ और भूस्खलन जैसी घटनाएं बढ़ी हैं। लेकिन यदि विकसित देशों में इन्हीं परिस्थितियों में बने पुल और सड़कें दशकों तक सुरक्षित रह सकती हैं, तो भारत में हर बार प्राकृतिक आपदा को ही दोष नहीं दिया जा सकता। आधुनिक इंजीनियरिंग का उद्देश्य ही बदलती जलवायु को ध्यान में रखकर संरचनाएं तैयार करना है। इस समस्या का एक सामाजिक पक्ष भी है। जब किसी सड़क के बार-बार मरम्मत की आवश्यकता होती है, तो उसकी वास्तविक लागत कई गुना बढ़ जाती है। इसका भुगतान अंततः करदाता करता है। दुर्घटनाओं में जान-माल की हानि अलग होती है। खराब आधारभूत संरचना उद्योग, पर्यटन, परिवहन और निवेश-सभी को प्रभावित करती है। इसलिए यह केवल तकनीकी या प्रशासनिक मुद्दा नहीं, बल्कि आर्थिक विकास और नागरिक सुरक्षा का प्रश्न भी है। समाधान भी स्पष्ट हैं, बशर्ते उन्हें लागू करने की राजनीतिक इच्छाशक्ति हो। प्रत्येक बड़ी परियोजना का स्वतंत्र तृतीय-पक्ष गुणवत्ता ऑडिट अनिवार्य होना चाहिए। निर्माण पूरा होने के बाद केवल उद्घाटन नहीं, बल्कि विस्तृत सुरक्षा प्रमाणन सार्वजनिक किया जाना चाहिए। दोषी ठेकेदारों और अधिकारियों को ब्लैकलिस्ट करने की व्यवस्था वास्तव में लागू होनी चाहिए। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) तथा अन्य तकनीकी संस्थाओं की रिपोर्टों पर समयबद्ध कार्रवाई हो। साथ ही, परियोजनाओं की पूरी जानकारी-लागत, ठेकेदार, गुणवत्ता परीक्षण और रखरखाव-जनता के लिए ऑनलाइन उपलब्ध होनी चाहिए। भारत को विकास की गति धीमी करने की आवश्यकता नहीं है।

आवश्यकता इस बात की है कि विकास की गति और गुणवत्ता दोनों साथ चलें। दुनिया में किसी भी देश की पहचान केवल ऊंची इमारतों, लंबे पुलों या चौड़ी सड़कों से नहीं बनती, बल्कि उनसे बनती है जो दशकों तक सुरक्षित, टिकाऊ और भरोसेमंद बनी रहें। यदि हम हर दुर्घटना के बाद केवल शोक व्यक्त करेंगे, मुआवजा घोषित करेंगे और फिर अगली दुर्घटना की प्रतीक्षा करेंगे, तो यह विकास नहीं, बल्कि सार्वजनिक संसाधनों की निरंतर बर्बादी होगी। अब समय आ गया है कि भारत में आधारभूत संरचना का मूल्यांकन केवल उसकी संख्या से नहीं, बल्कि उसकी गुणवत्ता, टिकाऊपन और जवाबदेही से किया जाए। क्योंकि किसी भी राष्ट्र की वास्तविक ताकत उसके उद्घाटनों में नहीं, बल्कि उन संरचनाओं में होती है जो आने वाली पीढ़ियों तक सुरक्षित खड़ी रहती हैं।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

ईश्वर की प्राप्ति ही तो जीवन का सर्वोच्च उद्देश्य

संकलित
दर्शन

गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने ईश्वर प्राप्ति के तीन -ज्ञान, कर्म तथा भक्ति मार्ग बताए हैं। ज्ञान मार्ग में सांख्य की सहायता से मनुष्य तर्क-वितर्क द्वारा तत्व ज्ञान प्राप्त करने की कोशिश करता है, परंतु अक्सर तर्क-वितर्क में वह अपने मार्ग से भटक जाता है। कर्म मार्ग में भी मनुष्य को निष्काम भाव से कर्म करना होता है। अपने कर्म को ईश्वर को समर्पित करना पड़ता है। इसलिए इसमें भी भटकने की पूरी संभावना होती है। वहीं भक्ति मार्ग में वह अपने आप को पूर्णतया ईश्वर भक्ति में समर्पित कर देता है। वह स्वयं को विचलित नहीं करता है। इसलिए भक्ति मार्ग में ईश्वर प्राप्ति की पूरी संभावना होती है। इन तीनों मार्गों पर चलकर सफल होने के लिए मनुष्य को अष्टांग योग के पहले दो चरणों को जीवन में अपनाना जरूरी है। यह हैं यम और नियम। यम में सत्य, अहिंसा, ब्रह्माचर्य, अस्तेय और अपरिग्रह आते हैं। सत्य शब्द से तात्पर्य है सत्यता का जीवन में हर समय पालन करना। अहिंसा केवल जीव हिंसा से ही संबंधित नहीं है, इसमें दूसरों की भावनाओं को आहत नहीं करना भी आता है। अस्तेय का अर्थ है चोरी न करना और अपरिग्रह से तात्पर्य है कि आवश्यकता से ज्यादा किसी वस्तु या धन का संग्रह न करना। वहीं नियम में शौच, संतोष, तप, स्वाध्याय और ईश्वर-प्राणिधान आते हैं। शौच से मतलब मन की सफाई होता है। इसके लिए मनुष्य को स्वाध्याय को अपनाना चाहिए। यम और नियम को जीवन में अपनाने के लिए सर्वप्रथम ज्ञानेंद्रियों पर नियंत्रण करना जरूरी है।

पति-पत्नी के बीच अविश्वास नहीं होना चाहिए

संकलित
प्रेरणा

शिव जी और सती को रास्ते में श्रीराम दिखाई दिए। श्रीराम सीता के वियोग में रो रहे थे। शिव जी ने श्रीराम को दूर से ही प्रणाम किया और देवी सती से कहा कि तुम भी भगवान को प्रणाम करो। सती ने सोचा कि जो व्यक्ति रो रहा है, वह भगवान कैसे हो सकता है। शिव जी ने समझाया कि आप श्रीराम पर संदेह न करें, वे भगवान ही हैं। शिव जी तो वहां से चले गए, लेकिन देवी सती ने सोचा कि वे श्रीराम की परीक्षा लेंगी। ऐसा सोचकर वे सीता का रूप धारण करके श्रीराम के सामने पहुंच गईं। श्रीराम ने उन्हें पहचान लिया, प्रणाम किया और पूछा कि देवी आप अकेली आई हैं, भगवान शिव कहां हैं। श्रीराम की बात सुनकर सती लज्जित हो गईं और चुपचाप शिव जी के पास लौट आईं। इसके बाद शिव जी ने देवी सती का मानसिक त्याग कर दिया था। इस घटना के कुछ समय बाद देवी सती के पिता ने एक यज्ञ का आयोजन किया था। यज्ञ में दक्ष ने शिव-सती को छोड़कर सभी देवी-देवताओं को बुलाया था। जब ये बात सती को मालूम हुई तो उन्होंने शिव जी से पिता के यहां जाने की अनुमति मांगी। शिव जी ने सती को समझाया कि हमें ऐसे आयोजन में बिना बुलाए नहीं जाना चाहिए, लेकिन सती ने शिव जी की बात नहीं मानी और पिता के यहां यज्ञ में चली गईं। सती जब यज्ञ स्थल पर पहुंची तो दक्ष ने सती के सामने ही शिव जी का अपमान करना शुरू कर दिया। सती ये सहन नहीं सकीं और यज्ञ कुंड में कूदकर देह त्याग दी।

पंचायती राज

डॉ. अशोक कुमार जायसवाल

आत्मनिर्भर पंचायत : विकसित भारत की आधारशिला

ठाकुर प्यारेलाल राज्य पंचायत एवं ग्रामीण विकास संस्थान, निमोरा, रायपुर (छत्तीसगढ़) महात्मा गांधी आत्मनिर्भर गांव के प्रबल समर्थक थे। वे ऐसे गांवों की कल्पना करते थे जो अपने संसाधनों का विकास स्वयं करें, अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति स्वयं कर सकें तथा दूसरों पर निर्भर रहने के बजाय आत्मनिर्भर बनें। उनकी ग्राम पंचायत की अवधारणा जमीनी स्तर की सामाजिक सभा (ग्रासरूट सोशल असेंबली) पर आधारित थी, जो सहयोगात्मक शासन का स्वरूप प्रस्तुत करती है। इसमें सरकार, समाज और बाजार मिलकर कार्य करते हैं, जिससे ग्रामीणों का विश्वास बढ़ता है, स्थानीय ज्ञान का समुचित उपयोग होता है तथा नीतियों के प्रति दीर्घकालिक स्वामित्व की भावना विकसित होती है। भारत की लगभग दो-तिहाई से अधिक आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है, जहाँ ग्राम पंचायतें आर्थिक गतिविधियों के संचालन, सार्वजनिक सेवाओं की उपलब्धता तथा जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। ग्रामसभा के सबसे निकट होने के कारण पंचायतें सुशासन स्थापित करने की सबसे प्रभावी कड़ी हैं। 73वें संविधान संशोधन के अंतर्गत पंचायतों को संवैधानिक दर्जा और व्यापक दायित्व प्रदान किए गए हैं। उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे केवल प्रशासनिक इकाई के रूप में नहीं, बल्कि स्थानीय आर्थिक विकास और सामाजिक न्याय को आगे बढ़ाने वाली स्वशासी संस्थाओं के रूप में कार्य करें। आजादी के अमृतकाल में पंचायतें सेवा-केंद्रित संस्थाओं के रूप में उभर रही हैं। फिर भी उनकी सबसे बड़ी चुनौती आर्थिक आत्मनिर्भरता है। अधिकांश ग्राम पंचायतें राज्य एवं केंद्र सरकार से प्राप्त अनुदानों पर निर्भर रहती हैं तथा अपने स्वयं के आय स्रोत विकसित करने पर अपेक्षित ध्यान नहीं दे पातीं। परिणामस्वरूप वे स्थानीय आवश्यकताओं की पूर्ति, नई विकास परियोजनाओं के क्रियान्वयन तथा वास्तविक स्वशासी संस्थाओं के रूप में विकसित होने की क्षमता में सीमित रह जाती हैं।

16वें वित्त आयोग ने भी अपनी रिपोर्ट में ग्रामीण स्थानीय निकायों द्वारा स्वयं के राजस्व स्रोतों को सुदृढ़ बनाने की आवश्यकता पर विशेष बल दिया है। आयोग का मत है कि उसके अनुदानों का उद्देश्य स्थानीय निकायों की व्यय आवश्यकताओं तथा उनकी स्वयं की आय एवं राज्य सरकार से प्राप्त अनुदानों के बीच के अंतर को कम करना होना चाहिए। इसी उद्देश्य से आयोग ने राज्यों और ग्रामीण स्थानीय निकायों के लिए प्रदर्शन-आधारित (Performance-based) अनुदानों का प्रावधान किया है, जिन्हें पंचायतों की स्वयं की आय बढ़ाने से जोड़ा गया है।आत्मनिर्भरता का अर्थ केवल वित्तीय संसाधनों तक सीमित नहीं है। इसका आशय पंचायतों की उस क्षमता से है, जिसके माध्यम से वे स्वतंत्र निर्णय ले सकें, स्थानीय समस्याओं का समाधान स्वयं खोज सकें तथा अपने समुदाय के विकास के लिए टिकाऊ मार्ग तैयार कर सकें। जब पंचायतें स्वयं राजस्व अर्जित करती हैं, तब उन्हें अपने गांव की वास्तविक आवश्यकताओं के अनुरूप विकास कार्यों को प्राथमिकता देने की स्वतंत्रता प्राप्त होती है। इससे गरीबी उन्मूलन, आजीविका संवर्धन, स्वास्थ्य, बाल कल्याण, जल संरक्षण, हरित विकास, आधारभूत संरचना, सामाजिक सुरक्षा, सुशासन तथा महिला सशक्तिकरण जैसे लक्ष्यों की प्राप्ति अधिक प्रभावी ढंग से संभव होती है। वास्तव में आत्मनिर्भर पंचायतें ही विकसित भारत की आधारशिला हैं। पंचायती राज मंत्रालय द्वारा संचालित आत्मनिर्भर पंचायत कार्यक्रम का उद्देश्य पंचायतों के स्वयं के राजस्व स्रोतों को सुदृढ़ बनाकर उनकी वित्तीय आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना है। इस प्रक्रिया में नाबार्ड तथा हुडको जैसी संस्थाओं की भी महत्वपूर्ण भागीदारी रहेगी। केवल वही ग्राम एवं जनपद पंचायतें इस कार्यक्रम में सम्मिलित हो सकेंगी जिनके पास राजस्व सृजन करने वाली परियोजनाओं को सफलतापूर्वक विकसित एवं संचालित करने की पर्याप्त वित्तीय क्षमता और संस्थागत स्थिरता उपलब्ध होगी।आर्थिक रूप से सशक्त पंचायतें ही विकसित भारत की मजबूत नींव हैं। इसके लिए पंचायतों को स्थानीय संसाधनों और अवसरों की पहचान कर स्थायी राजस्व सृजन के नवाचारी मॉडल विकसित करने होंगे। पंचायती राज मंत्रालय द्वारा इस कार्यक्रम का विस्तार पूरे देश में किया गया है। पात्र पंचायतों को इस अवसर का लाभ उठाते हुए अपने नवाचारों के माध्यम से आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर, सुशासित और आत्मविश्वासी पंचायतों का निर्माण करना चाहिए। आत्मनिर्भर पंचायत कार्यक्रम स्थानीय परिसंपत्तियों को सतत राजस्व सृजन करने वाली परियोजनाओं में परिवर्तित करेगा और विकसित भारत 2047 के संकल्प को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। *-संकाय सदस्य (पंचायती राज)*

अंतर्मन

आज की पाती

अभिव्यक्ति की आजादी का दुरुपयोग न हो

लोकतंत्रीय व्यवस्था में संविधान के अनुसार हर नागरिक को अपनी आवाज सरकार तक पहुंचाने के लिए अभिव्यक्ति/प्रदर्शन व अहिंसक/ शांतिपूर्ण मार्च का अधिकार दिया गया है। किन्तु उसका बेजा उपयोग या दुरुपयोग कानूनी जुर्म होगा। अगर अभिव्यक्ति/प्रदर्शन अहिंसक और शांतिपूर्ण है तो सरकारी कानून-व्यवस्था का अनावश्यक उपयोग भी संविधान के अनुसार गैरकानूनी माना जा सकेगा। सुप्रीम कोर्ट ने भी हाल ही में पेपर लीक के मामले में सीजेपी द्वारा छात्रों को लेकर अहिंसक प्रदर्शन/आंदोलन व अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर संज्ञान लेते हुए यही कहा है कि प्रदर्शनकारी हों या पुलिस, यदि किसी ने भी किसी पर अनावश्यक ज्यादती की है तो वे कानून के दायरे में आएंगे। – *वीरेंद्र कश्यप, रायपुर*

ट्रेंड

परीक्षा संशोधन विधेयक

लोकसभा ने व्यापक बहस के बाद सार्वजनिक परीक्षा संशोधन विधेयक, 2026 पारित कर दिया है। यह भारत की परीक्षा प्रणाली की निष्पक्षता को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।
- **राजनाथ सिंह,** रक्षामंत्री

हर छात्र का अपमान

रेपिस्ट का बचाव करने वाले व्यक्ति से ज़्यादा घटिया और कोई नहीं हो सकता। प्रह्लाद जोशी हमारे शिक्षा तंत्र और उसमें पढ़ने वाले हर छात्र का अपमान हैं। उनके अधीन संस्थानों में करोड़ों युवतियां पढ़ती हैं। भारत की महिलाएं पीएम मोदी के नए शिक्षा मंत्री को कभी स्वीकार नहीं करेंगी।
- **राहुल गांधी,** सांसद, कांग्रेस

ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स

ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में महिलाओं के 69 किलोग्राम भारोत्तोलन इवेंट में सिल्वर मेडल जीतने पर हरजिंदर कौर और पुरुषों की 10,000 मीटर दौड़ में सिल्वर मेडल जीतने पर गुलवीर सिंह को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं।
- **नीतीश कुमार,** राज्यसभा सांसद, जदयू

शिक्षा विभाग में खाली पद

बीजेपी ने अपने 'संकल्प पत्र 2023' के पेज 33 पर लिखित रूप में वादा किया था: "हम शिक्षा विभाग में सभी खाली पदों को एक साल के भीतर भरने के लिए प्रतिबद्ध हैं।" आज शिक्षा विभाग में खाली पदों की संख्या बढ़कर लगभग डेढ़ लाख हो गई है।
- **अशोक गहलोत,** पूर्व सीएम, राजस्थान

करंट अफेयर

पीओके के प्रदर्शनकारी पाक के दुश्मन : रक्षा मंत्री आसिफ

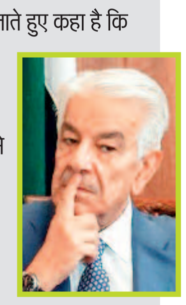

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में प्रदर्शनकारियों को भारत की तरह दुश्मन बताते हुए कहा है कि उनके साथ कोई बातचीत नहीं की जाएगी। इस बीच, पीओके में प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच हुई झड़पों में मरने वालों की संख्या बुधवार को बढ़कर 20 हो गई। प्रतिबंधित ज्वाइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) ने बुधवार को कहा कि सोमवार से पीओके में कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ हुई झड़पों में उसके कम से कम 20 कार्यकर्ता मारे गए हैं और कई घायल हुए हैं। हालांकि, कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने मृतकों की संख्या पर सवाल उठाते हुए प्रदर्शनकारियों पर आरोप लगाया कि उन्होंने सुरक्षा बलों पर गोलीबारी की। ख्वाजा आसिफ ने मंगलवार को पत्रकारों से कहा, 'प्रदर्शनकारियों के साथ कोई बातचीत नहीं होगी। मैं उन्हें भारत की ही श्रेणी में मानता हूं और उन्हें पाकिस्तान का दुश्मन समझता हूं।' वहीं, प्रधानमंत्री के सलाहकार राणा सनाउल्लाह ने कहा कि जेएएसी ने उनके साथ एक बैठक की थी और अपनी 38 मांगें रखी थीं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदर्शनकारी मुजफ्फराबाद और मीरपुर पर बलपूर्वक कब्जा करना चाहते हैं।

ऑफ बीट

भाषाओं को खत्म कर रहा जलवायु परिवर्तन

अमेरिका के वॉशिंगटन राज्य के केलर में रहने वाली पॉलिन स्टेन्सगर का दो मई 2023 में 96 वर्ष की उम्र में निधन हो गया और उनके साथ उनकी भाषा भी खत्म हो गई। पॉलिन 'इन-हा- उम-चीन' भाषा बोलने वाली अंतिम व्यक्ति थीं। वॉशिंगटन राज्य क्षेत्र में अमेरिका के रहने वाले कुछ समूह इस भाषा में बात किया करते थे। पॉलिन के अपनी भाषा के प्रति प्यार को धन्यवाद, जिसकी वजह से हम इस भाषा से पूरी तरह अनजान नहीं हैं। सैलिश स्कूल ऑफ स्पोकाने के प्रधानाचार्य क्रिस्टॉफर पार्किन ने बताया कि पॉलिन स्टेन्सगर ने छह पाठ्यपुस्तकों की रचना की और उनके पास भाषा की 100 से ज्यादा रिकॉर्डिंग हैं। अगर कोई भी 'इन-हा-उम-चीन' सीखना चाहता है तो वह सीख सकता है। लेकिन कुछ विलुप्त भाषाएं, 'इन-हा-उम-चीन' जितनी भाग्यशाली नहीं हैं। हम इन्हें हमेशा के लिए खो सकते हैं। दुनिया के कुछ हिस्से भाषाओं के संदर्भ में समृद्ध हैं लेकिन वहां लाखों लोग पर्यावरणीय आपदाओं के चलते विस्थापित होने के लिए मजबूर हैं, जो भाषाओं के विलुप्त होने का एक प्रमुख कारण है। दुनियाभर में आज सात हजार से अधिक भाषाएं बोली जाती हैं, जिनका इतिहास है और इन्हें बोलने वालों के पास इनका ज्ञान भंडार है।

अपने विचार
हरिभूमि कार्यालय
टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से **hbcgpati@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

भारतीय नौसेना की बढ़ी ताकत, सीएसएल ने किया इस जहाज का निर्माण

उथले जल में दुश्मन के होश उड़ाएगा पनडुब्बी रोधी 'मछलीपट्टनम'

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

दुनिया भर में जारी सैन्य संघर्षों के चुनौतीपूर्ण दौर में बुधवार को भारतीय नौसेना के जंगी बेड़े की क्षमता में कई गुना का इजाफा देखने को मिला है। जिसकी बड़ी वजह समुद्री बल में उथले जल में शत्रुओं के खिलाफ अचूक आक्रामक कार्यवाही करने में सक्षम मछलीपट्टनम (बीवाई 529) जहाज (एएसडब्ल्यू-एसडब्ल्यूसी) का जलावतरण होना है। जहाज का निर्माण देश के अंदर कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) द्वारा किया गया है। जिसमें लगाई गई स्वदेशी सामग्री का कुल आंकड़ा 80% से अधिक है। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि जहाज का जलावतरण समारोह श्रीमती गुलरुख आनंद द्वारा सैन्य मामलों के विभाग के अतिरिक्त सचिव वाइस एडमिरल अतुल आनंद की उपस्थिति में किया गया।

इस राज्य के जिले से मिला नाम

जहाज को आंध्र-प्रदेश के कृष्णा जिले में स्थित ऐतिहासिक मछलीपट्टनम बंदरगाह से यह नाम मिला है। आमतौर पर इस बंदरगाह को अपनी समृद्ध विरासत और व्यापार के लिए जाना जाता है। ऐसे में मछलीपट्टनम नाम न केवल देश की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत से जुड़ा हुआ है। बल्कि यह देश के समुद्री हितों की रक्षा करने की नौसेना की प्रतिबद्धता को भी भली-भांति प्रदर्शित करता है।

यूं चाक-चौबंद होगी तटीय सुरक्षा

मछलीपट्टनम जहाज की मदद से न केवल देश की तटीय सुरक्षा को चार चांद लगेंगे। बल्कि इससे समुद्री क्षेत्र को लेकर जागरूकता भी बढ़ेगी। समुद्री इलाके में अपनी तैनाती के दौरान इस जहाज का मुख्य काम समुद्र के अंदर निगरानी करना, पनडुब्बी रोधी युद्ध से जुड़े अभियानों में अहम भूमिका निभाना और आवश्यकता पड़ने पर दुश्मन द्वारा बिछाई गई बारूदी सुरंगों को नेस्तनाबूद करना और कम तीव्रता वाले समुद्री अभियानों में अपनी मारक क्षमता का प्रदर्शन करना है।

आत्मनिर्भर भारत की मिलती झलक

मछलीपट्टनम परियोजना का सफलता के साथ किया गया क्रियान्वयन रक्षा विनिर्माण के क्षेत्र में भारत की बढ़ती आत्मनिर्भरता को दर्शाता है। साथ ही इसकी मदद से इस मामले में देश की आत्मनिर्भरता भी स्पष्ट रूप से पूरी दुनिया के सामने प्रदर्शित होती है। जहाज की तैनाती के बाद हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में भारत के समुद्री हितों की और अधिक मजबूती के साथ रक्षा की जा सकेगी।

देश के पहले डिपार्टमेंट ऑफ मिलिट्री मेडिसीन की शुरुआत

सामूहिक विनाश के हथियारों का खतरा बरकरार : राजनाथ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को उत्तर-प्रदेश की राजधानी लखनऊ स्थित कमांड अस्पताल में सैन्य दवाओं के विभाग का यहां राष्ट्रीय राजधानी से वर्चुअल माध्यम के जरिए उद्घाटन किया है। इस दौरान अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि यह एक उत्कृष्टता वाला विभाग है। जो देश को उभरते हुए खतरों से दो-दो हाथ में सक्षम बनाएगा। साथ ही उन्होंने युद्ध की तैयारी को मजबूत बनाने के लिए प्रौद्योगिकी आधारित निवारक स्वास्थ्य देखभाल का भी आह्वान किया है।

राष्ट्रीय सुरक्षा को मिलेगी मजबूती

राजनाथ ने बताया कि किसी भी राष्ट्र के निर्माण कुछ जरूरी पहलू होते हैं। जिनमें सामाजिक और आर्थिक विकास मुख्य रूप से शामिल हैं। लेकिन इसमें भी कोई दोराय नहीं है कि किसी भी राष्ट्र की संप्रभुता और प्रगति का मुख्य आधार उसकी सेना की शक्ति और मनोबल में पूरी तरह से समाहित होता है। उन्होंने सैनिकों को अपनी ओर से भरोसा दिलाते हुए कहा कि इस केंद्र की मदद से उन्हें उन्नत चिकित्सा सहायता और जरूरी देखभाल मिलेगी। जिससे हमारे देश की राष्ट्रीय सुरक्षा को बल मिलेगा।

इन मामलों पर केंद्रित होगा ये विभाग

यह विभाग खासतौर पर सैन्य चिकित्सा पर केंद्रित देश का पहला समर्पित शैक्षणिक और परिचालन विभाग है। जिसका असल मकसद युद्धकालीन तैयारियों को पुख्ता बनाना, अनुसंधान को बढ़ावा देना, स्वदेशी सिद्धांतों का विकास सहित भावी युद्धक्षेत्रों और मानवीय आपात परिस्थितियों के लिए विशेषज्ञता को बढ़ावा देना है। विभाग में कुछ प्रमुख विषयों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

सैन्य चिकित्सा का महत्व

रक्षा मंत्री ने सैन्य चिकित्सा के महत्व के बारे में बताते हुए कहा कि जिस प्रकार अंतरिक्ष चिकित्सा पृथ्वी की निम्न कक्षा में पायलटों, अंतरिक्ष यात्रियों के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करती है। ठीक उसी प्रकार से सैन्य चिकित्सा युद्ध और युद्ध जैसे परिस्थितियों के वक्त पर मनुष्य के शरीर पर पड़ने पर शारीरिक, मानसिक तनावों का अध्ययन करती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि हमारे सैनिक विश्व के कुछ बेहद जटिल क्षेत्रों और कठोर जलवायु के बीच तैनात हैं। यह वो चुनौतीपूर्ण इलाके हैं, जहां उन्हें एक साथ कई चुनौतियों से दो-चार होना पड़ता है। ऐसे में यह चिकित्सा विभाग ही एक ऐसा विभाग होगा। जो इन विविध परिस्थितियों के हिसाब से चिकित्सा प्रोटोकॉल तैयार करेगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में पारंपरिक हथियारों के साथ बने हुए सामूहिक विनाश के हथियारों के खतरे की चुनौती के बीच यह केंद्र ही अनुसंधान, विकास केंद्र के रूप में कार्य करेगा। जिससे मदद से तेजी से होते तकनीकी विकास के साथ सामने आने वाले नए खतरों से मुकाबला करने के लिए देश को सक्षम बनेगा।

चरणबद्ध होगा विभाग का विकास

राजनाथ के मुताबिक, इस विभाग का चरणबद्ध रूप से किया जाएगा। शुरुआत में शैक्षणिक कार्यक्रमों की स्थापना के अलावा इन्हें शुरू किए जाने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। बाद में एचएडीआर और सीबीआरएनई चिकित्सा में उत्कृष्टता केंद्रों की स्थापना की जाएगी। जिसके बाद ही यह केंद्र सैन्य चिकित्सा के क्षेत्र में राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर एक मान्यता प्राप्त केंद्र के रूप में विकसित होगा।

यूक्रेन में जहाज के पास हमले में फंसे हैं 13 भारतीय चौकन्नी है भारत सरकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

रूस और यूक्रेन युद्ध के बीच काला सागर तट के पास चालक दल में शामिल कुल 13 भारतीय नाविकों को लेकर जा रहे एक व्यापारिक जहाज एमवी अमीर- 1 की समूची स्थिति पर भारत की पैनी नजर बनी हुई है। यूक्रेन की राजधानी कीव स्थित भारत के दूतावास ने अपनी एक एक्स पोस्ट में बताया कि यह मामला हमारे संज्ञान में आया है। जिसे लेकर हम जहाज की हर छोटी-बड़ी गतिविधि पर अपनी निगाहें टिकाए हुए हैं। इसके अलावा जहाज में सवार देश के सभी नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भी दूतावास यूक्रेन के स्थानीय अधिकारियों के अलावा अन्य सभी संबंधित पक्षों के साथ संपर्क साधे हुए है। जहाज में सवार चालक दल के कुल सदस्यों की संख्या 15 है। जिसमें 13 भारत के नागरिक हैं।

एफएसयूआई की अपील बनी आधार

दरअसल यह पूरा मामला या दूतावास की पोस्ट सीमेन यूनियन ऑफ इंडिया (एफएसयूआई) की उस अपील के बाद सामने आया है। जिसमें उसने भारत की सरकार तथा अन्य संबंधित पक्षों जैसे जहाज मालिकों, जहाज पर लगे हुए ध्वज राष्ट्र से भी अमीर 1 जहाज पर सवार लोगों की सुरक्षा को पुख्ता बनाए रखने और उन्हें तुरंत चुनौतीपूर्ण हालातों से सुरक्षित बाहर निकालने की अपील की थी। जहाज की ताजा लोकेशन भी एफएसयूआई ने साझा करते हुए बताया कि इस वक्त ये जहाज यूक्रेन के चोर्नोमोर्स्क बंदरगाह पर खड़ा है।

भारतवंशी पर बेटों का जीवन खतरे में डालने पर जुर्माना

सिंगापुर। भारतीय मूल के एक सिंगापुरी नागरिक पर अदालत ने अपने दो नाबालिग बेटों का जीवन खतरे में डालने के लिए 5,000 सिंगापुर डॉलर (3,870 अमेरिकी डॉलर) का बुधवार को जुर्माना लगाया और छह महीने के लिए वाहन चलाने पर प्रतिबंध लगा दिया। अक्टूबर 2025 में सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में 40 वर्षीय प्रेम अनन सुगुनाकुमार को पोर्श कार चलाते हुए और उनके दो बेटों को कार के बूट (डिक्की) पर बैठे हुए देखा जा सकता है। चैनल न्यूज एशिया (सीएनए) की खबर के अनुसार सुगुनाकुमार की पत्नी ने यह वीडियो बनाया था जिसे बाद में उन्होंने टिकटॉक पर अपलोड कर दिया।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, लोहरदगा

शुद्धि पत्र

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, लोहरदगा अन्तर्गत आमंत्रित ई– निविदा आमंत्रण सूचना संख्या – RDD/SD/LOHARDAGA/E-03/2026-27 PR No. 386010 Lohardaga (26-27).D द्वारा प्रकाशित है, जिसे निम्न प्रकार से संशोधित किया जाता है।

क्र०सं०	विवरण	पूर्व प्रकाशित तिथि	संशोधित तिथि
1	वेबसाइट में ई–निविदा प्रकाशन की तिथि	06.08.2026	07.08.2026
2	ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय	दिनांक 06.08.2026 से दिनांक 16.08.2026 को अपराह्न 5:00 बजे तक	दिनांक 07.08.2026 से दिनांक 28.08.2026 को अपराह्न 5:00 बजे तक
3	ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय	दिनांक 08.09.2026 पूर्वाह्न 11:00 बजे	दिनांक 31.08.2026 अपराह्न 2:00 बजे

निविदा सूचना की शेष शर्तें यथावत रहेंगी।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल,लोहरदगा

PR 386190 Lohardaga(26-27).D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, चतरा

ई–निविदा आमंत्रण सूचना

डी०एम०एफ०टी० मद से चतरा जिलान्तर्गत स्वीकृत निम्नांकित योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु ग्रामीण विकास विभाग (ग्रामीण कार्य मामले), झारखण्ड सरकार द्वारा समुचित श्रेणी के निबंधित संवेद को से एकल लिफाफा / द्वि (Two) लिफाफा पद्धति के अंतर्गत निविदा आमंत्रित की जातीहै।

ई–निविदा सूचना संख्या :–RDD/SD/CHATRA/14/2026-27/RE_01

1.कार्य की विस्तृत विवरणी :–

ग्रुप० सं०	प्रखण्ड	पंचायत	ग्राम	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि	लिफाफा पद्धति
03	टण्डवा	बचरा उत्तरी	होसिर	Construction of High Level RCC Girder Bridge Over Partand Nala in Vill.-Hosir (Kirigarha to Hosir.	20281940.00	405700.00	10000.00	18 माह	द्वि (Two)

2. वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि–**06.08.2026**
3. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय –दिनांक–**06.08.2026** से दिनांक–**14.08.2026** के अपराह्न 05:00 बजे तक
4. ई–निविदा खोलने का स्थान–कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, चतरा।
5. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय –**18.08.2026** अपराह्न 02:00 बजे
6. ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :–कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, चतरा।
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाषसं०–9431060939 (संबंधित कार्यपालक अभियंता का दूरभाष नम्बर)
8. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है, तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वाप्स होगी। अगर खाता को बन्द कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाब देही आपकी होगी।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता,
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल,चतरा

PR 386148 Rural Development(26-27).D

GOVERNMENT OF MAHARASHTRA
PUBLIC WORK DEPARTMENT

INVITATION FOR TENDER
Tender Notice No. 24 Year 2026-27

Sr No.	Name of wok	Estimated Cost
1	NABARD 31 Construction of bridge on Diva Railway station to Shilphata Road MDR 79 on Creek at Km 3/020 Taluka Thane District Thane	4,58,39,084.00
2	Construction of bridge on Diva Railway station to Shilphata Road MDR 79 on Creek at Km 3/020 Taluka Thane District Thane (NABARD 29)	3,95,44,276.00
3	Construction of Cement Concrete Road from Pallava Junction to Dr Babasaheb Ambedkar Chowk to Chatrapti Shivaji Maharaj Chowk Km 1/000 to 1/500 Tal. Kalyan, Dist. Thane	4,12,63,809.00
4	Construction of Internal Road Shilphata Entrance Gate to Bhavani Chowk to Shantaram Alimkar House to Pandurang Bhoir to Savitribai Nagar in Tal Thane, Dist.Thane	3,19,55,545.00
5	Construction of Internal Road Lalit kata to sonarpada to Kalyan Shil Road in Tal Thane, Dist.Thane	3,36,22,275.00
6	Construction of Cement Concrete Road to Reliance Tower to Taloja Road, Dist. Thane.	4,22,20,703.00
7	Construction of Cement Concrete Malangad cross road to Darshan Banquet Hall at Lokgram Tal. Kalyan, Dist. Thane	4,20,45,396.00
8	Construction of Internal Road Deshmukh Home cluster at Tata Power in Tal Thane, Dist.Thane	4,12,32,638.00
9	Construction of road MDR 72 Asade to Davadi ODR 163 to VR 170 in Tal Kalyan, Dist. Thane	3,36,45,455.00
10	Construction of Concrete Road from Rupesh Patil house to Datta Mandir of Umbharli in Tal Kalyan, Dist.Thane	3,37,86,898.00
11	Construction of Concrete Road from Datta Temple at Umbharli in Kalyan Taluka to Umbali Bhandari Pada.	3,37,72,854.00
12	Construction of Cement Concrete Road from Pallava Junction to Dr Babasaheb Ambedkar Chowk to Chatrapti Shivaji Maharaj Chowk to Devi Bhavani Chowk Km 2/000 to 2/500 Tal. Kalyan, Dist. Thane	4,17,39,370.00
13	Construction of Cement Concrete Road from MDR 73 Sagaon to Umbharli ODR 164 & VR 185 to Ayre to Nandivali VR 112, VR 117 km 2/00 to 4/00 in Tal. Kalyan, Dist. Thane	4,13,66,210.00

1. Period of E-tenders :- Date. 04/08/2026 to Date. 19/08/2026
2. Pre bid conference Date and Place :- Date. 12/08/2026 at 12.00 hrs. the office of the Chief Engineer, Public Works (Konkan) Region, Konkan, Mumbai
3. Date of Opening (If Possible) :- Date. 20/08/2026 at 17.30 hrs. the office of the Superintending Engineer Thane (PW) Circle, Thane

1. Tender form Condition of Contract Specification and Contract drawing can be downloaded from e-tendering portal of public work Department of Maharashtra i.e. https//mahatenders.gov.in
2. Tender Notice can be seen also on website https//mahatenders.gov.in & www.Mahapwd.com

No./TD/Tender/ 7368
Office of the Executive Engineer
P.W. Division No.1 Thane
Date - 24/07/2026

Executive Engineer
P.W. Division No.1 Thane

आरओसी-2026-27/क्र.-5/C1976

सीजेपी की कंगना को नसीहत- परिवार में भी ऐसी भाषा बोलेंगी

'ये मानसिक रूप से स्थिर व्यक्ति के शब्द नहीं'

नई दिल्ली। अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनोट ने जेन-जेड को 'जनरेशन गटर' कहा था। इस पर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रवक्ता सौरव दास ने कहा कि अगर आपके परिवार में जेन-जेड या जेन अल्फा का कोई युवा है, तो क्या आप उनके लिए ऐसी भाषा का इस्तेमाल करेंगी?' कंगना ने मंगलवार को इंस्टाग्राम स्टोरीज पर नीट परीक्षा में कथित अनियमितताओं को लेकर सीजेपी के नेतृत्व में हो रहे आंदोलन पर निशाना साधा था। कंगना की पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए सौरव दास ने कहा कि उनकी भाषा अशोभनीय है। उन्होंने कंगना पर 'सीजेपी लहर' का फायदा उठाने की कोशिश करने का आरोप लगाया। दास ने कहा, 'ये शब्द किसी मानसिक रूप से स्थिर व्यक्ति के नहीं लगते। उनके निर्वाचन क्षेत्र के वीडियो हैं, जहां वह लोगों से कह रही हैं कि आप लोग तो बहुत काम कराते हो। मुझे तो लगा था कि एमपी बनकर ज्यादा काम नहीं होगा, लेकिन यहां तो मुझे रोज काम करना पड़ रहा है। यह उनकी अपने काम के प्रति गंभीरता है।'

मुंबई हाईकोर्ट की टिप्पणी

'पति-पत्नी घर और बच्चे का खर्च मिलकर उठाएं'

एजेंसी ▶▶| मुंबई

बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहा कि अगर दोनों पार्टनर कमा रहे हैं, तो घर और बच्चे की पढ़ाई का खर्च दोनों को उठाना चाहिए। कोर्ट ने यह टिप्पणी उस याचिका पर की, जिसमें एक पति ने पत्नी और नाबालिग बेटे

के लिए तय मासिक गुजारा भत्ता कम करने की मांग की थी। जस्टिस एम एम सथाये की सिंगल बेंच ने पिछले हफ्ते यह आदेश दिया। बेंच ने कहा कि समानता का दावा चुनिंदा तरीके से नहीं किया जा सकता। हाईकोर्ट ने फैमिली कोर्ट के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें व्यक्ति को अपनी पत्नी और बेटे को हर महीने 50 हजार रुपये गुजारा भत्ता देने का निर्देश दिया गया था। हाईकोर्ट ने इस राशि को घटाकर 25 हजार रुपये कर दिया है। पति ने याचिका में कहा था कि पत्नी या तो बिहार में उसके साथ रहे या पनवेल वाले घर में शिफ्ट हो जाए, ताकि वह अंधेरी वाला घर बेचकर अपना आर्थिक बोझ कम कर सके।

MUNICIPAL CORPORATION, AMBIKAPUR DISTRICT SURGUJA (C.G.)

No.1838/AMC/SWM/2026 Ambikapur Date 28.7.2026

REQUEST FOR PROPOSAL 2nd Call

Municipal Corporation Ambikapur invites request for proposals on the prescribed format from reputed eligible firms/companies/consortiums for Design, Development, Supply, Installation, Testing, Commissioning. Training, Operation & Maintenance of an Integrated Digital Solid Waste Management Monitoring System service for Solid and Liquid Resource Management. Details or available in a docket available from office the Municipal corporation, Ambikapur on a payment of Rs. 5000.00 it can also be downloaded from the website https://uad.cg.gov.in the proposal must be submitted by speed post in the prescribed Manner in the office of the Commissioner Municipal Corporation, Ambikapur on or before 5.00 PM on 13/08/2026.

NOTE: Bidders are requested to note that this RFP and the process are being floated on the website to economize on time and are subject to approval. Bidders are requested to visit website all the amendment will be published only in the website https://uad.cg.gov.in

Commissioner
Municipal Corporation
Ambikapur

छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर

क्रमांक 13087/ दो-14-1/2025 बिलासपुर, दिनांक 28/07/2026
Adv. No. 04/2025 (JJA)

सूचना

व्यापम रायपुर द्वारा छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर की स्थापना में जूनियर ज्यूडिशियल असिस्टेंट के रिक्त 124 पदों की भर्ती हेतु विज्ञापन क्रमांक- 04/2025 के माध्यम से आवेदन-पत्र आमंत्रित किये गये थे।

उक्त पद की प्रथम चरण की लिखित परीक्षा उपरांत लिखित परीक्षा में अभ्यर्थियों के प्राप्तांकों के मेरिट के आधार पर विज्ञापन की शर्तों के अनुसार 1:15 के अनुपात में कुल 2290 अभ्यर्थियों की सूची पूर्व में छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर की वेबसाईट पर अपलोड की जा चुकी है।

उक्त पद हेतु पात्र अभ्यर्थियों की द्वितीय चरण की कौशल परीक्षा दिनांक 08/08/2026 को अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर में आयोजित की जायेगी तथा उक्त कौशल परीक्षा के लिये पात्र अभ्यर्थियों का प्रवेश पत्र उच्च न्यायालय की वेबसाइट पर शीघ्र ही उपलब्ध करा दिया जायेगा।

विस्तृत जानकारी छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर की वेबसाईट https://highcourt.cg.gov.in पर देखा जा सकता है।

(रजनीश श्रीवास्तव)
रजिस्ट्रार जनरल

G-262702412/2

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, बलौदाबाजार (छ.ग.)

:: ई-प्रोक्योरमेंट निविदा निरस्तीकरण सूचना ::

इस कार्यालय द्वारा आमंत्रित ऑनलाईन निविदा 01 एवं 02 को अपरिहार्य कारणों से निरस्त किया जाता है। विवरण निम्नानुसार है :-

निविदा सूचना क्र./दिनांक	सिस्टम क्र.	अनुमानित लागत (रू. लाख में)
01/22.06.2026	193741	98.06
02/22.06.2026	193742	96.39

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड
बलौदाबाजार (छ.ग.)

G-262702417/4

छत्तीसगढ़ शासन जल संसाधन विभाग
कार्यालय कार्यपालन अभियंता,
जल संसाधन संभाग, कोरबा (छ.ग.)

ई. प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

eProcurement Portal:https://eproc.cgstate.gov.in

(प्रथम आमंत्रण)

निविदा सूचना क्र. 03/ व.ले.लि./ 2026-27 दिनांक 28-07-2026

निम्नलिखित कार्यो के लिए दिनांक 18-08-2026 17:30 तक ऑन लाईन निविदाए आमंत्रित की जाती है -

सिस्टम निविदा क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत
सिस्टम निविदा क्र. 196097 (ग्रुप क्रमांक - 1)	मसुरीया जलाशय योजना का शेष निर्माण कार्य ।	**रू. 313.41 लाख (जी.एस.टी. छोडकर)** निविदा जल संसाधन विभाग के एस. ओ. आर. 01.08.2010 एवं 23.04.2026 के संसोधन अनुसार आमंत्रित है।
सिस्टम निविदा क्र. 196109 (ग्रुप क्रमांक - 2)	बोकरदा जलाशय योजना के शीर्ष एवं नहर का जीर्णोद्धार कार्य ।	**रू. 283.27 लाख (जी.एस.टी. छोडकर)** निविदा जल संसाधन विभाग के एस. ओ. आर. 01.05.2025 एवं 08.08.2025 के संसोधन अनुसार आमंत्रित है।
सिस्टम निविदा क्र. 196110 (ग्रुप क्रमांक - 3)	खोलारनाला स्टापडेम नं.- 2 योजना का शेष निर्माण कार्य ।	**रू. 78.47 लाख (जी.एस.टी. छोडकर)** निविदा जल संसाधन विभाग के एस. ओ. आर. 01.05.2025 एवं 08.08.2025 के संसोधन अनुसार आमंत्रित है।
सिस्टम निविदा क्र. 196138 (ग्रुप क्रमांक - 4)	उदरदा जलाशय योजना के शीर्ष एवं नहर का शेष निर्माण कार्य ।	**रू. 177.25 लाख (जी.एस.टी. छोडकर)** निविदा जल संसाधन विभाग के एस. ओ. आर. 01.08.2010 एवं 23.04.2026 के संसोधन अनुसार आमंत्रित है।

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 04-08-2026 समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड किये जा सकते है।

नोट : निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित/ पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है ।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग,
कोरबा (छ.ग.)

G-262702414/5

बरसात के दिनों में खान-पान में की गई जरा-सी लापरवाही आपके स्वास्थ्य को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकती है। इसलिए इस मौसम में अपनी डाइट में पौष्टिक, संतुलित और स्वच्छ खाद्य पदार्थों को शामिल करना बेहद जरूरी है।

रेनी सीजन के लिए कैसा हो डाइट प्लान

डाइट सजेशन

शिखर चंद जैन

मानसून या बरसात का मौसम गर्मी से राहत तो लाता है, लेकिन अपने साथ कई तरह की बीमारियां और स्वास्थ्य चुनौतियां भी लेकर आता है। आयुर्वेद के अनुसार, इस मौसम में शरीर की जठराग्नि कमजोर हो जाती है, जिससे पाचन तंत्र संवेदनशील हो जाता है। इसलिए डाइट को लेकर सजग रहना जरूरी है।

दिन की शुरुआत: विशेषज्ञों के अनुसार, बरसात के मौसम में सुबह की शुरुआत चाय या कॉफी के बजाय गुनगुने पानी, नीबू पानी या हर्बल काढ़े से करनी चाहिए। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के दिशा-निर्देशों के मुताबिक, अदरक, तुलसी, काली मिर्च और दालचीनी से बना काढ़ा एंटी-माइक्रोबियल गुणों से भरपूर होता है। यह आपके श्वसन तंत्र को साफ रखता है और मौसमी फ्लू से बचाता है। अदरक में मौजूद 'जिंजरोल' नामक तत्व सूजन और संक्रमण से लड़ने में मदद करता है।

उबला पानी ही पिएं: बरसात के दिनों में सबसे ज्यादा बीमारियां दूषित पानी के कारण होती हैं। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूट्रिशन के अनुसार, इस मौसम में पानी को कम से कम 10 मिनट तक उबालकर और ठंडा करके ही पीना चाहिए। उबलने से पानी में मौजूद हानिकारक बैक्टीरिया नष्ट हो जाते हैं। लोग अकसर इस मौसम में प्यास कम लगने के कारण कम पानी पीते हैं, जिससे डिहाइड्रेशन हो सकता है। दिन में कम से कम 8-10 गिलास उबला हुआ पानी जरूर पिएं ताकि टॉक्सिंस बाहर निकल सकें।

सुपाच्य-गर्म नाश्ता: मानसून में सुबह का नाश्ता हल्का, सुपाच्य और ताजा होना चाहिए। शोध बताते हैं कि ठंडा या रखा हुआ खाना बैक्टीरिया के पनपने का मुख्य केंद्र होता है। अपने नाश्ते में दलिया, ओट्स, पोहा या सूजी का उपमा शामिल करें। इनमें फाइबर की अच्छी मात्रा होती है, जो पेट को साफ रखती है। इसमें थोड़ी-सी हल्दी और राई का तड़का लगाएं, जो अपने एंटी-सेप्टिक गुणों के लिए जाने जाते हैं।

मौसमी फल: फलों का सेवन स्वास्थ्य के लिए बहुत जरूरी है, लेकिन बरसात में फल चुनते समय सावधानी बरतनी चाहिए। विशेषज्ञों के अनुसार, तरबूज या खरबूजा जैसे अत्यधिक पानी वाले फलों से इस मौसम में बचना चाहिए, क्योंकि ये जल्दी खराब होते हैं। इसके बजाय सेब, नाशपाती, अनार, पपीता और जामुन जैसे फलों को प्राथमिकता दें। जामुन में एंटी-ऑक्सीडेंट्स भरपूर मात्रा में होते हैं और यह पाचन क्रिया को सुधारता है। ध्यान रहे कि फलों को काटने के तुरंत बाद खा लें, उन्हें लंबे समय तक काटकर खुला न छोड़ें।

मौसमी सब्जियां: आमतौर पर हरी पत्तेदार सब्जियों को सेहतमंद माना जाता है, लेकिन मानसून में इनमें कीड़े, लार्वा और फंगस लगने का खतरा सबसे ज्यादा होता है। जर्नल ऑफ फूड प्रोटेक्शन के शोध बताते हैं कि इस मौसम में पत्तागोभी, पालक और ब्रोकली की परतों में छिपे बैक्टीरिया धोने के बाद भी पूरी तरह नहीं निकलते। इसकी जगह लौकी, तोरई, कद्दू, टिंडा और परवल जैसी बेल वाली सब्जियों का सेवन करें। ये सब्जियां हल्की होती हैं और पेट पर अतिरिक्त दबाव नहीं डालतीं।

छाछ, दही और कांजी: पाचन तंत्र को मजबूत बनाए रखने के लिए आंतों के अच्छे बैक्टीरिया का स्वस्थ होना जरूरी है। न्यूट्रिशनिस्ट्स के अनुसार, दोपहर के भोजन में घर का जमा हुआ ताजा दही या जीरा-हींग युक्त छाछ शामिल करें। प्रोबायोटिक्स आंतों की परत को मजबूत करते हैं और संक्रमण फैलाने वाले बैक्टीरिया को पेट में टिकने नहीं देते।

एंटी-बैक्टीरियल मसाले: भारतीय रसोई में इस्तेमाल होने वाले मसाले प्राकृतिक दवा की तरह काम करते हैं। बरसात के दिनों में खाना बनाते समय हल्दी, जीरा, धनिया, मेथी दाना, हींग और लहसुन का प्रयोग थोड़ा बढ़ा दें। *

(डायटिशियन पिंकी गोयल से बातचीत पर आधारित)

डॉक्टर्स एडवाइस

डॉ. विनोद चवन

सीनियर पल्मोनोलॉजिस्ट-कोकिलाबेन अंबानी हॉस्पिटल, नवी मुंबई

ऑक्सीजन को शरीर के समस्त अंगों तक फेफड़े ही पहुंचाते हैं, जिसके परिणाम स्वरूप आपके जीवन का सफर आगे बढ़ता रहता है, किंतु शरीर का यह महत्वपूर्ण अंग जब कैंसरग्रस्त होता है, तब जीवन पर संकट के बादल छाने लगते हैं। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च के अनुसार भारत में पुरुषों में अन्य अंगों की तुलना में फेफड़ों के कैंसर के सर्वाधिक मामले सामने आते हैं। लंग कैंसर दो प्रकार के होते हैं-

नॉन-स्मॉल सेल लंग कैंसर: ये फेफड़ों के कैंसर का सबसे कॉमन प्रकार है। लंग्स कैंसर के ज्यादातर मामले एनएससीएलसी से संबंधित होते हैं।

स्मॉल सेल लंग कैंसर: नॉन स्मॉल सेल लंग कैंसर की तुलना में स्मॉल सेल लंग कैंसर (एससीएलसी) कहीं अधिक तेजी से बढ़ता है और इसका इलाज करना कठिन होता है।

लंग कैंसर के कारण

विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट के अनुसार दुनिया भर में फेफड़ों के कैंसर के लगभग 80 प्रतिशत मामले विभिन्न रूपों में धूम्रपान के कारण सामने आते हैं। धूम्रपान के अतिरिक्त जो लोग धूम्रपान करने वाले लोगों के संपर्क में आते हैं, उनमें भी कालांतर में फेफड़ों के कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। धूम्रपान करने वाले लोगों के निकट रहने वाले को पैसिव स्मोकर कहा जाता है।

जेनेटिक गड़बड़ी: धूम्रपान से शरीर में ऐसे तमाम केमिकल्स फेफड़ों में जाते हैं, जो कालांतर में जींस में गड़बड़ी उत्पन्न करते हैं और यह स्थिति एक अर्से बाद कैंसर का जोखिम बढ़ा देती है। वहीं जिन लोगों के परिवार के सदस्यों में फेफड़ों का कैंसर अतीत में रहा हो, उनमें लंग कैंसर होने का जोखिम बढ़ जाता है।

वायु प्रदूषण से बढ़े रिस्क: शहरों में सड़कों पर वाहनों का धुआं भी लोगों के फेफड़ों पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहा है। यह स्थिति कालांतर में फेफड़ों के कैंसर के खतरे को बढ़ा रही है। देश के अनेक महानगरों और छोटे शहरों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एयर क्वालिटी इंडेक्स) दिनोंदिन खराब होता जा रहा है। जिस सूचकांक को 100 के अंदर होना चाहिए वह लगभग 200 के पार और अनेक बड़े शहरों में 400 के पार तक पहुंच जाता है।

स्पेशल: वर्ल्ड लंग कैंसर-डे, 1 अगस्त

जब फेफड़ों के किसी भाग या टिश्यूज में स्थित कोशिकाएं अनियंत्रित तरीके से बढ़ने लगती हैं, तब फेफड़ों के किसी भाग में गांठ (नोड्यूल) बनना शुरू हो जाती हैं, जो बाद में फेफड़े के कैंसर का कारण बनती है। इसके होने के कई कारण हैं। लेकिन समय पर पता लगने पर अब इसका ट्रीटमेंट संभव है। लंग कैंसर से जुड़ी उपयोगी जानकारी आपको यहां दे रहे हैं।

लाइलाज नहीं रहा लंग कैंसर

लंग कैंसर के प्रमुख लक्षण

- मामूली शारीरिक परिश्रम करने पर भी सांस फूलने लगती है या सांस लेने में दिक्कत होना।
- गहरी सांस लेते समय सीने में दर्द होना।
- लगातार बनी रहने वाली खांसी जो लगभग तीन से चार हफ्ते से जारी हो। खांसी की आमतौर पर ली जाने वाली दवाओं के सेवन के बाद भी इस समस्या का बढ़ते जाना।
- खांसने पर या बलगम में खून आना।
- किसी कारण के बिना वजन का कम होना।
- हमेशा लो एनर्जी फील करना, बेवजह बहुत थकान महसूस होना।
- निगलने में दिक्कत और आवाज बैठना।
- सीने में घरघराहट महसूस होना।

हालांकि उपरोक्त लक्षणों का होना इस बात का सूचक नहीं है कि आपको फेफड़े का कैंसर है। इनमें से कई लक्षण अन्य स्वास्थ्य समस्याओं से भी संबंधित हो सकते हैं। बावजूद इसके यदि आपको इनमें से कोई लक्षण कुछ हफ्तों तक महसूस हों, तो आपको डॉक्टर से परामर्श लेना चाहिए।

कैंसर की अवस्थाएं

स्टेज 1: जब कैंसर की गांठ या नोड्यूल फेफड़े के किसी एक निश्चित भाग तक ही सीमित रहता हो।

स्टेज 2: जब कैंसर फेफड़े के अंदर लिंफ नोड्स तक फैल गया हो या फेफड़े के एक ही लोब में एक से अधिक गांठें हों।

स्टेज 3: कैंसर जब दूसरे फेफड़े में फैल चुका हो।

स्टेज 4: कैंसर जब फेफड़े और दिल के आस-पास के द्रव या अन्य अंगों तक फैल चुका हो। इस गंभीर स्थिति को मेटास्टेटिक लंग कैंसर कहते हैं। मेटास्टेटिक, कैंसर का ऐसा प्रकार है, जो एक फेफड़े में शुरू होता है लेकिन दूसरे फेफड़े या अन्य अंगों में फैल जाता है। फेफड़ों के ऐसे कैंसर का इलाज उस कैंसर की तुलना में कहीं ज्यादा जटिल होता है, जो अपने मूल स्थान से बाहर किसी दूसरे अंगों तक नहीं फैला होता है।

डायग्नोसिस के तरीके

इसके डायग्नोसिस के लिए पल्मोनरी फंक्शन टेस्ट, सीने का एक्स-रे, एमआरआई, पैट सीटी स्कैन और सीटी स्कैन शामिल हैं। इसके अलावा ब्लड टेस्ट, यूरिन टेस्ट, स्प्यूटम टेस्ट, बायोप्सी और ब्रॉन्कोस्कोपी आदि जांचें भी कराई जाती हैं।

इलाज के तरीके हैं कई

विशेषज्ञ डॉक्टर फेफड़े के कैंसर से ग्रस्त मरीज के उपचार की प्रक्रिया का निर्धारण उसके कैंसर की स्टेज, उसकी शारीरिक स्थिति और उम्र आदि बातों के मद्देनजर सुनिश्चित करते हैं। चिकित्सा विज्ञान में हुई चमत्कारिक प्रगति के कारण अब सर्जिकल प्रक्रिया अतीत की तुलना में मरीज के लिए कहीं ज्यादा लाभदायक हो चुकी है। यही बात कीमोथेरेपी और रेडिएशन थेरेपी के संदर्भ में भी लागू होती है।

सर्जरी: इसके अंतर्गत फेफड़े के कैंसरग्रस्त भाग या प्रभावित टिश्यू को सर्जरी के जरिए निकाला जाता है। जब कैंसरग्रस्त भाग एक ही जगह पर हो और वह शरीर के अन्य भागों में नहीं फैला हो, तब सर्जरी की जाती है।

रेडिएशन थेरेपी: इसके अंतर्गत प्रोटॉन थेरेपी, लीनियर एक्सिलरेटर्स, 'गामा नाइफ' और 'साइबर नाइफ' आदि का इस्तेमाल किया जाता है। अब आधुनिक रेडिएशन थेरेपी के जरिए कैंसरग्रस्त भाग के आस-पास के स्वस्थ टिश्यूज को बचाते हुए कैंसरग्रस्त टिश्यूज तक रेडिएशन की सटीक डिलीवरी संभव है।

रोबोटिक सर्जरी: अब रोबोट की सहायता से मिनिमल इनवेसिव सर्जरी संभव है, जिससे मरीजों को बेहतर परिणाम मिल रहे हैं।

कीमोथेरेपी: मेडिकल साइंस में हुए शोध-अनुसंधानों के कारण कीमोथेरेपी में नई दवाएं शामिल हो चुकी हैं, जिनके कारण मरीज को अब कम 'साइड और आफ्टर इफेक्ट' सहने पड़ते हैं।

इम्यूनोथेरेपी: मानव शरीर में रोग प्रतिरोधक शक्ति होती है, जिसे इम्यूनिटी कहा जाता है। मेडिकल साइंस के अनुसार प्रत्येक व्यक्ति में कैंसर से लड़ने की इम्यूनिटी होती है, जो शरीर में कैंसरस कोशिकाओं को खत्म कर देती है। इम्यूनोथेरेपी के लिए इंजेक्शन आते हैं, जिन्हें कैंसर विशेषज्ञ के परामर्श से लगाया जाता है। ऐसे इंजेक्शंस इम्यूनिटी को बढ़ाते हैं। *

प्रस्तुति: विवेक शुक्ला

फेफड़ों के कैंसर से संभव है बचाव

धूम्रपान से बचें: एक अध्ययन के अनुसार धूम्रपान छोड़ने से आपके फेफड़ों के कैंसर का खतरा कम हो जाता है। अगर धूम्रपान छोड़ने में आपको दिक्कत हो रही है, तो अपने डॉक्टर से परामर्श लें।

पैसिव स्मोकिंग से बचें: अगर आप धूम्रपान करने वाले लोगों के निकट संपर्क में रहते हैं तो ऐसी स्थिति में भी आप उनके द्वारा वातावरण में छोड़ी गई सांस ग्रहण कर सकते हैं, जिसे सेकेंड हैंड स्मोकिंग या पैसिव स्मोकिंग भी कहते हैं, जो अत्यंत नुकसानदेह है।

बचें वाहनों के धुएं से: वाहनों से निकलने वाले धुएं में कार्बन मोनोऑक्साइड पाया जाता है, जो फेफड़ों के लिए अत्यंत नुकसानदेह है। इसलिए वाहनों के प्रदूषण और अन्य प्रदूषित माहौल से बचने के लिए मास्क पहनें।

जरूरी है हेल्दी लाइफस्टाइल: हेल्दी लाइफस्टाइल से कैंसर के जोखिम को काफी हद तक कम किया जा सकता है। इसके अंतर्गत संतुलित पौष्टिक खान-पान, व्यायाम और तनाव प्रबंधन आदि शामिल हैं। खान-पान में हरी सब्जियों, फलों और साबुत अनाजों को वरीयता दें। जंक और प्रोसेस्ड फूड्स से जहां तक संभव हो परहेज करें।

मोटापे से बचे रहें: मोटापा हृदय रोग और मधुमेह को ही नहीं, बल्कि कैंसर के जोखिम को भी बढ़ा देता है। मोटापे को दूर करने के लिए नियमित रूप से व्यायाम करें और अपने खान-पान में नमक, चीनी और अत्यधिक चिकनाई युक्त खाद्य पदार्थ और उत्पादों का कम से कम सेवन करें। मोटापे के संदर्भ में 'बीएमआई' के बारे में अपने डॉक्टर से परामर्श लें।

प्रिकॉशन

डॉ. एम. वली

सीनियर फिजीशियन

सर गंगा राम अस्पताल, दिल्ली

हाल में कुछ प्रदेशों में कोरोना संक्रमण के कुछ मामले सामने आए। इससे लोगों का चिंतित होना स्वाभाविक है। लेकिन हेल्थ एक्सपर्ट्स का कहना है कि इस मामले में बिना घबराए हुए कोरोना से बचाव के लिए सावधानी बरतना सबसे जरूरी है। इस बारे में और डिटेल में जानिए।

सामने आए हैं कोरोना के कुछ मामले रहें पूरी तरह सतर्क-बरतें सावधानी

हाल ही में आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल और बिहार सहित कुछ राज्यों में आए कोविड-19 के नए मामलों की खबर सुर्खियों में रहीं। इनमें अधिकांश मरीजों में हल्के लक्षण पाए गए हैं, जबकि कुछ बुजुर्गों और पहले से गंभीर बीमारियों से ग्रस्त लोगों को अस्पताल में भर्ती करना पड़ा। आंध्र प्रदेश में चार ऐसे मरीजों की मौत ने चिंता बढ़ा दी है।

डरें नहीं-सजग रहें: स्वास्थ्य विभाग का मानना है कि कोरोना संक्रमित अधिकांश मरीजों में हल्के लक्षण पाए गए हैं। कोरोना संक्रमित मरीजों की मौत की वजह केवल कोरोना संक्रमण नहीं, को-मॉबलिटी थीं। यानी ये मरीज पहले से ही डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, फेफड़ों की बीमारी, किडनी की बीमारी और दूसरी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे थे। कमजोर इम्यूनिटी के कारण कोरोना की जंग में वे हार गए।

विशेषज्ञों का मानना है कि कोविड अब पेंडेमिक नहीं, बल्कि एंडेमिक स्टेज में पहुंच गया है। कभी पूरी तरीके से खत्म नहीं होगा। हमें कोरोना के साथ जीना है। करोना जाएगा नहीं, कोरोना के साथ रहना है। हम अकसर कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करना भूल जाते हैं, जिसकी वजह से कोरोना के मामले देखने को मिलते हैं। कोविड-19 अब इंफ्लूएंजा (फ्लू) जैसे श्वसन संक्रमणों की श्रेणी में शामिल होता जा रहा है, जो मौसम के अनुसार समय-समय पर बढ़ सकते हैं। जैसे हर साल मौसम बदलने पर सर्दी-जुकाम या फ्लू के मामले आते हैं। वैसे ही अब कोविड के भी छिटपुट मामले समय-समय पर सामने आते रहेंगे।

नए केसेस आने की वजह: साल 2020 से 2022 तक पूरी दुनिया को प्रभावित करने वाला एसएआरएस-कॉव-2 वायरस म्यूटेशन के बाद समय-समय पर अपना स्वरूप बदलता रहता है। इसी कारण इसके नए वैरिएंट सामने आते रहते हैं। आंध्र प्रदेश में मिले अधिकांश संक्रमण ओमिक्रॉन परिवार से जुड़े हैं। इनकी आरएफ-5 ओमिक्रॉन सब-वैरिएंट के रूप में पहचान हुई है। लेकिन इन्हें 2020-21 जैसी गंभीर महामारी का संकेत नहीं माना जा रहा है। अधिकांश संक्रमण हल्के हैं और अभी तक ऐसा कोई प्रमाण नहीं है कि आरएफ-5 ओमिक्रॉन सब-वैरिएंट पहले के कोरोना वैरिएंट्स से अधिक घातक हैं। फिर भी, वायरस के लगातार बदलते स्वरूप को देखते हुए सतर्क रहना, लक्षण होने पर जांच कराना और विशेष रूप से उच्च जोखिम वाले लोगों की सुरक्षा पर ध्यान देना जरूरी है।

किन्हें है रिस्क: सबसे ज्यादा खतरा उन लोगों को है, जो कमजोर इम्यूनिटी वाले यानी छोटे बच्चे, गर्भवती महिलाएं, बुजुर्ग हैं। या फिर जो पहले से डायबिटीज, हार्ट डिजीज, सीओपीडी जैसी फेफड़ों की पुरानी बीमारी, हाइपरटेंशन, किडनी की बीमारी या कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों से ग्रसित हैं। इन लोगों में संक्रमण गंभीर रूप ले सकता है।

कोरोना वैक्सीन कितनी प्रभावी: पहले कोरोना वैक्सीन लगवा चुके लोगों को आज भी संक्रमण होने की संभावना हो सकती है। चूंकि वायरस समय के साथ बदलता रहता है और वैक्सीन से बनी संक्रमण-रोधी इम्यूनिटी या एंटीबॉडी भी धीरे-धीरे कम हो सकती है। फिर भी अधिकांश मामलों में यह वैक्सीन कोरोना से बचाव का सुरक्षा कवच है। यह भले ही इंफेक्शन को पूरी तरीके से न रोक पाए, लेकिन यह गंभीर बीमारी, अस्पताल में भर्ती होने और मृत्यु के जोखिम से काफी हद तक बचाने में मदद करती है।

क्या हैं लक्षण: संक्रमित व्यक्ति को इंफ्लूएंजा के समान लक्षण हो रहे हैं जैसे- मांसपेशियों में दर्द, बदन दर्द, बुखार, खांसी आना, नाक बहना या कंजेशन होना, गला खराब होना, कमजोरी, थकान, स्वाद और गंध में बदलाव। ध्यान न देने पर निमोनिया भी हो सकता है।

कब जाएं डॉक्टर के पास: अगर बुखार तीन से पांच दिन तक बना रहे, लगातार खांसी, गले में खराश या सांस लेने में तकलीफ हो, ऑक्सीजन स्तर कम हो, सीने में दर्द या गंभीर कमजोरी महसूस हो, तो तुरंत चिकित्सकीय सलाह लेनी चाहिए। जल्दी पता चलने से न सिर्फ इलाज आसान होता है, बल्कि संक्रमित व्यक्ति अनजाने में दूसरों को संक्रमित करने से भी बचता है।

कैसे होता है उपचार: फिलहाल कोरोना के इस नए वैरिएंट के लिए कोई अलग या विशेष दवा उपलब्ध नहीं है। उपचार रोग की गंभीरता और मरीज के जोखिम के आधार पर किया जाता है। उपचार के दौरान जरूरी है कि संक्रमित व्यक्ति और उसके नजदीकी लोग कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करें।

संक्रमित व्यक्ति को आइसोलेट किया जाता है। अधिकांश हल्के मामलों में मरीज के लक्षणों के अनुसार (सिंप्टोमैटिक) उपचार ही किया जाता है। यानी घर पर आराम करने, बुखार या दर्द (जैसे पैरासिटामोल), खांसी की दवा लेने, संतुलित-पोषक-सुपाच्य आहार लेने और पर्याप्त पानी पीने संबंधी सलाह दी जाती है। कोरोना का सेल्फ-लिमिटिंग नेचर (शरीर की प्रतिरक्षा के कारण स्वतः नियंत्रित होने वाला संक्रमण) होने के कारण अधिकांश मरीज 6-7 दिन में स्वस्थ हो जाते हैं। जबकि मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, फेफड़ों की बीमारी या कमजोर प्रतिरक्षा वाले हाई रिस्क कैटेगरी के मरीजों को विशेष निगरानी और चिकित्सकीय उपचार की जरूरत पड़ सकती है। उन्हें आवश्यकता पड़ने पर विशेष एंटीवायरल दवाएं भी दी जाती हैं। समय पर शुरू किया गया उपचार बीमारी के गंभीर रूप लेने के जोखिम को कम कर सकता है। *

प्रस्तुति: रजनी अरोड़ा

कैसे करें बचाव

- कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करें।
- भीड़-भाड़ में दूसरों से दूरी बनाए रखें।
- भीड़-भाड़ वाली जगह जाना जरूरी हो, तो मास्क जरूर पहनें।
- हाथों की स्वच्छता का पूरा ध्यान रखें। समय-समय पर साबुन से हाथ धोएं या सैनिटाइजर का इस्तेमाल करें।
- वैक्सीनेशन को नजरअंदाज बिल्कुल न करें। अगर आप हाई रिस्क कैटेगरी में आते हैं तो वैक्सीनेशन को लेकर अपने डॉक्टर से बात जरूर करें। या फिर अगर इंटरनेशनल ट्रैवल पर जा रहे हों, तब बूस्टर डोज जरूर लगवाएं।

- संतुलित आहार खाएं। मौसमी और ताजे फल ज्यादा खाएं।
- नियमित वॉक करें, एक्सरसाइज करें, डीप ब्रीदिंग करें, प्राणायाम करें।
- अगर बुखार, खांसी या सांस लेने में दिक्कत हो तो डॉक्टर से सलाह लें।

जैकेट के शेष

नक्सलियों का आखिरी ....

नक्सलियों से पूछताछ कर संगठन के नेटवर्क, हथियारों की आपूर्ति और भविष्य की गतिविधियों से जुड़ी अहम जानकारी जुटाने में लगी है। मिसिर बेसरा की गिरफ्तारी के बाद अब एकमात्र पोलित ब्यूरो मेंबर गणपति की गिरफ्तारी शेष है, जिसकी गिरफ्तारी के लिए सुरक्षा एजेंसियां प्रयासरत हैं। हालांकि बताया जाता है कि लंबे समय से गणपति सक्रिय नहीं है। जानकारी के मुताबिक संयुक्त कार्रवाई धनबाद और गिरिडीह जिले की सीमा से लगे मणिडीह क्षेत्र में उस समय की गई जब मिसिर बेसरा अपने साथियों के साथ धनबाद से टाटा मैजिक वाहन से गिरिडीह की ओर जा रहा था। लंबे समय से सुरक्षा एजेंसियों की निगरानी में चल रहे मिसिर बेसरा को सटीक खुफिया सूचना के आधार पर गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार मिसिर बेसरा प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) का सेंट्रल कमेटी और पोलित ब्यूरो सदस्य था तथा झारखंड के कई जिलों में नक्सली गतिविधियों का संचालन कर रहा था। उस पर केवल झारखण्ड व ओडिशा में 2 करोड़ रुपए से अधिक का इनाम घोषित है। अभियान के दौरान 15 लाख रुपए के इनामी मोछु, गौरव हांसदा समेत कुल पांच नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया है। झारखण्ड पुलिस व सुरक्षा एजेंसियों इस कार्रवाई को नक्सल विरोधी अभियान की बड़ी उपलब्धि बताया है। अधिकारियों का मानना है कि इस गिरफ्तारी से झारखंड और आसपास के क्षेत्रों में माओवादी संगठन की गतिविधियों पर बड़ा असर पड़ेगा तथा संगठन के नेटवर्क को कमजोर करने में मदद मिलेगी।

55 जवानों की शहादत, हत्या, विस्फोट सहित सौ से अधिक मामले दर्ज : झारखंड में माओवादी संगठन के शीर्ष नेता और करोड़ों के इनामी नक्सली मिसिर बेसरा उर्फ भास्कर उर्फ सुनिर्मल को सुरक्षाबलों ने चार अन्य साथियों के साथ गिरफ्तार किया है। मिसिर बेसरा पर झारखंड में 55 जवानों की शहादत से जुड़े आईईडी ब्लास्ट सहित हत्या, विस्फोट, पुलिस बलों पर हमले और आर्म्स एक्ट के सौ से अधिक मामले दर्ज हैं। सुरक्षा एजेंसियों को खुफिया इनपुट मिला था कि मिसिर बेसरा अपने साथियों के साथ नए ठिकाने की तलाश में सारंडा के जंगलों से गुजर रहा है। जिसके बाद चलाए गए सर्च ऑपरेशन में सुरक्षाबलों ने घेराबंदी कर उसे दबोच लिया। वह माओवादी संगठन के पोलित ब्यूरो का सदस्य तथा पूर्वी क्षेत्रीय ब्यूरो का प्रभारी रहा है और बीते चार दशक से झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल तथा छत्तीसगढ़ में सक्रिय था।

बस्तर से भी ....

था। उसकी गिरफ्तारी को माओवादी संगठन के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। बताया जा रहा है कि मिसिर बेसरा बस्तर में भी काफी समय तक सक्रिय रहते हुए हथियारों की आपूर्ति व बड़े हमलों का मास्टर माइंड भी था।

पांच महिलाओं समेत ....

उर्फ राहत शामिल है। इसके अलावा 5-5 लाख के ईनामी फगनी पोयाम उर्फ रजनी, सूरज मुन्नी चम्पिया उर्फ सुबनी, हिड़मे कड़ती उर्फ रीता, बुधरी कुंजाम उर्फ अनुषा तथा मिसिर बेसरा का सुरक्षा गार्ड सलमी चम्पिया उर्फ जिलानी निवासी पूसनार पेरमापारा थाना गंगालूर जिला बीजापुर शामिल है।

कैदी जेल के फायर ....

आजीवन कारावास की सजा काट रहा था। उसे जेल में सजा काटते 10 साल हो गए थे। बताया जा रहा है कि 29 जुलाई को शाम 4 बजे कैदी राहुल उर्फ विकेश दौड़ते हुए किचन में आया और जलते हुए गैसीफायर प्लांट में कूद गया। किचन में मौजूद कैदियों ने उसे बचाने का प्रयास किया लेकिन प्लांट अत्यधिक गर्म होने से उसकी मौत हो गई। घटना के बाद जेल में हड़कंप मच गया और तत्काल सायरन बजाकर इमरजेंसी घोषित की गई। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। **कलेक्टर - एसएसपी पहुंचे जेल:** घटना की सूचना मिलते ही कलेक्टर संजय अग्रवाल, एसएसपी रजनेश सिंह अधिकारियों के साथ जेल पहुंच गए। उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण कर जेल अधीक्षक से घटना के संबंध में जानकारी ली। कैदी अति संवेदनशील गैसीफायर प्लांट तक कैसे पहुंचा, इसकी जांच करने का आदेश दिया गया है।

भाजपा अध्यक्ष की ...

इलाज जारी है।

परिवार दूसरे वाहन में था: सूत्रों के अनुसार, हादसे में किरण देव को मामूली चोट नहीं आई है। चिकित्सकों की टीम उनकी निगरानी कर रही है। उनकी हालत फिलहाल खतरे से बाहर और स्थिर बताई जा रही है। हादसे के समय उनके साथ सुरक्षा कर्मी भी मौजूद थे, जबकि परिवार के अन्य सदस्य अलग वाहन में यात्रा कर रहे थे।

सीएम ने की ....

रहा है। मां दंतेश्वरी से प्रार्थना है कि किरणजी को शीघ्र ही पूर्ण स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें।

संसद में 'इडियट' और ....

लगाया है या फिर वह माफी मांगें। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष बिना किसी तथ्य, जांच और साक्ष्य के किसी के ऊपर आरोप नहीं लगा सकते। राहुल गांधी ने भाषण के दौरान कहा, तीन तरह के लोग होते हैं. विद्यार्थी, अंध भक्त और इडियट। जहां 'अंधभक्त' को लगता है कि 'इडियट' ही भगवान है। आप बताइए स्टूडेंट कौन है और इडियट कौन? राहुल गांधी ने चर्चा में भाग लेने के दौरान आरोप लगाया कि देश की शिक्षा व्यवस्था की आत्मा पर भारतीय जनता पार्टी के वैचारिक संगठन ने कब्जा कर लिया है और पूर्व शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान तो सिर्फ एक प्रतीक मात्र थे। उन्होंने छात्रों के विरोध प्रदर्शन का उल्लेख करते हुए यह भी कहा कि प्रदर्शनकारी बच्चों के माता-पिता में साहस नहीं है कि वो भाजपा और उसके वैचारिक संगठन का मुकाबला करें, लेकिन ये बच्चे सामने खड़े हो गए। राहुल गांधी ने कहा कि छात्रों ने डर को बाहर निकालकर चुनौती दी और खुलकर सवाल किया। उनका कहना था, छात्रों ने अपना डर छोड़ दिया। उन्होंने इस सोच को चुनौती दी कि उनकी आवाज उठाने पर उनका करियर बर्बाद किया जा सकता है। छात्रों ने सवाल किया कि हमें रोजगार के अवसरों से क्यों वंचित किया जा रहा है, हमें अपनी पसंद के व्यक्ति से प्रेम करने या विवाह करने का अधिकार क्यों नहीं है और अलग-अलग धर्मों को निशाना क्यों बनाया जाता है? उन्होंने सदन में गृह मंत्री की गैरमौजूदगी को लेकर दावा किया कि 'तथाकथित गृह मंत्री' को हिम्मत नहीं है कि वह सदन में आ सकें। नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि गृह मंत्री सदन में नहीं हैं क्योंकि वह डर गए हैं। इसके बाद उन्होंने छात्रों पर बलप्रयोग का उल्लेख करते हुए गृह मंत्री पर गंभीर आरोप लगाए। इस पर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजीजू ने तीखा विरोध किया और कहा कि गृह मंत्री ने गलत बयान दिया और उन्होंने अपने विशेषाधिकार का हनन करते हुए बयान दिया जिसके लिए उन्हें माफी मांगनी चाहिए।

राहुल को बुनियादी ....

दिया, जिसके बाद कांग्रेस सदस्यों के हंगामे के बीच ही सदन ने ध्वनिमत से विधेयक को पारित कर दिया। हंगामा कर रहे कांग्रेस सदस्यों की ओर इशारा करते हुए सिंह ने कहा कि यह बहुत निराशाजनक है कि इतने महत्वपूर्ण विधेयक पर चर्चा हो रही है तो संजीदगी से चर्चा करने के बजाय विपक्ष राजनीति करने का प्रयास कर रहा है। सिंह ने कहा, नेता प्रतिपक्ष के व्यवहार पर मुझे दुख है कि उन्होंने ऐसे शब्दों का इस्तेमाल किया जो इतनी असंसदीय अभिव्यक्ति है कि कोई सदस्य अपने लिए भी उसका इस्तेमाल सदन में नहीं कर सकता।

विरोध की आवाज को बल प्रयोग से दबाने का लगाया आरोप

पीओके में जुल्म के खिलाफ ब्रिटेन में प्रोटेस्ट पाकिस्तानी दूतावास के बाहर जमा किए जूते

एजेंसी ▶▶ लंदन

पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओके) में हाल में हुई हिंसा का मामला अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी गूंजने लगा है। ब्रिटेन के बर्मिंघम में रहने वाले ब्रिटिश कश्मीरियों ने पाकिस्तान के खिलाफ अनोखा प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने पाकिस्तान के वाणिज्य दूतावास के बाहर अपने जूते रखकर विरोध जताया और आरोप लगाया कि रावलाकोट में प्रदर्शन कर रहे लोगों पर सुरक्षा बलों ने गोली चलाई। उनका कहना था कि आम नागरिकों पर हो रही कार्रवाई तुरंत रोकी जाए और मानवाधिकारों की रक्षा सुनिश्चित की जाए।प्रदर्शन के दौरान लोगों ने पाकिस्तान सेना के खिलाफ नारे लगाए और रावलाकोट में हुई फायरिंग के लिए जवाबदेही तय करने की मांग की। उनका कहना था कि पीओके में विरोध की आवाज को बल प्रयोग से दबाया जा रहा है।

यहां हुई है हिंसा

प्रदर्शन की वजह हाल के दिनों में रावलाकोट और मीरपुर में हुई हिंसा बताई जा रही है। संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी (जाक) का दावा है कि 5 जून से 28 जुलाई के बीच हुई घटनाओं में मरने वालों की संख्या 67 तक पहुंच गई है।आंदोलन से जुड़े लोगों का दावा है कि अपनी बुनियादी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे नागरिकों पर पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने फायरिंग की।

क्यों भड़का पीओके में जनआक्रोश?

इस भारी असंतोष के पीछे बिजली के बढ़ते दाम, कमरतोड़ महंगाई, स्थानीय अधिकारों की अनदेखी और विधानसभा में शरणार्थियों के लिए आरक्षित 12 सीटों का विवाद मुख्य वजह है। आंदोलन से जुड़े नेताओं ने पाकिस्तान-अधिकृत जम्मू-कश्मीर की चुनावी प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर किया जा रहा है और लोगों की राय को दबाने की कोशिश हो रही है। जाक का दावा है कि 5 जून से 28 जुलाई के बीच हुई घटनाओं में मरने वालों की संख्या 67 तक पहुंच गई है।

मुनीर आर्मी पर लगाम लगाने की एमनेस्टी ने की मांग

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के रावलाकोट में क्षेत्रीय चुनाव के पहले दिन हुई हिंसा को लेकर एमनेस्टी इंटरनेशनल ने पाकिस्तान सरकार पर गंभीर सवाल उठाए हैं। संगठन ने कहा कि रावलाकोट से सामने आ रही रिपोर्ट्स जम्मू-कश्मीर में प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पाकिस्तानी अधिकारियों की लंबे समय से चली आ रही गैरकानूनी हिंसा का नतीजा है। एमनेस्टी ने मुनीर आर्मी द्वारा पीओके में की जा रही हिंसक घटनाओं पर रोक लगाने की अपील की है।

अमृतपाल समर्थक बैरिकेडिंग तोड़ चंडीगढ़ में घुसे, वाटर कैनन का मुंह मोड़ा

चंडीगढ़। पंजाब के खडूर साहिब से खालिस्तान समर्थक सांसद अमृतपाल की रिहाई के लिए चंडीगढ़ में अकाली दल (वारिस पंजाब दे) के वर्करों ने जबरदस्त प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी पुलिस को चकमा देते हुए CM भगवंत मान की चंडीगढ़ के सेक्टर 2 स्थित सरकारी कोठी के 1किमी नजदीक तक पहुंच गए। इससे सीएम सिक्योरिटी भी हाई अलर्ट हो गई। तुरंत रिजर्व फोर्स मंगाई गई। चंडीगढ़ पुलिस ने भी सख्ती दिखाते हुए सीएम कोठी के करीब पहुंचे लोगों को हिरासत में ले लिया। ये प्रदर्शनकारी असम की डिब्रूगढ़ जेल में बंद सांसद अमृतपाल और सजा पूरी करने के बाद भी जेल में बंद सिखों (बंदी सिखों) की रिहाई की मांग कर रहे थे।

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग
सिंचाई कालोनी, शांति नगर, रायपुर–492001
वेब साईट www.cserc.gov.in ई–मेल: cserc.sec@cg.nic.in फोन नं. 0771-4073555

जन–सुनवाई हेतु सूचना

मेसर्स जिन्दल स्टील लि. (जेएसएल–टी) द्वारा अपने लाइसेन्स ट्रान्समिशन बिजनस हेतु वित्तीय वर्ष 2026–27 से वित्तीय वर्ष 2029–30 के लिए वार्षिक राजस्व आवश्यकता का निर्धारण, वर्ष 2026–27 हेतु ट्रान्समिशन टैरिफ, वित्तीय वर्ष 2025–26 का संशोधित अनुमान तथा वर्ष 2024–25 के ट्रू–अप हेतु विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 61, 62, 86(1)(a) के अंतर्गत आयोग के समक्ष याचिका दायर की है। यह याचिका, याचिका क्र. 17/2026 के रूप में पंजीकृत की गई है। उक्त याचिका पर आपत्ति/सुझाव हेतु दिनांक 07/03/2026 के समाचार पत्रों में सूचना प्रकाशित की गई थी।

उक्त याचिका एवं जेएसएल–टी द्वारा प्रस्तुत अन्य अतिरिक्त जानकारी आयोग की वेबसाईट www.cserc.gov.in पर उपलब्ध है। आयोग द्वारा उक्त याचिका पर दिनांक 04/08/2026 को अपरान्ह 03:30 बजे आयोग के कोर्ट रूम में जन–सुनवाई नियत की गई है।

स्वहित एवं राष्ट्रहित में उर्जा बचाऐं

सचिव

पेज एक के शेष

भारी बारिश से उफान ....

पास सड़क पर एक पेड़ गिर गया। इससे जगदलपुर–सुकमा मार्ग बाधित हो गया है। दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई । घटना की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंचा और यातायात व्यवस्था संभालते हुए पेड़ हटाने का कार्य शुरू कराया।

नेशनल हाईवे पर...

पैरी, कुल्हाड़ीघाट, इंद्रावन, बाघ व क्षेत्र के सभी नदी नाले उफान पर हैं। मैनपुर नगर सहित सैकड़ों गांवों में बिजली व्यवस्था चरमरा गई है। बिजली बंद होने से क्षेत्र मे संचार सेवा भी प्रभावित है।

24 घंटे में रायपुर 15 तो ...

चुका है, जो सामान्य से 27 फीसदी ज्यादा है। प्रदेश में अब तक 59 सेमी. बरसात हुई है, जो सामान्य से 12 प्रतिशत कम है। पश्चिमी विक्षोभ की वजह से बंगाल की खाड़ी में रुकने के बाद रूप बदलकर आगे बढ़े सिस्टम ने एक बार फिर प्रदेश को पानी-पानी कर दिया है। पिछले तीन दिन से सक्रिय मानसून ने पिछले चौबीस घंटे में प्रदेश के अधिकतर क्षेत्रों को पानी-पानी कर दिया। बस्तर से रायपुर समेत मध्य, बिलासपुर और सरगुजा संभाग के कई क्षेत्रों में भारी बारिश हुई, जिससे कई नदी-नाले ओवरफ्लो हो गए। रायपुर में पिछले चौबीस घंटे से जारी बरसात का प्रभाव जनजीवन पर नजर आया। कभी जोरदार तो कभी रेनी शॉवर के तरीके से शहर में बरसात होती रही। मंगलवार की रात शुरू हुई बारिश बुधवार को शाम होने के बाद थमी नजर आई। मौसम विभाग के विशेषज्ञों का कहना कि मध्य छत्तीसगढ़ और उससे लगे अंदरूनी उड़ीसा के ऊपर स्थित गहरा अवदाब का क्षेत्र आगे बढ़ते हुए पूर्वी मध्य प्रदेश पहुंचने की संभावना है। सिस्टम के आगे बढ़ने से बारिश की गतिविधि में कमी आ सकती है। 30 जुलाई को अधिकतर स्थानों पर हल्की से मध्यम तथा एक-दो स्थानों पर भारी वर्षा होने का अनुमान है। भारी बारिश मुख्यतः दुर्ग संभाग के जिले तथा बिलासपुर संभाग के पश्चिमी जिले हो सकते हैं।

इन इलाकों में ज्यादा गिरा पानी : पिछले चौबीस घंटे में बचेली में 20, राजधानी रायपुर में 15 सेमी. से ज्यादा, कोमाखान, गरियाबंद में 14, ओडगी, बीजापुर में 13, बागबहरा, सुकमा, गोबरा-नवापारा में 12, मैनपुर, पिथौरा, लभांडी में कुकरेल 11, छुरा, माना, मगरलोड, राजिम, बेलरगांव, नगरी में 10 सेमी. से ज्यादा बरसात हुई। इसके अलावा प्रदेश के 25 से ज्यादा स्टेशनों में अतिभारी से भारी वर्षा दर्ज की गई।

श्रवण नक्षत्र सहित...

को दीर्घायु, स्वास्थ्य, सुख और सकारात्मक ऊर्जा देने वाला शुभ योग माना गया है। इसके अतिरिक्त ग्रहों की शुभ स्थिति के कारण इस दिन शश महापुरुष राजयोग, हंस राजयोग, गुरु-आदित्य राजयोग बन रहे हैं।

प्रारंभ होगी मंगला गौरी व्रत : संयोग बन रहा है, जब श्रावण सोमवार के दिन ही नाग पंचमी मनाई जाएगी। भगवान शिव के प्रिय दिन सोमवार और नागपंचमी का एक साथ पड़ना इसे अत्यंत शुभ बना रहा है। बीते वर्ष 29 जुलाई मंगलवार को नाग पंचमी मनाई गई थी, हालांकि कुछ हिस्सों में 28 जुलाई सोमवार को नाग पंचमी का पूजन किया गया था। 23 वर्ष पश्चात पहली बार सभी स्थानों में सोमवार को ही नाग पंचमी मनाई जाएगी। इसके अतिरिक्त सावन माह के प्रत्येक मंगलवार को सुहागिन महिलाएं मंगला गौरी व्रत रखेंगी। धार्मिक मान्यता के अनुसार इस व्रत के पालन से अखंड सौभाग्य और सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है।

प्रारंभ होगी मंगला...

संयोग बन रहा है, जब श्रावण सोमवार के दिन ही नाग पंचमी मनाई जाएगी। भगवान शिव के प्रिय दिन सोमवार और नागपंचमी का एक साथ पड़ना इसे अत्यंत शुभ बना रहा है। बीते वर्ष 29 जुलाई मंगलवार को नाग पंचमी मनाई गई थी, हालांकि कुछ हिस्सों में 28 जुलाई सोमवार को नाग पंचमी का पूजन किया गया था। 23 वर्ष पश्चात पहली बार सभी स्थानों में सोमवार को ही नाग पंचमी मनाई जाएगी। इसके अतिरिक्त सावन माह के प्रत्येक मंगलवार को सुहागिन महिलाएं मंगला गौरी व्रत रखेंगी। धार्मिक मान्यता के अनुसार व्रत के पालन से अखंड सौभाग्य और सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है।

पूर्व पीएम मनमोहन के...

अधीनस्थ अदालत के न्यायाधीश के पास सीबीआई की 'क्लोजर रिपोर्ट' को खारिज कर संज्ञान लेने का कोई कारण नहीं था। पीठ ने कहा, अपीलकर्ता के दुर्भाग्यपूर्ण निधन के कारण यह अपील निष्फल मानकर समाप्त की जा सकती थी लेकिन विशेष न्यायाधीश द्वारा संज्ञान लेने और अपीलकर्ता को तलब करने के पहलू पर विचार करने के लिए हमने सीबीआई द्वारा दाखिल दोनों क्लोजर रिपोर्टों का अध्ययन किया।

शिक्षक ने बच्चे से ....

प्रबंधन को नोटिस जारी करने के साथ ही जांच व कार्रवाई के निर्देश दिए है।

राशिफल

मेष — रहन–सहन अव्यवस्थित रहेगा। खर्चों में वृद्धि होगी। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का साथ मिलेगा।

वृष — परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। मानसिक शान्ति रहेगी,परन्तु बातचीत में संयत रहें। लाभ के अवसर मिलेंगे।

मिथुन — तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। मान–सम्मान की प्राप्ति होगी।सेहत का ध्यान रखें। धर्म–कर्म में रुचि बढ़ेगी। कार्यक्षेत्र में कुछ समस्याएं परेशान कर सकती हैं।

कर्क — आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे। शासन–सत्ता का सहयोग मिलेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

सिंह — कारोबार में लाभ के अवसर मिलेंगे। यात्रा खर्च बढ़ सकते हैं। किसी धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। रहन–सहन कष्टमय रहेगा।

कन्या — परिवार की जिम्मेदारी बढ़ सकती हैं। शैक्षिक कार्यों में सफल रहेंगे। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि हो सकती है। क्रोध के अतिरेक से बचें।

तुला — धैर्यशीलता में कमी आ सकती है। वाहन के रखरखाव पर खर्च बढ़ेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। चिकित्सीय खर्च बढ़ सकते हैं।

वृश्चिक — भाग–दौड़ अधिक रहेगी। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखने का प्रयास करें। वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं।

धनु — कार्यक्षेत्र में तरक्की के योग हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक या बौद्धिक कार्यों में सम्मान की प्राप्ति हो सकती है।

मकर — व्यर्थ के क्रोध एवं वाद–विवाद से बचें। लेखनादि–बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है।

कुंभ — तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। पठन–पाठन में रुचि रहेगी। लेखनादि–बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि के स्रोत विकसित होंगे।

मीन — दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। परिश्रम अधिक रहेगा। लाभ के अवसर बढ़ेंगे। वाणी में मधुरता रहेगी।

जापान में भूकंप से 13 लोगों की मौत

यामे (जापान)। जापान के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से में आए 7.1 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप के बाद 13 लोगों के शव मिले हैं और लापता लोगों की तलाश के लिए बुधवार सुबह भी बचाव अभियान जारी रहा। देश की प्रधानमंत्री साने ताकाइची ने यह जानकारी दी। दक्षिणी मुख्य द्वीप क्यूशू के कुमामोतो क्षेत्र में मंगलवार को 7.1 तीव्रता का भूकंप आया। ताकाइची ने कहा, 'कुछ लोग उन्हें बचाए जाने का इंतजार अब भी कर रहे हैं और समय तेजी से निकल रहा है। हम अधिक से अधिक लोगों का पता लगाने और उन्हें बचाने के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे।'

कार्यालय नगर पंचायत भोपालपटनम, जिला - बीजापुर (छ.ग.)
E–Mail – cmobhopalpatnam@gmail.com

क्रमांक / 283 / लो.नि.शा./ न.पं. / 2026-27 **मैनुअल पद्धति से तृतीय निविदा आमंत्रण सूचना** भोपालपटनम, दिनांक 29/07/2026

नगर पंचायत भोपालपटनम द्वारा एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत फर्म/एजेंसी/ठेकेदारों से छ.ग. लो.नि.वि. द्वारा भवन, सड़क एवं पुल-पुलिया निर्माण कार्य हेतु दिनांक 01/01/2025 को जारी एस.ओ.आर. तथा निविदा दिनांक तक संशोधित एस. ओ. आर. के आधार पर निविदा प्रपत्र "अ" में कम / बराबर / अधिक प्रतिशत दर पर निम्नलिखित कार्यों हेतु मैनुअल पद्धति से निविदा आमंत्रित की जाती है, जिसका विवरण निम्नानुसार है:-

(1) निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन करने की अंतिम तिथि एवं समय - 05/08/2026 समय 05:30 बजे तक
(2) निविदा प्रपत्र प्रदायगी की अंतिम तिथि एवं समय - 07/08/2026 समय 05:30 बजे तक
(3) निविदा प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय - 13/08/2026 समय 05:00 बजे तक
(4) निविदा प्रपत्र खोलने की तिथि एवं समय - 13/08/2026 समय 05:00 बजे से

क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत राशि (लाख में)	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य
1	आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य, गोटे रघुवीर से देवर सुकैरया के घर तक, वार्ड क्र. 01	9.99	7493	750/-
2	वार्ड क्रं. 05 महतारी घाट निर्माण कार्य यालम महतारी घाट से बारेगुडा चौक तक	9.96	7470	750/-
3	वार्ड क्रं. 05 महतारी घाट निर्माण कार्य गोठान के पास	9.96	7470	750/-
4	आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य, मस्जिद चौक से यालम शंकर के घर तक, वार्ड क्र. 04	5.47	4103	750/-
5	वार्ड क्रं. 05 महतारी घाट निर्माण कार्य बालक आश्रम रालापल्ली रोड पास	9.96	7470	750/-
6	आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य, कोमरम के घर से मस्जिद चौक तक वार्ड क्र. 06	9.97	7478	750/-
7	आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य, आलम आनंद सर खेत से मनोहर पेंदम के घर तक, वार्ड क्र. 07	9.97	7478	750/-
8	आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य, प्राथमिक शाला से रिंटू के घर तक वार्ड क्र. 07	5.59	4193	750/-
9	वार्ड क्रं. 02 महतारी घाट निर्माण कार्य बालाजी मंदिर रोड की ओर	9.96	7470	750/-
10	वार्ड क्रं. 05 महतारी घाट निर्माण कार्य नगर पंचायत आफिस के पास	9.96	7470	750/-
11	आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य, हाउसिंग बोर्ड कालोनी से दुर्गा राव एटला घर होते हुए नाला तक वार्ड क्र. 09	3.15	2363	750/-
12	वार्ड क्रं. 08 में यात्री प्रतिक्षालय निर्माण कार्य	9.83	7373	750/-
13	आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य, मधुकर मद्दी घर से नाला होते हुए रंगु वेल्डिंग दुकान तक, वार्ड क्र. 09	4.00	3000	750/-
14	आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य, तहसील कार्यालय से जयहिंद लाटकर के घर तक, वार्ड क्र. 10	6.97	5228	750/-
15	आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य, जयहिंद लाटकर के घर से प्रेम गुज्जा के घर तक, वार्ड क्र. 10	7.24	5430	750/-
16	आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य, यालम नीला के घर से गोंडवाना भवन तक, वार्ड क्र. 12	9.99	7493	750/-
17	आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य, तलाण्डी सुरेखा के घर से डी. सुशीला के घर तक, वार्ड क्र. 12	9.94	7455	750/-
18	वार्ड क्रं. 15 में यात्री प्रतिक्षालय निर्माण कार्य	9.83	7373	750/-
19	आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य, अरगेल दामोदर के घर से पी. दामोदर के विडियोहाल तक वार्ड क्र. 12	9.99	7493	750/-
20	वार्ड क्रं. सांस्कृतिक भवन के सामने इंटरलॉकिंग कंक्रीट कार्य	9.75	7313	750/-
21	आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य, मुतरू अन्नापूर्णा से पालम मीना के घर तक, वार्ड क्र. 15	8.47	6353	750/-
22	आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य, आंगनबाडी केन्द्र से अनिल चेतर के घर तक, वार्ड क्र. 15	9.99	7493	750/-

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय के तकनीकी शाखा से प्राप्त की जा सकती है। साथ ही यह जानकारी विभागीय वेबसाईट http://www.uad.cg.gov.in में देखी जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत भोपालपटनम
जिला - बीजापुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पंचायत, छुईखदान,
जिला- खैरागढ़-छुईखदान-गंडई (छ.ग.)

क्रमांक/293/ई-टेण्डर/न.पं./लो.नि.वि./2026-27 छुईखदान, दिनांक 29/07/2026

// ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना //

तृतीय निविदा सूचना

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण / मरम्मत / उन्नयन कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	सिस्टम टेण्डर नं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रूपये लाख में)	Bid Due Date
1	2	3	4	5
1	196282	एस.एल.आर.एम. सेन्टर एवं कम्पोस्ट शेड का मरम्मत एवं उन्नयन कार्य।	24.60	07.08.2026 17:30 PM

निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in अथवा विभागीय वेबसाईट https://uad.cg.gov.in/ से भी डाउनलोड की जा सकती है। किसी भी प्रकार की संशोधन सूचना विभाग के वेबसाइट एवं कार्यालय सूचना पटल पर प्रसारित की जावेगी पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं होगी।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत छुईखदान
जि.-खैरागढ़-छुईखदान-गंडई (छ.ग.)

न्यायालय नजूल अधिकारी धमतरी के न्यायालय मे मामला
क्रमांक: 202603130300001
विषय:- अ-20(2) मामले की श्रेणी:- राजस्व सन:- 2025-2026
धमतरी प.ह.न. 00033 [(हे.)]
पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार - आयुक्त,
अनावेदक पक्षकार -

// ईश्तहार //

आवेदक आयुक्त नगर पालिक निगम धमतरी, जिला-धमतरी के द्वारा मोहल्ला पोस्ट ऑफिस वार्ड में नागरिक सहकारी केन्द्रीय बैंक के पीछे स्थित खाईनुमा नजूल भूमि शीट क्रमांक 01, ब्लॉक नंबर 05, भूखण्ड क्रमांक 08/1-09-10-12, क्षेत्रफल 2361.00 वर्गमीटर एवं भूखण्ड क्रमांक 14/1, 36/2, 36/7, क्षेत्रफल 2919.90 वर्गमीटर, इस प्रकार कुल 5280.90/56822.484 वर्गफुट को 01 रूपये प्रति वर्गफीट की दर से कुल 56823.00 रूपये में नालंदा परिसर निर्माण हेतु नगर पालिक निगम धमतरी को अग्रिम आधिपत्य प्रदाय किया गया है। वर्तमान में नगर पालिक निगम क्षेत्रान्तर्गत पूर्व प्रस्तावित निर्माण कार्य को परिवर्तित कर नये प्रयोजन **"पार्किंग सह कॉम्पलेक्स निर्माण"** हेतु प्रस्तावित किया गया है।

अतः उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति या संस्था को दावा आपत्ति पेश करना हो तो नियत सुनवाई दिनांक 14/08/2026 तक अनिवार्य रूप से प्रस्तुत कर सकते है। नियत सुनवाई तिथि पश्चात प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 27/07/2026 को जारी किया जाता है। मुहर

Mr. Pawan Kumar Premi
नजूल अधिकारी, धमतरी (छ.ग.)

शब्द पहेली - 6302

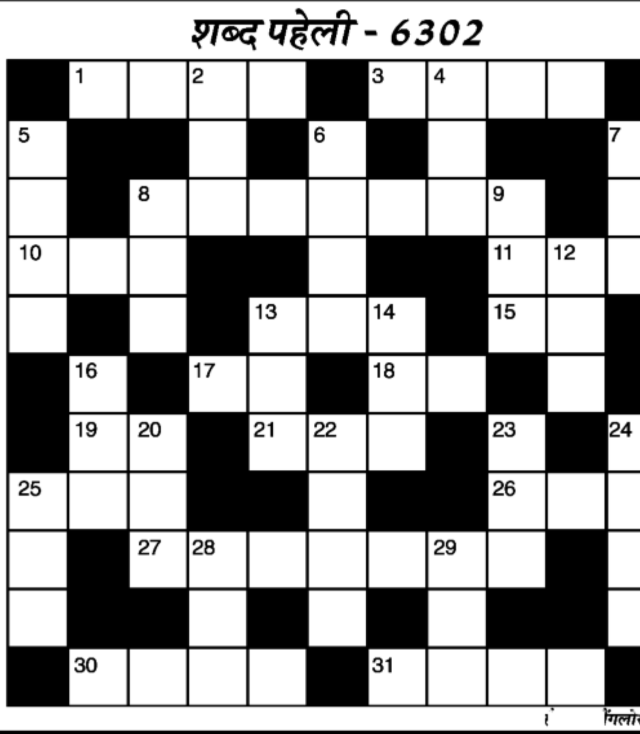

बाएँ से दाए
1. मरघट, कब्रिस्तान-4
3. पागल, बुद्धिहीन-4
8. भगवान, ईश्वर, खुदा-7
10. डांटना, दुत्कार-3
11. तरुण, किशोर-3
13. ओट, घूँघट-3
15. तपस्या-2
17. पराया, अजनबी-2
18. आनंद, मौज-2
19. सूर्य, भास्कर-2
21. चिंतन, सोच विचार-3
25. वेणी, फूलों की माला जो बालों में लगाते हैं-3
26. वैद्य-3
27. आभास करना-4,3
30. शिव के इस मंदिर को महमूद गजनवी ने कई बार लूटा था-2,2
31. युद्धघोष, आक्रमण, हमला-4

ऊपर से नीचे
2. कवि, गजलकार-3
4. भारत का झंडा-3
5. ईश्वर, भगवान-4
6. गुरुवार-4
7. दुर्ज, पापी, भूत-3
8. शरण, आश्रय-3
9. चांदी-3
12. उत्तराधिकारी-3
13. उत्कृष्ट, प्रधान-3
14. आंचल-3
16. कमल-3
20. रुकना, अंत, ठहराव-3
22. उत्तमता, खूबी (उर्दू-4)
23. बर्दाश्त करना, निभाना-3
24. आय, कमाई-4
25. उष्णा-3
28. पराजित करना-3
29. उपपत्नी, दूसरी पत्नी-3

शब्द पहेली- 6301 का हल

सूडोकु नवताल - 6312

मध्यम

	8	1				2	5	
2								9
5			1		7	4		
9	5			4			2	
		3	9		6	7		
	7			8			1	5
		7	2		5			1
6								7
	1	5				6	9	

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6311 का हल

5	9	4	2	3	6	1	8	7
8	7	3	1	4	5	2	9	6
6	1	2	8	7	9	3	5	4
1	6	7	9	8	2	4	3	5
3	8	5	4	1	7	6	2	9
2	4	9	6	5	3	7	1	8
7	5	6	3	9	1	8	4	2
4	2	1	5	6	8	9	7	3
9	3	8	7	2	4	5	6	1

खबर संक्षेप

आईनॉक्स विंड को मिला 1,600 करोड़ रुपए का ठेका

नई दिल्ली। आईनॉक्स विंड लिमिटेड (आईडब्ल्यूएल) को एनएलसी इंडिया लिमिटेड से करीब 1,600 करोड़ रुपये का 200 मेगावाट का ठेका मिला है। इसे ठेका मिलने की तारीख से 24 महीने के भीतर पूरा किया जाएगा। करीब 1,600 करोड़ रुपये के इस ठेके का पूरा काम यानी शुरू से अंत तक कंपनी ही पूरा करेगी।

रुपया 16 पैसे चढ़कर 95.66 प्रति डॉलर पर

मुंबई। रुपया बुधवार को लगातार चौथे कारोबारी सत्र में मजबूत होकर 16 पैसे की बढ़त के साथ 95.66 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजार में जोरदार लिवाली, विदेशी पूंजी प्रवाह और कच्चे तेल की कीमतों के अनुकूल स्तर पर बने रहने से घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला। अमेरिकी मुद्रा में कमजोरी ने भी रुपये को समर्थन दिया।

सोना स्थिर, चांदी में 500 रुपए का सुधार

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में बुधवार को सोने की कीमतें 1.47 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर स्थिर रहीं। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में मजबूती के रुख के बीच चांदी में 500 रुपये का मामूली सुधार हुआ और यह बढ़कर 2.25 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 1,47,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर स्थिर रही।

मिनिमम बैलेंस न रखने पर बैंकों की चांदी, ग्राहकों से वसूले 7,086 करोड़ रुपए

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

मिनिमम बैलेंस न रखने वाले ग्राहकों पर जुर्माना लगाकर बैंक हर साल मोटी कमाई कर रहे हैं। संसद में पेश ताजा आंकड़ों के मुताबिक, बीते वित्त वर्ष में बैंकों ने पेनल्टी के नाम पर आम जनता से हजारों करोड़ रुपए वसूल डाले हैं।

- सबसे ज्यादा रकम एचडीएफसी बैंक ने ग्राहकों से वसूली

इस पेनाल्टी वसूली में कई बड़े बैंकों का दबदबा रहा है, जिन्होंने ग्राहकों से भारी भरकम रकम जुटाकर अपने खजाने भरे हैं। मिनिमम एवरेज बैलेंस नहीं रखने पर देश के सरकारी और प्राइवेट बैंकों ने वित्त वर्ष 2025-26 में ग्राहकों से कुल 7,087 करोड़ रुपए वसूले हैं। संसद में सरकार ने इसकी जानकारी दी। आंकड़ों के मुताबिक, सबसे ज्यादा रकम एचडीएफसी बैंक ने वसूली है।

ग्राहकों पर जुर्माना लगाकर मोटी कमाई कर रहे बैंक

प्राइवेट बैंकों ने वसूले सबसे ज्यादा पैसे

वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने राज्यसभा में लिखित जवाब में बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 में प्राइवेट सेक्टर बैंकों ने करंट अकाउंट और सेविंग्स अकाउंट में मिनिमम एवरेज बैलेंस नहीं रखने पर ग्राहकों से 4,948.71 करोड़ रुपए वसूले। वहीं पब्लिक सेक्टर बैंकों ने इसी वजह से 2,137.92 करोड़ रुपए जुटाए। इस तरह दोनों मिलाकर बैंकों ने 7,086 करोड़ रुपए से ज्यादा की वसूली की।

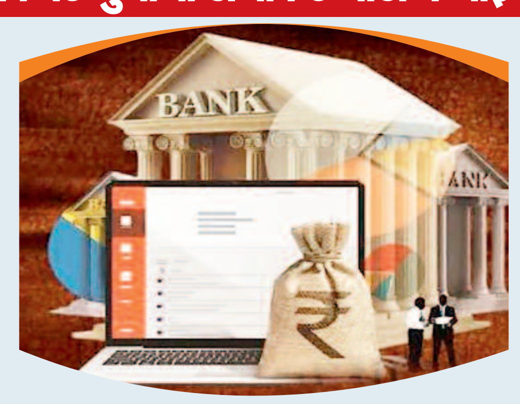

सरकारी बैंकों की हालत बेहतर सरकार का दावा

एक दूसरे सवाल के जवाब में पंकज चौधरी ने कहा कि पब्लिक सेक्टर बैंकों की वित्तीय स्थिति पहले के मुकाबले काफी मजबूत हुई है। बैंकों की बैलेंस शीट बेहतर हुई है, मुनाफा रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा है और ग्रॉस एनपीए कई दशक के सबसे निचले स्तर पर है। उन्होंने कहा कि अलग-अलग सेक्टर में क्रेडिट ग्रोथ भी लगातार बनी हुई है। मंत्री ने यह भी बताया कि वेस्ट एशिया संकट की वजह से कारोबार में आई शॉर्ट टर्म लिक्विडिटी की दिक्कत को दूर करने के लिए सरकार ने मई 2026 में इमरजेंसी क्रेडिट लाइन गारंटी स्कीम 5.0 शुरू की थी।

एक्सिस बैंक दूसरे नंबर पर

आरबीआई के आंकड़ों का हवाला देते हुए मंत्री ने बताया कि प्राइवेट बैंकों में एचडीएफसी बैंक ने सबसे ज्यादा 1,798.14 करोड़ रुपए वसूले। इसके बाद एक्सिस बैंक का नंबर रहा, जिसने 1,081.33 करोड़ रुपए जुटाए। सिर्फ इन दोनों बैंकों ने मिलकर 2,879.47 करोड़ रुपए वसूले, जो 19 प्राइवेट बैंकों की कुल वसूली का 58 प्रतिशत है।

इन खातों पर नहीं लगता कोई चार्ज

सरकार ने साफ किया कि बेसिक सेविंग्स बैंक डिपॉजिट अकाउंट पर किसी तरह का पेनल्टी चार्ज नहीं लिया जाता। इसमें प्रधानमंत्री जन-धन योजना के तहत खोले गए खाते भी शामिल हैं। यानी इन खातों के ग्राहकों को मिनिमम बैलेंस नहीं रखने पर कोई शुल्क नहीं देना पड़ता।

राज्यों के कर राजस्व और कर उछाल में उल्लेखनीय वृद्धि हुई

जीएसटी लागू होने के बाद राज्यों के कर राजस्व में मजबूत वृद्धि : इंडिया रेटिंग्स

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च ने बुधवार को एक रिपोर्ट में यह कहा।एक जुलाई, 2017 से लागू जीएसटी ने 17 तरह के कर और 13 उपकरों (सेस) को एकीकृत कर केंद्र और राज्यों की अलग-अलग कर दरों तथा कर संरचना को सरल बनाया है।

रिपोर्ट के अनुसार, जीएसटी लागू होने के बाद से माल एवं सेवा कर (एसजीएसटी) ने राज्यों के कर राजस्व और कर उछाल में उल्लेखनीय वृद्धि की है। कर उछाल से आशय अर्थव्यवस्था में वृद्धि के मुकाबले कर संग्रह क्षमता में तेज वृद्धि से है।

माल एवं सेवा कर (जीएसटी) लागू होने के बाद राज्यों के कर राजस्व और कर उछाल में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उच्च घरेलू खपत और बड़े सेवा क्षेत्र की मौजूदगी के कारण महाराष्ट्र को जीएसटी लागू होने के बाद राज्यों के कर राजस्व में सबसे बड़ा हिस्सा मिला है।

- महाराष्ट्र को कर राजस्व का सबसे बड़ा हिस्सा मिला
- एक जुलाई 2017 से लागू जीएसटी में 17 तरह के कर व 13 सेस एक किए
- अर्थव्यवस्था में वृद्धि के मुकाबले कर संग्रह क्षमता में तेज वृद्धि से है

अध्ययन में 26 राज्य शामिल

इंडिया रेटिंग्स की अर्थशास्त्री एवं निदेशक मेघा अरोड़ा ने कहा कि अध्ययन में शामिल 26 राज्यों का कर उछाल जीएसटी लागू होने के बाद वित्त वर्ष 2017-18 से 2025-26 के दौरान बढ़कर 2.9 हो गया, जबकि वित्त वर्ष 2013-14 से 2016-17 के दौरान यह केवल 0.6 था।

करदाताओं की संख्या बढ़कर 1.65 करोड़

रिपोर्ट में कहा गया कि राज्य जीएसटी में उल्लेखनीय वृद्धि का कारण कर प्रणाली का सरलीकरण, प्रौद्योगिकी और आंकड़ा विश्लेषण का बेहतर उपयोग, कर अनुपालन में सुधार तथा करदाताओं की संख्या 2017 के 67 लाख से बढ़कर मई, 2026 में 1.65 करोड़ होना है। यह भारतीय अर्थव्यवस्था के संगठित होने की प्रक्रिया को भी दर्शाता है।

राज्यों का संग्रह नौ प्रतिशत से बढ़ा : वहीं, जीएसटी लागू होने के बाद वित्त वर्ष 2017-18 से 2025-26 के दौरान राज्यों का एसजीएसटी संग्रह नौ प्रतिशत बढ़कर 12.9 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

उपभोग आधारित कर व्यवस्था लागू

इंडिया रेटंग्स ने कहा कि इसका प्रमुख कारण उत्पादन आधारित कर प्रणाली के स्थान पर उपभोग आधारित कर व्यवस्था का लागू होना, सेवा क्षेत्र को कर दायरे में शामिल करना तथा कर चोरी पर प्रभावी रोक लगना है। रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2012-13 से 2016-1717 के दौरान राज्यों का कर राजस्व 6.8 प्रतिशत बढ़कर 3.7 लाख करोड़ रुपये रहा था, जबकि सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) में 11.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई थी।

राज्यों के कर राजस्व संरचना में बदलाव आया

रिपोर्ट में कहा गया कि अधिक कर संग्रह अर्थव्यवस्था में खपत बढ़ने, कर व्यवस्था की बेहतर निगरानी और करदाताओं के अनुपालन में सुधार का संकेत है। इसमें कहा गया है कि जीएसटी लागू होने से पहले और बाद में राज्यों के कर राजस्व की संरचना में बदलाव आया। हालांकि, महाराष्ट्र और कर्नाटक दोनों अवधियों में क्रमशः पहले और दूसरे स्थान पर बने रहे।

महाराष्ट्र की हिस्सेदारी बढ़कर 20.4 प्रतिशत

महाराष्ट्र की हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2013-17 के 17.6 प्रतिशत से बढ़कर वित्त वर्ष 2018-26 में 20.4 प्रतिशत हो गई। इसका प्रमुख कारण राज्य में उच्च घरेलू खपत और मजबूत सेवा क्षेत्र है।

शेयर बाजार में तेजी लौटी सेंसेक्स 889 अंक चढ़ा

एजेंसी ▶▶| मुंबई

- निफ्टी 24,250 अंक के पार
- विदेशी निवेशकों ने किया ताजा निवेश
- आईटी और एचडीएफसी बैंक में रही खरीदी

स्थानीय शेयर बाजार में बुधवार को जोरदार तेजी आई और दोनों मानक सूचकांक लाभ में रहे। विदेशी संस्थागत निवेशकों के ताजा पूंजी प्रवाह, सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों और एचडीएफसी बैंक के शेयर में लिवाली से बीएसई सेंसेक्स 889 अंक चढ़ा जबकि एनएसई निफ्टी में 265 अंक की तेजी रही।

तीस शेयर पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 888.68 अंक चढ़कर 77,654.60 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 999.57 अंक चढ़कर 77,765.49 अंक तक पहुंच गया था। वहीं निफ्टी 264.85 अंक यानी 1.10 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,250.20 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से हिंदुस्तान यूनीलीवर का शेयर सबसे अधिक 4.70 प्रतिशत चढ़ा जबकि इन्फोसिस में 4.50 प्रतिशत की तेजी रही। इसके अलावा ट्रेंट, लार्सन एंड टुब्रो, टाटा स्टील, भारती एयरटेल, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), एचसीएल टेक और एचडीएफसी बैंक के शेयर भी बढ़त के साथ बंद हुए। दूसरी ओर अदाणी पोर्ट्स में सर्वाधिक 3.19 प्रतिशत की गिरावट आई। महिंद्रा एंड महिंद्रा, पावर ग्रिड, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और एनटीपीसी के शेयर में भी गिरावट रही। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने मंगलवार को शुद्ध रूप से 755.33 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

कॉस्पी और निक्की में रही गिरावट

एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी 5.98 प्रतिशत टूटा जबकि जापान का निक्की भी गिरावट के साथ बंद हुआ। दूसरी ओर चीन का एसएसई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग बढ़त में रहे। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर के कारोबार में गिरावट रही। वहीं अमेरिकी बाजार मंगलवार को बढ़त के साथ बंद हुए थे।

गुजरात पवन ऊर्जा क्षमता के मामले में देश में सबसे आगे

एजेंसी ▶▶| गांधीनगर

- जून 2026 तक राज्य की स्थापित पवन ऊर्जा क्षमता 16,086 मेगावाट
- गुजरात ने 3,370.6 करोड़ यूनिट पवन ऊर्जा का उत्पादन किया

गुजरात पवन ऊर्जा के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बन गया है। जून, 2026 तक राज्य की स्थापित पवन ऊर्जा क्षमता बढ़कर 16,086 मेगावाट हो गई, जो देश में सबसे अधिक है। बुधवार को जारी आधिकारिक बयान के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025-26 में गुजरात ने 3,370.6 करोड़ यूनिट पवन ऊर्जा का उत्पादन किया, जो देश के कुल पवन ऊर्जा उत्पादन का लगभग एक-तिहाई है। इस दौरान देश की कुल स्थापित पवन ऊर्जा क्षमता 57,443 मेगावाट रही, जबकि कुल उत्पादन 106 अरब यूनिट तक पहुंच गया। पवन ऊर्जा क्षेत्र में इस तेजी के पीछे हरित ऊर्जा गलियारा योजना के तहत पारेषण ढांचे का विस्तार, अंतर-राज्यीय पारेषण प्रणाली (आईएसटीएस) शुल्क में छूट और 2023 की रिपावरिंग एवं लाइफ एक्सटेंशन नीति जैसे कदम अहम रहे हैं।

भविष्य में विस्तार के नए रास्ते खुले

इसके अलावा, समुद्री पवन ऊर्जा पट्टा नियम, 2023 और व्यवहार्यता अंतराल वित्तपोषण योजना से भी भविष्य में विस्तार के नए रास्ते खुले हैं। सरकार का कहना है कि नवीकरणीय ऊर्जा में गुजरात की अग्रणी भूमिका देश के 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ईंधन क्षमता हासिल करने और कार्बन उत्सर्जन कम करने के लक्ष्य में महत्वपूर्ण योगदान देगी।

बिजनेस साइट

सेंटिएंट वर्ल्ड ने डेयरी इकाइयों की जांच रिपोर्ट जारी की

रायपुर। सेंटिएंट वर्ल्ड ने आज भारत के छह राज्यों- चंडीगढ़, पंजाब, उत्तराखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल और छत्तीसगढ़-में 100 से अधिक डेयरी इकाइयों पर आधारित अपनी पहली बहु-राज्यीय जांच के निष्कर्ष जारी किए। 10 फरवरी से 15 अप्रैल 2026 के बीच की गई इस जांच में घरेलू स्तर की डेयरियों, मध्यम आकार की डेयरी इकाइयों और बड़े अनियमित डेयरी क्लस्टरों का अध्ययन किया गया।

जांच में सामने आया कि पशु कल्याण संबंधी गंभीर कमियां और अस्वच्छ डेयरी संचालन अलग-अलग घटनाएं नहीं हैं, बल्कि विभिन्न राज्यों में व्यापक रूप से देखने को मिलने वाले पैटर्न हैं। कई डेयरी इकाइयां आवासीय क्षेत्रों और सार्वजनिक स्थलों के निकट संचालित हो रही थीं, जिनकी दूरी घरों और जल स्रोतों से मात्र 10 से 300 मीटर तक थी। इससे सार्वजनिक स्वास्थ्य, पर्यावरण प्रदूषण और नियामकीय अनुपालन को लेकर गंभीर चिंताएं सामने आईं। जांचकर्ताओं ने अधिकांश इकाइयों में अत्यधिक भीड़भाड़, लंबे समय तक पशुओं को बांधकर रखने, डबल और ट्रिपल टेथरिंग तथा कई मामलों में नाक या मुंह के माध्यम से पशुओं को नियंत्रित करने जैसी स्थितियां दर्ज कीं।

epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि CLASSIFIED
Email : response.haribhoomi@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 6263818152
79871-19756

Appointment आवश्यकता

सिक्योरिटीगार्ड

अतिशीघ्र आवश्यकता है- सुरक्षा गार्ड 17000 सुपरवाइजर 20000 फील्ड अधिकारी 16000 कंप्यूटर ऑपरेटर वेतन योग्यतानुसार मेस सुविधा ,आवास फ्री संपर्क:- अलर्ट एसजीएस प्राइवेट लिमिटेड, कार्यालय:- 06 जे. शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ी नाका रायपुर 7746000016, 7747000016, 7747000019.(आरो-891)

मार्केटिंग कार्य

आवश्यकता है- डोर टू डोर मार्केटिंग कार्य हेतु लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता हैं, वेतन 10,000 से 12,000/- तक पता:- सुंदर नगर एक्सिस बैंक के पास रायपुरा चौक, रायपुर Mob. 7247508331, 8435887784. (आरो-810)

सेल्समैन/ऑपरेटर

आवश्यकता है- थोक कपड़े की दुकान में कार्य करने हेतु अनुभवी सेल्समैन व हेल्पर तथा कम्प्युटर में बिल बनाने हेतु कम्प्युटर ऑपरेटर की आवश्यकता है। 10-15 लड़के चाहिए। मिलने का समयः दोपहर 3 से 6 बजे तक चुन्नीलाल केसरीमल बरलोटा शॉप नंबर डी 29- 30, प्रथम गेट टेक्सटाइल मार्केट पंडरी, रायपुर, संपर्क: 9425506658, 9424200658, 9977252503.(RO-7272)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

शिक्षक

आवश्यकता है- अध्यापन कार्य हेतु कक्षा पहली से दसवीं तक हिंदी माध्यम में सभी विषयों हेतु शिक्षिकाओं की आवश्यकता है। पता- देव्यानी पब्लिक स्कूल, डूण्डा बाजार चौक, रायपुर मोबाइल- 9303013584. (आरो-809)

Wanted- Teachers Requirements For Ashwani Nagar / Sattibazar Raipur Convent Hr.Sec. School- 1st to 5th - EVS, Computer, 6th to 10th- English, Computer, Science, Clerk, Computer Operator & 11th-12th Physics, Chemistry. Principal For Interview 03-08-2026, 10.00AM in Ashwani Nagar, Raipur PH: 0771-2241548. (आरो-100)

आवश्यकता है- अंग्रेजी माध्यम नर्सरी, प्राइमरी व मिडिल स्कूल के सभी विषयों हेतु शिक्षकों की आवश्यकता है। संपर्कः ओशो पब्लिक स्कूल गवर्नमेंट हस्पिटल के पास पाँच रास्ता, सुपेला, भिलाई मो.9907758167.(आरो न.-321)

कारीगर

आवश्यकता है- जेंट्स टेलरिंग शॉप में पेंट सिलाई कार्य के लिए अनुभवी पेंट मेन कारीगर की आवश्यकता हैं। वेतन योग्यतानुसा, संपर्क करे- नेशनल टेलर्स छोटापारा 8109669000, 07712223107. (आरो-meet)

चिकित्साकर्मी

आवश्यकता है- रिसर्च बेस आयुर्वेदिक दवाईयों के प्रमोशन हेतु छत्तीसगढ़ के सभी तहसील स्तर मे डाक्टर्स, नर्स, मेडिकल प्रोफेशनल की आवश्यकता है :- सेलरी + कमीशन २००००/- से- ५००००/- 91657-33916, 97135-17535. (आरो-418)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- रेडीमेड कपड़ा दुकान में काम करने हेतु लड़कों की पार्ट टाइम वाले भी संपर्क कर सकते हैं संपर्क:- कृष्णा कलेक्शन मेन रोड तेलीबांधा रायपुर मोबाइल 9977737197.(आरो-285)

आवश्यकता है- जनरल दुकान में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता हैं। वेतन 11,000 रूपये प्रतिमाह, अपने परिचय पत्र के साथ मिले- श्री कृष्णा मार्केटिंग, पेटी लाईन, गोल बाजार, रायपुर, फोन: 7224926767. (आरो-099)

फील्ड/अकाउंटेन्ट

आवश्यकता है- ऑफिस एवं फील्ड कार्य हेतु युवक युवती चाहिए- 02 पोस्ट। एकाऊंटेंट-01 पोस्ट।वेतन योग्यतानुसार बायोडाटा सहित मिले सम्पर्क सी-115 हर्षित नियों सिटीअमलेश्वर दुर्ग मोबाइल 9479249000. (आरो-398)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

आवश्यकता

आवश्यकता है- कार्य करने हेतु मेहनती लड़कों की आवश्यकता है। रामनगर गुढ़ियारी के निवासी को प्राथमिकता दी जाएगी कार्य का समय सुबह 11:30 से शाम 6:30 तक वेतन 400/- प्रतिदिन संपर्क 6260088185. (आरो-108)

मार्केटिंग कार्य

आवश्यकता है- रियल स्टेट हेतु मार्केटिंग कार्य के लिए लड़को(उम्र 18 से 35)की आवश्यकता वेतन योग्यतानुसार + कमीशन, पता - शंकरनगर, चौपाटी रायपुर (मिले - सुबह 10 बजे से शाम 7 बजे तक) 9098334681. (आरो-209)

बाई

आवश्यकता है-ज्योति ऑप्टिकल पोटिया में साफ सफाई हेतु बाई की आवश्यकता है कार्य समय सुबह 9:30 से रात्रि 9:00 तक, मिले दोपहर 12 से 1:00 बजे ज्योति ऑप्टिकल कंपनी कचहरी रोड दुर्ग (आरो- 1333)

बाई

आवश्यकता है- टेली कालिंग कार्य हेतु 2 फीमेल, एवं घर बैठे मार्केटिंग हेतु मेल - फीमेल चाहिए पार्ट / फुल टाइम सेलरी 6000 से 9000 संपर्क: मारवाड़ी मैरिज ब्यूरो भारतमाता चौक गुढ़ियारी रायपुर संपर्क करें- 9039321951, 7879044266. (आरो- 558.)

हरिभूमि क्लासीफाईड छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

सेल्समैन/सेल्सगर्ल

आवश्यकता है- होलसेल रेडीमेड कपड़ो की दुकान में कार्य हेतु सेल्समैन,पुरूष एंव महिलाकर्मी संपर्क करें राजेश होजियरी रेमंड शॉप के पीछे मेन रोड पंडरी रायपुर 9407923601, 9826908201. (आरो-289)

Finance फायनेंस

फाइनेंस - राज्य ग्रामीण बैंकों द्वारा विभिन्न प्रकार के लोन उपलब्ध। बिजनेस, कृषि, होम एवं प्रॉपर्टी लोन। 1% वार्षिक ब्याज एवं 40% सब्सिडी के साथ प्राप्त करें। डाउन सिबिल स्कोर वालों के लिए भी सुविधा। संपर्क:- 7988465321, 7988465321. (आरो-049)

फाइनेंस - जन कल्याण योजना अंतर्गत पूरे छत्तीसगढ़ मे लोन सिर्फ आधारकार्ड पर - (50,000/- से 25 लाख तक) (1% ब्याज वार्षिक) प्रॉपर्टी, पर्सनल, बिजनेस, दुकानदारी, ग्रुपलोन, सिविल ख़राब लोन पाए, संपर्क - 9311830460. (आरो-4305)

हरिभूमि क्लासीफाईड

विज्ञापन बुकिंग टाइम सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पुर्ण जानकारी लेंवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें 62638-18152

गुलवीर ने 10 हजार मीटर दौड़ में भारत को दिलाया पहला पदक

एथलेटिक्स में दूसरा रजत पदक

एजेंसी ▸▸| ग्लास्गो

एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता भारतीय एथलीट गुलवीर सिंह ने राष्ट्रमंडल खेलों की पुरुषों की 10 हजार मीटर दौड़ में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीतकर नया इतिहास रचा। इसके साथ ही वह इस स्पर्धा में राष्ट्रमंडल खेलों के इतिहास में पदक जीतने वाले पहले भारतीय एथलीट बन गए। एथलेटिक्स में भारत का यह दूसरा रजत पदक है। इससे पहले सर्वेश कुशारे ने पुरुषों की ऊंची कूद में रजत पदक जीता था।

बारिश और पानी से भरे ट्रैक में दौड़े गुलवीर

राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी गुलवीर ने 'स्कॉट्सटाउन स्टेडियम' में लगातार हो रही बारिश और पानी से भरे ट्रैक जैसी चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद पूरी दौड़ में अग्रणी धावकों के साथ अपनी जगह बनाए रखी। अंतिम चरण में उन्होंने जबरदस्त तेजी दिखाई और 27 मिनट 49.78 सेकंड का समय निकालकर दूसरा स्थान हासिल किया। ऑस्ट्रेलिया के काई रॉबिन्सन ने 27:48.93 सेकंड के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि आइल ऑफ मैन के डेविड मुलार्की 27:50.28 सेकंड के साथ कांस्य पदक जीतने में सफल रहे।

नहीं पड़ता मौसम का असर : गुलवीर

गुलवीर ने कहा, 'पदक जीतकर हमेशा अच्छा लगता है। दौड़ अच्छी रही, बारिश भी हुई, लेकिन जब आप पदक जीतते हैं तो बारिश हो, धूप हो, गर्मी हो या कुछ और हो, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।' उन्होंने कहा, 'मैंने सब कुछ भगवान पर छोड़ दिया था। दौड़ से पहले मैंने सर्वशक्तिमान से कहा था, देख लेना प्रभु।'

अफ्रीकी धावकों को पीछे छोड़ा

अमेरिका में कोच स्कॉट सिमंस के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण ले रहे गुलवीर ने मजबूत प्रतिस्पर्धा के बीच बेहतरीन रणनीति अपनाई। इस दौड़ में कीनिया के 2023 की विश्व चैंपियनशिप के पदक विजेता डेनियल एबेयो जैसे कई दिग्गज अफ्रीकी धावक भी शामिल थे। लगातार बारिश के बावजूद गुलवीर अधिकांश समय शीर्ष समूह के साथ बने रहे और अंतिम लैप में अपनी गति को बढाकर मुलार्की को पीछे छोड़ते हुए रजत पदक पर कब्जा जमाया।

40 साल बाद विजेताओं में अफ्रीकी धावक नदारद

गुलवीर के इस प्रदर्शन के साथ एक और बड़ा इतिहास भी बना। वर्ष 1986 के बाद पहली बार राष्ट्रमंडल खेलों की पुरुष 10 हजार मीटर स्पर्धा के पदक विजेताओं में किसी भी अफ्रीकी धावक का नाम शामिल नहीं रहा। यह उपलब्धि 2022 के बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में अविनाश साबले द्वारा 3000 मीटर स्टीपलचेज में कीनिया के लंबे समय से चले आ रहे वर्चस्व को तोड़ते हुए रजत पदक जीतने की याद भी ताजा कर गई।

सेमीफाइनल में अरुंधति, पक्का किया मेडल

अरुंधति चौधरी (70 किलोग्राम वर्ग) ने देश के लिए एक और मेडल पक्का कर लिया। एसईसी हॉल-5 में अरुंधति ने न्यूजीलैंड की मॉर्गन हेंडरसन को 3-1 के विभाजित फैसले से मात देकर सेमीफाइनल में जगह बनाते हुए कम से कम ब्रॉन्ज मेडल सुनिश्चित कर दिया है। अरुंधति चौधरी को पहले राउंड में पांच में से तीन जजों ने 10-10 अंक दिए, जबकि दूसरे राउंड में उन्हें चार जजों से पूरे अंक मिले। इस राउंड

में न्यूजीलैंड की मुक्केबाज हेंडरसन को वॉर्निंग के चलते एक अंक गंवाना पड़ा। तीसरे राउंड में तीन जजों ने अरुंधति के पक्ष में अपना फैसला दिया। अरुंधति चौधरी ऐसी पांचवीं भारतीय हैं, जिन्होंने कॉमनवेल्थ गेम्स के सेमीफाइनल में प्रवेश किया है। उनसे पहले प्रीति, प्रिया, जादुमनी सिंह और साक्षी ने भी अपनी-अपनी वेट कैटेगरी में अंतिम चार में जगह बनाई है।

साक्षी का दबदबा, सेमीफाइनल में एंट्री

महिला मुक्केबाज साक्षी चौधरी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए महिला 51 किलोग्राम वर्ग के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। क्वार्टरफाइनल मुकाबले में उन्होंने नॉर्दन आयरलैंड की कैटलिन फ्रायर्स को एकतरफा अंदाज में 5-0 से हराकर भारत के लिए कम से कम सिल्वर मेडल पक्का कर लिया है। एसईसी हॉल-5 में खेले गए इस मुकाबले में साक्षी ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और तीनों राउंड में अपने प्रतिद्वंद्वी पर दबदबा बनाए रखा। पांचों जजों ने मुकाबला साक्षी के पक्ष में दिया और उन्हें सर्वसम्मत निर्णय के आधार पर विजेता घोषित किया। सभी जजों ने साक्षी को 29 अंक दिए, जबकि फ्रायर्स को 25 से 27 अंकों के बीच अंक मिले। दूसरे राउंड में फ्रायर्स का एक अंक चेतावनी के कारण काटा गया, जिससे भारतीय मुक्केबाज की बढ़त और मजबूत हो गई। इस जीत के साथ साक्षी ने सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। मुक्केबाज सचिन सिवाच ने 60 किलोवर्ग के सेमीफाइनल में पहुंचकर कम से कम कांस्य पक्का कर लिया।

शॉटपुटः फाइनल में तूर और गिल

भारतीय शॉटपुट खिलाड़ी तेजिंदरपाल सिंह तूर और समरदीप सिंह गिल ने राष्ट्रमंडल खेलों के आखिरी दौर के लिए आसानी से क्वालीफाई कर लिया। राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी तूर ने दो प्रयासों में ही ग्रुप ए से 20 मीटर का स्वतः क्वालीफिकेशन मार्क हासिल कर लिया। उनका पहला प्रयास 19.93 मीटर और दूसरा 20.14 मीटर था। उन्होंने तीसरा प्रयास नहीं किया। ग्रुप बी से गिल का सर्वश्रेष्ठ प्रयास पहला ही था, जिसमें उन्होंने 19.95 मीटर का थ्रो फेंका। दूसरा थ्रो 19.75 मीटर और तीसरा फाउल रहा। वह 15 खिलाड़ियों में कुल पांचवें स्थान पर रहे। ग्रुप ए में सात और बी में आठ प्रतियोगी थे। 20 मीटर का आंकड़ा पार करने वाले या सर्वश्रेष्ठ 12 को बृहस्पतिवार को होने वाले फाइनल में जगह मिली। न्यूजीलैंड के टॉम वाल्श ने 21.03 का थ्रो लगाकर पहला स्थान हासिल किया।

अनिमेष ने सेमीफाइनल में किया प्रवेश

राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी अनिमेष कुजूर ने सत्र का अपना सर्वश्रेष्ठ समय निकालते हुए बुधवार को राष्ट्रमंडल खेलों में 200 मीटर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया । 23 वर्ष के कुजूर ने 20.46 सेकंड का समय निकालकर पहले दौर में चौथी हीट में जीत दर्ज की और कुल सातवें स्थान पर रहे। दस हीट में से 16 सबसे तेज धावक गुरुवार को होने वाले सेमीफाइनल में खेलेंगे। कुजूर के नाम 20.32 सेकंड का राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी है।

जैस्मीन ने किया सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई

जैस्मीन लम्बोरिया ने भारत की झोली में मेडल डालने का काम कर दिया है। भारतीय बॉक्सर ने अपने क्वार्टर फाइनल में इंग्लैंड की बॉक्सर को 4-1 के स्प्लिट डिसीजन से हरा दिया और सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई कर लिया। इस तरह बॉक्सिंग में भारत का छठा मेडल भी पक्का हो गया।

खबर संक्षेप

मैं बेहतर प्रदर्शन कर सकती थीः मनु

नई दिल्ली। मनु भाकर ने कहा कि हांगझोउ में हाल ही में समाप्त हुए विश्व कप में 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने पर उनकी भावनाएं मिली जुली है और वह इससे बेहतर प्रदर्शन कर सकती थी। भाकर अभी भी 2026 में अपना पहला व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीतने की तलाश में हैं। भाकर ने एक्स पर पोस्ट किया, 'एक और कांस्य पदक।

स्क्वाश चैंपियनशिपः क्वार्टर फाइनल में टीम इंडिया

ओंटारियो। भारतीय पुरुष और महिला टीमें क्रमशः कुवैत और दक्षिण अफ्रीका को हराकर विश्व जूनियर स्क्वाश टीम चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गईं।

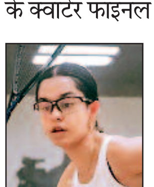

जहां भारत की पांचवीं वरीयता प्राप्त पुरुष टीम को कुवैत के खिलाफ 2-1 से जीत हासिल करने से पहले कड़ी मेहनत करनी पड़ी, वहीं महिला टीम ने दक्षिण अफ्रीका को 3-0 से आसानी से हराया। भारतीय पुरुष टीम क्वार्टरफाइनल में इंग्लैंड से भिड़ेगी जबकि महिला टीम का मुकाबला अमेरिका से होगा।

लिटन को वनडे की कमान

ढाका। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने 2027 क्रिकेट विश्व कप को ध्यान में रखते हुए अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज लिटन दास को एकदिवसीय टीम का नया कप्तान नियुक्त किया। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने 'एक्स' पर लिखा, ''बधाई हो, लिटन कुमार दास! बांग्लादेश की एकदिवसीय टीम के नए कप्तान।' लिटन ने मेहदी हसन मिराज की जगह ली है। मिराज जून 2025 से टीम की कप्तानी कर रहे थे लेकिन इस महीने की शुरुआत में जिम्बाब्वे के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला में 1-2 से हार के बाद उन्हें पद से हटा दिया गया।

टॉप 50 बल्लेबाजों में वैभव की एंट्री शुभमन फिर बने नंबर 1 बल्लेबाज

टी20 में सूर्यवंशी ने लगाई 230 पायदान की लंबी छलांग

एजेंसी ▸▸| दुबई

भारतीय कप्तान शुभमन गिल जारी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की रैंकिंग में फिर से दुनिया के नंबर एक वनडे बल्लेबाज बन गए जबकि वैभव सूर्यवंशी जिम्बाब्वे के खिलाफ अपने अच्छे प्रदर्शन के कारण टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में 230 स्थान की लंबी छलांग लगाकर 48वें स्थान पर पहुंच गए। गिल ने वनडे रैंकिंग में न्यूजीलैंड के बल्लेबाज डैरिल मिचेल को पीछे छोड़कर शीर्ष स्थान हासिल किया। मिचेल इस साल जनवरी से शीर्ष स्थान पर काबिज थे।

बिश्नोई को फायदा, शीर्ष 10 में वरुण

लेग स्पिनर रवि बिश्नोई टी20 में गेंदबाजों की सूची में 31 पायदान ऊपर 41वें स्थान पर पहुंच गए, लेकिन चोटिल होने के कारण जिंबॉब्वे दौरे से बाहर रहे वरुण चक्रवर्ती तीन स्थान नीचे खिसक गए लेकिन वह शीर्ष 10 में बने हुए हैं।

दलीप ट्रॉफी : पूर्व क्षेत्र के उपकप्तान बने सूर्यवंशी

कोलकाता। वैभव सूर्यवंशी को अगले महीने से शुरू होने वाली दलीप ट्रॉफी के लिए ईशान किशन की अगुआई वाली पूर्व क्षेत्र टीम का उपकप्तान नियुक्त किया गया है। बंगाल और झारखंड के खिलाड़ियों के वर्चस्व वाली टीम में 15 वर्षीय सूर्यवंशी को अपने पहले लाल गेंद के क्षेत्रीय टूर्नामेंट में ही उपकप्तान बनाए जाने को इस बात का संकेत माना जा रहा है कि उन्हें सभी प्रारूपों के खिलाड़ी के रूप में तैयार किया जा रहा है। बिहार के सूर्यवंशी टीम में राज्य के एकमात्र खिलाड़ी हैं। पूर्व क्षेत्र की टीम में अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी, अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी मुकेश कुमार और शाहबाज अहमद तथा भारत ए के पूर्व कप्तान अभिमन्यु ईश्वरन को भी शामिल किया गया है।

इंग्लैंड में 5 अगस्त से मिश्रित दिव्यांग क्रिकेट सीरीज

नई दिल्ली। जम्मू कश्मीर के माजिद मगरे 5 से 19 अगस्त तक इंग्लैंड में होने वाली मिश्रित दिव्यांग टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट श्रृंखला में भारत की 16 सदस्यीय टीम की कप्तानी करेंगे। साई आकाश शिवमणि को इस दौरे के लिए भारत का उप-कप्तान नियुक्त किया गया है, जहां भारतीय टीम सात टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगी। पहले दो मैच 5 और 7 अगस्त को डर्बी के आवरकूप काउंटी ग्राउंड में खेले जाएंगे, इसके बाद तीसरा टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच 9 अगस्त को लीसेस्टर में होगा। चौथा मैच 12 अगस्त को होव के काउंटी ग्राउंड में, पांचवां और छठा मैच 15 और 16 अगस्त को अरुंडेल में जबकि अंतिम मैच 19 अगस्त को लॉर्ड्स में खेला जाएगा।

एशियाई खेल : भारतीय हॉकी टीम का ऐलान, लालागे की जगह पाल शामिल

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

भारत ने जापान के आइची नागोया में 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक होने वाले एशियाई खेलों के लिए अपनी 20 सदस्यीय पुरुष हॉकी टीम में केवल एक बदलाव करके आदित्य अर्जुन लालागे की जगह मिडफील्डर राज कुमार पाल को शामिल किया है।

राज कुमार को अगले महीने होने वाले विश्व कप के लिए टीम में शामिल नहीं किया गया था, लेकिन वह एशियाई खेलों के लिए वापसी करने में सफल रहे। लालागे

नीदरलैंड और बेल्जियम की संयुक्त मेजबानी में 15 से 30 अगस्त तक होने वाले विश्व कप के लिए भारत की 20 सदस्यीय टीम में शामिल हैं। भारतीय टीम प्रबंधन और हॉकी इंडिया के चयनकर्ताओं ने इसके अलावा विश्व कप में खेलने वाली टीम में कोई अन्य बदलाव नहीं किया है। स्टार डिफेंडर और ड्रैग-फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह टीम की कप्तानी करना जारी रखेंगे। भारत ने हरमनप्रीत की अगुवाई में ही 2024 में पेरिस ओलंपिक खेलों में कांस्य पदक जीता था। भारत की तरफ से सर्वाधिक मैच खेलने वाले अनुभवी मिडफील्डर मनप्रीत सिंह सहित कई अनुभवी खिलाड़ी टीम का हिस्सा हैं। भारतीय टीम अनुभव और युवा खिलाड़ियों का अच्छा मिश्रण है।

वेस्टइंडीज ने पहला टेस्ट किया अपने नाम, पाकिस्तान को हराया

एजेंसी ▸▸| तारौबा

जाडेन सील्स के 5 विकेट की मदद से वेस्टइंडीज ने पाकिस्तान को पहले टेस्ट क्रिकेट मैच में 90 रन से हराकर दो मैच की श्रृंखला में 1-0 से बढ़त हासिल कर ली।

पहली पारी में 311 रन बनाने वाली वेस्टइंडीज की टीम ने अपनी दूसरी पारी में 181 रन बनाकर पाकिस्तान के सामने 211 रन का लक्ष्य रखा लेकिन उसकी टीम केवल 120 रन पर आउट हो गई। पाकिस्तान में पहली पारी में 282 रन बनाए थे। पाकिस्तान की दूसरी

पारी में केवल तीन बल्लेबाज दोहरे अंक में पहुंचे, जिनमें कप्तान बाबर आजम ने नाबाद 58 रन बनाए।

क्रिकेट

आरसीबी बनी दुनिया की पहली 300 मिलियन डॉलर वाली टीम

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) 300 मिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक के ब्रांड मूल्य वाली दुनिया की पहली क्रिकेट टीम बन गई है, जबकि आईपीएल का व्यावसायिक उद्यम मूल्य बढ़कर 20.6 बिलियन डॉलर हो गया है। वैश्विक निवेश बैंक हाउलिहान लोके ने अपनी एक रिपोर्ट में यह खुलासा किया है। बैंक की 2026 'ब्रांड वैल्यूएशन रिपोर्ट' में कहा गया है कि आईपीएल का मूल्य 11.4 प्रतिशत बढ़कर 20.6 बिलियन डॉलर हो गया है। आरसीबी ने 312 मिलियन डॉलर के मूल्य के साथ आईपीएल फ्रेंचाइजी में अपना नंबर

एक स्थान बरकरार रखा है। मुंबई इंडियंस 264 मिलियन डॉलर के ब्रांड मूल्य के साथ दूसरे स्थान पर है। उसके बाद कोलकाता नाइट राइडर्स (245 मिलियन डॉलर) और चेन्नई सुपर किंग्स (244 मिलियन डॉलर) का नंबर आता है।

ताइपे ओपन : जॉर्ज और मन्नेपल्ली की दूसरे दौर में एंट्री

सीधे गेमों में जीते प्रणय और उन्नति, अगले दौर में प्रवेश

एजेंसी ▸▸| ताइपे सिटी

अनुभवी शटलर एचएस प्रणय और उन्नति हुडा ने सीधे गेम में जीत दर्ज करके ताइपे ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के एकल वर्ग के दूसरे दौर में प्रवेश किया। सातवीं वरीयता प्राप्त प्रणय ने पुरुष एकल के पहले दौर में जापान के मिनोरु कोगा को 21-11 21-14 से हराया।

अब उनका सामना हांगकांग के जेसन गुनावन से होगा, जिन्होंने एक अन्य भारतीय खिलाड़ी मिथुन मंजुनाथ को 21-

18 21-4 से हराया। पुरुष एकल में किरण जॉर्ज और थारुन मन्नेपल्ली भी दूसरे दौर में पहुंच गए हैं।

जॉर्ज ने चीनी ताइपे के वांग पो-वेई को 21-10 21-18 से जबकि मन्नेपल्ली ने कोरिया के आठवें वरीय जियोन ह्योक जिन को 21-12 21-15 से हराया। जॉर्ज और मन्नेपल्ली अगले दौर में एक-दूसरे का सामना करेंगे। पुरुष एकल क्वालीफायर से मुख्य ड्रॉ में जगह बनाने वाले रौनक चौहान इंडोनेशिया के रिची दुता रिचार्डो से 14-21 16-21 से हार गए।

देविका ने कोरिया की गा यून पार्क को दी मात

देविका ने कोरिया की गा यून पार्क को 14-21 21-7 21-15 से, तन्वी ने हमवतन तस्नीम मीर को 21-16 22-20 से और अनमोल ने अमेरिका की इशिका जायसवाल को 21-15 11-21 21-19 से हराया। देविका का अगला मुकाबला इंडोनेशिया की कडेक ढिंडा अमर्त्य प्रतिवी से होगा। तन्वी का मुकाबला अब इंडोनेशिया की थालिता रामधानी विरियावान से होगा, जबकि अनमोल का सामना चीनी ताइपे की दूसरी वरीयता प्राप्त हियांग टी लिन से होगा। भारत की एक अन्य खिलाड़ी श्रीयांशी वलीशेट्टी को थाईलैंड की चौथी वरीयता प्राप्त सुपानिडा कटेथोंग से 11-21 12-21 से हार का सामना करना पड़ा।

पूर्व सहायक कोच डोशेट की केकेआर में वापसी

कोलकाता। भारतीय टीम के सहायक कोच के रूप में अपना कार्यकाल समाप्त करने के बाद रयान टेन डोएशे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की टीम कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से जुड़ गए हैं, जहां वह क्रिकेट रणनीति प्रमुख की भूमिका निभाएंगे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने पुष्टि की है कि टेन डोएशे और फील्डिंग कोच टी. दिलीप का अनुबंध आगे नहीं बढ़ाया जाएगा। नीदरलैंड के पूर्व बल्लेबाज टेन डोएशे अब केकेआर फ्रेंचाइजी में एक नई भूमिका में नजर आएंगे, जिसमें क्रिकेट रणनीति, प्रतिभा खोज और विश्व भर में केकेआर से जुड़ी टीमों के विकास पर निगरानी रखना शामिल है। टेन डोएशे केकेआर फ्रेंचाइजी में खिलाड़ियों की खोज, उनके चयन, टीम योजना और प्रदर्शन का मूल्यांकन करने में भी अहम भूमिका निभाएंगे।

विरासत

छत्तीसगढ़ के महापुरुषों की गौरवगाथा

किसी प्रदेश की पहचान उसकी संस्कृति से होती है, और संस्कृति की सबसे बड़ी ताकत होती है उसकी लोकगाथाएं। छत्तीसगढ़ की ऐसी ही अमूल्य लोक विरासत है भरथरी, जिसे अपनी बुलंद और भावपूर्ण आवाज़ से दुनिया के मंचों तक पहुंचाने वाली लोकगायिका थीं सुरुजबाई खांडे। संघर्षों से भरे जीवन के बावजूद उन्होंने लोक परंपरा को कभी टूटने नहीं दिया। उनकी गायकी में छत्तीसगढ़ की मिट्टी की महक, लोकजीवन की संवेदना और सदियों पुरानी सांस्कृतिक धरोहर की गूंज सुनाई देती है। 'विरासत' में आज जानिए उस लोक साधिका की कहानी, जिन्होंने भरथरी लोकगाथा को केवल जीवित ही नहीं रखा, बल्कि उसे विश्व पटल पर छत्तीसगढ़ की पहचान बना दिया।

भरथरी की अमर आवाज सुरुजबाई खांडे

सुरुजबाई खांडे

माता रेवती और पिता घसियाराम के घर जन्म

सुरुजबाई का जन्म 12 जून 1949 को बिलासपुर जिले के ग्राम पौंसरी (हिर्री) में माता रेवतीबाई तथा पिता घसियाराम धृतलहरे के घर हुआ। वे परिवार की सबसे छोटी संतान थीं। सुरुज बाई ने स्कूली शिक्षा प्राप्त नहीं की थी, लेकिन अपने परिवार से मिली व्यवहारिक शिक्षा और कला में दक्ष थीं। सुरुज बाई बचपन से कुशाग्र बुध्दि की थी, अपने भाई से भी कहीं ज्यादा नटखट एवं चंचल स्वभाव की थीं । यही चंचलता उन्हें सात साल के उम्र से ही भरथरी गायन में महारत करती जा रही थी।

वर्ष 1999 में भिलाई इस्पात संयंत्र के एक सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान सुरुज बाई खांडे के साथ नन्ही भरथरी गायिका वंदना वर्मा।

बचपन से ही नाना से सीखा भरथरी गायन

अपने भरथरी गायन बचपन से ही नाना रामसाय जी से सीखा, इसी दौरान उन्होंने लोकधुनों, रागों, कथानक और प्रस्तुति की बारीकियों को आत्मसात किया। आगे चलकर उन्होंने ढोला-मारू, चंदैनी तथा आल्हा-ऊदल जैसी अन्य लोकगाथाओं का भी सफल गायन किया, किंतु भरथरी उनकी विशिष्ट पहचान बन गई। अपने नानाजी को लेकर सुरुजबाई एक जगह साक्षात्कार में बताती है कि नाना जी चिकारा लेकर गाते थे तो मैं बगल में बैठकर सूनती थी और उनके साथ मैं भी बैठकर गाने लगती थी।

जितनी ज्यादा पब्लिक उतना गाने में आनंद

अपनी गायकी के बारे में सुरुजबाई ने एक जगह साक्षात्कार में कहा है कि कार्यक्रम में पब्लिक जितनी ज्यादा रहती है वहां गाने में उतना मजा आता है। मैं रुस, फ्रांस, जापान गई लेकिन छत्तीसगढ़ जैसा कही नहीं है। लेकिन अपने छत्तीसगढ़ के गांवों की बात ही अलग है। सुरुजबाई केवल मंच पर ही कलाकार नहीं थीं, बल्कि उनका संपूर्ण जीवन छत्तीसगढ़ी संस्कृति का प्रतिनिधित्व करता था। वे पारंपरिक वेशभूषा और आभूषणों-पुतरी, बहुँटा, नागमोरी, करधन, चूड़ी, बिछिया और तोड़ा-पैरी से सुसज्जित रहती थीं। उनका व्यक्तित्व स्वयं छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक अस्मिता का प्रतीक था।

भरथरी से छत्तीसगढ़ी संस्कृति का प्रचार

भरथरी प्रस्तुत करने में सुरुज बाई के सहयोगी साथी हारमोनियम, तबला, बेंजो, बांसुरी, मंजीरा और खंजरी का प्रयोग करते थे। इस दौरान वेषभूषा और आभूषणों का पूरा ध्यान रखा जाता था। सुरुज बाई छत्तीसगढ़ में प्रसिद्ध इलियास साड़ी ही पहनती थी वे इसके साथ आभूषण उपयोग करती थीं जिसमें पुतरी,बहुंटा, नागमोरी, चुरी, करधन, बिछिया, तोड़ा, पैरी, रूपिया, ऐंठी, सूर्रा, ककनी, नथनी, झुमका, बाली प्रमुख हैं जो छत्तीसगढ़ के और भारतीय संस्कृति की अलग पहचान बनाती है। सुरुजबाई के सहयोगी कलाकारों में उनके पति भी लखनलाल भी शामिल हुआ करते थे, जो मंजीरा, घुँघरू, नृत्य करना और मुख्य रागी का काम करते थे। इसके अलावा टीम में हारमोनियम पर शिवनंदन खरे और माखन साहू रहा करते थे। तबला वादक के तौर पर हरप्रसाद रात्रे और रामहरि साहू और बांसुरी वादक के रुप में राजू रात्रे, जवाहर बघेल और उमेश सिहोते की मौजूदगी होती थी। सुरुजबाई ने गुरु घासीदास जी के सतनाम उपदेशों का समावेश सरल सहज शैली में गायन किया था जिससे लोग अभिभूत हो उठते थे। सुरुजबाई खांडे ने भरथरी को केवल पारंपरिक शैली में नहीं गाया, बल्कि उसकी प्रस्तुति को अधिक प्रभावशाली और मंचीय स्वरूप प्रदान किया।

लखनलाल से विवाह, हर सुख दुख में सहभागी

युवावस्था में सुरुजबाई की शादी ग्राम कछार बिलासपुर में लखन लाल खाण्डे जी से हो गई। शादी के बाद सुरुजबाई का पहला कार्यक्रम रतनपुर में दिया इसके बाद अगला कार्यक्रम पीथमपुर में दिया, ससुराल वाले नहीं चाहते थे कि वे भरथरी के कार्यक्रम दें लेकिन इन हालात में पति ने कभी साथ नहीं छोड़ा गायकी के क्षेत्र में जो भी कुछ भी सुरुजबाई ने नाम कमाया है इसके पीछे पति लखनलाल के समर्थन ने बड़ी भूमिका निभाई। इस विवाह ने एक अद्भुत संयोग को साधा और एक कलाकार को कलाकार जीवन साथी मिला दिया जिससे सुरुज बाई के कलाकार मन को अच्छा प्रोत्साहन मिला। एक कलाकार की कला का सच्चा सम्मान कलाकार साथी ही कर सकता है तथा कला के क्षेत्र में आगे

बढ़ने में सहयोग भी। लखन लाल खाण्डे भी लोक गीत एवं पंथी नृत्य में पारंगत थे । सुरुज बाई ने लखन लाल खाण्डे जी को भरथरी,ढ़ोला मारू,चंदैनी,आल्हा उदल सीखाकर अपने गायन विधा को प्रचारित करने का काम किया। सुरुज बाई और लखन लाल खाण्डे दोनों भरथरी गायन के रियाज़ किया करते थे | कुछ ही दिनों में पार्टी बनाकर अपने आस पास के गुड़ी-चौपालों में भरथरी गायन पूरी साज के साथ प्रस्तुत करने लगे |शादी के बाद जीवन ने उन्हें अनेक कठिन परीक्षाओं से गुज़रना पड़ा। आर्थिक अभाव और मजदूरी की विवशता ने उन्हें झकझोर दिया, किंतु उन्होंने लोकसंगीत की साधना कभी नहीं छोड़ी. सुरुज बाई अपने पति लखनलाल के साथ जीवन यापन के लिए बिलासपुर का मालधक्का में मजदूरी करते थे जहां वे नमक, गेहूं, आलू, प्याज की बोरियां और तेल का टीन उठाते और ठेला भी चलाते थे। थकहार कर जब शाम को घर पहुंचते तब खाना पकाते पति के साथ भरथरी और अन्य लोक गीतों का अभ्यास करती थीं। अपने अभ्यास में आलाप भरतीं तो लोग इसे सुनकर परेशान होकर उन्हें पगली कहा करते थे। पगली कहने वालों को बिल्कुल पता नही था कि यही पगली एक दिन छत्तीसगढ़ के साथ-साथ पूरे विश्व में करुण रस की रानी,मेलोडी क्वीन सुरुज बाई खांडे के नाम से प्रसिध्द होगी।

भरथरी के बारे में जानिए

राजा भर्तृहरि का उल्लेख भारतीय लोकपरंपरा, नाथ साहित्य तथा अनेक दंतकथाओं में मिलता है। उन्हें प्रायः उज्जयिनी के राजा तथा विक्रमादित्य के बड़े भाई के रूप में स्मरण किया जाता है। यद्यपि इतिहास और लोककथा में भिन्न-भिन्न मत मिलते हैं, किंतु लोकमानस ने उन्हें त्याग, वैराग्य और आत्मबोध के प्रतीक के रूप में स्वीकार किया है।

छत्तीसगढ़ में भरथरी का आगमन

लोकविदों के अनुसार भरथरी की कथा नाथपंथी जोगियों के माध्यम से छत्तीसगढ़ पहुँची। यात्रा करते हुए जोगी गाँव-गाँव इस गाथा का गायन करते थे। समय के साथ यह कथा स्थानीय लोकभाषा, लोकविश्वास और सांस्कृतिक परिवेश से जुड़कर छत्तीसगढ़ की अपनी लोकगाथा बन गई। यही कारण है कि आज इसे किसी जाति विशेष का नहीं, बल्कि सम्पूर्ण लोकसमाज का गीत माना जाता है।

भरथरी गायन के नौ प्रमुख खंड

छत्तीसगढ़ी परंपरा में भरथरी की गाथा प्रायः नौ खंडों में प्रस्तुत की जाती है। विभिन्न गायकों के क्रम में थोड़ा अंतर हो सकता है, किंतु सामान्यतः इनमें निम्न प्रसंग सम्मिलित रहते हैं।

1. राजा भर्तृहरि का जन्म।
2. बाल्यकाल और शिक्षा।
3. विवाह तथा रानी पिंगला का आगमन।
4. राजवैभव और शासन।
5. हिरण अथवा अमरफल से जुड़ा निर्णायक प्रसंग (परंपरा के अनुसार भिन्न रूप)।
6. रानी पिंगला और मोहभंग।
7. गुरु गोरखनाथ से भेंट।
8. राजत्याग, योग और वैराग्य।
9. योगी भरथरी का लोककल्याण और उपदेश।

भरथरी गायन की संगीतात्मक विशेषताएं

भरथरी का गायन करुण और शांत रस का अद्भुत संगम है। एकतारा, सारंगी, ढोलक, मंजीरा और हारमोनियम के साथ कलाकार कथा, संवाद और गीत का समन्वित प्रस्तुतीकरण करते हैं। प्रारंभिक परंपरा में इसे अकेले जोगी द्वारा खंजरी या एकतारे के साथ गाया जाता था; बाद में समूह प्रस्तुति और अन्य वाद्य भी जुड़े।

सुरुज की प्रतिभा को मिला सम्मान

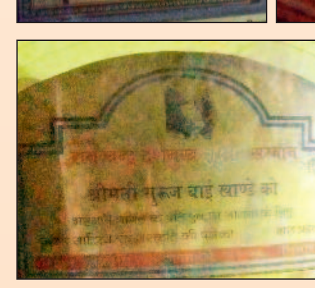

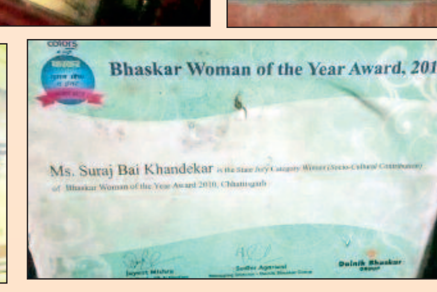

साहित्यिक और दार्शनिक महत्व

भरथरी गीत में नीति, प्रेम, विरक्ति, भक्ति और अध्यात्म का अद्भुत समन्वय मिलता है। यह लोकमहाकाव्य मनुष्य को यह संदेश देता है कि सत्ता, संपत्ति और सौंदर्य क्षणभंगुर हैं; शाश्वत केवल सत्य, साधना और आत्मज्ञान है। यही इसकी कालजयी प्रासंगिकता है। भरथरी गीत छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक चेतना का अमूल्य प्रतीक है। यह लोकजीवन की स्मृतियों, नाथ परंपरा की आध्यात्मिक साधना और भारतीय दर्शन की गहराई को एक सूत्र में पिरोता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि इस लोकधरोहर का वैज्ञानिक दस्तावेजीकरण हो, युवा पीढ़ी को इससे जोड़ा जाए और लोककलाकारों को वह सम्मान मिले जिसके वे वास्तविक अधिकारी हैं। तभी भरथरी की यह अमर स्वरधारा आने वाली पीढ़ियों तक अक्षुण्ण बनी रहेगी।

inh न्यूज़ गुरुवार रात 7.55 बजे

भरथरी लोकगाथा को 18 देशों तक पहुंचाया

सुरुज बाई खांड़े ने भरथरी लोकगाथा को देश ही नहीं, 18 देशों तक पहुंचाकर छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति का गौरव बढ़ाया। वे छत्तीसगढ़ की स्वरकोकिला के रूप में विख्यात थीं। संघर्षपूर्ण जीवन के बावजूद उन्होंने अपने नाना से सीखी भरथरी गायन परंपरा को विश्व पटल तक पहुंचाया।

-तोखन साहू, केंद्रीय राज्यमंत्री

उनके कार्यक्रम को निकट से देखने का मौका मिला

स्वर्गीय सुरुज बाई खांड़े छत्तीसगढ़ की लोककला जगत की अप्रतिम लोकगायिका थीं। उनके कार्यक्रमों को निकट से देखने का अवसर मिला, जहां उनकी कला सीधे श्रोताओं के हृदय तक पहुंचती थी। वे लोकगाथाओं को बिना किसी कॉपी या डायरी के सहजता से कंठस्थ गाती थीं।

-टंकराम वर्मा, उच्च शिक्षा मंत्री (छग)

छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति को वैश्विक पहचान दिलाई

बिलासपुर में जन्मी और पली-बढ़ी सुरुज बाई खांड़े ने अपनी लोकगायन प्रतिभा से छत्तीसगढ़ का नाम देश-विदेश में गौरवान्वित किया। भरथरी लोकगाथा की उनकी अनूठी प्रस्तुति ने छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति को वैश्विक पहचान दिलाई।

-अमर अग्रवाल
वरिष्ठ विधायक,पूर्व मंत्री

आवाज में छत्तीसगढ़िया महक और लोकजीवन की आत्मा थी

छत्तीसगढ़ में जैसे पंडवानी की पहचान तीजन बाई हैं, वैसे ही भरथरी लोकगाथा का पर्याय स्वर्गीय सुरुज बाई खांड़े थीं। उनकी सुमधुर आवाज में छत्तीसगढ़ की मिट्टी की महक और लोकजीवन की आत्मा झलकती थी। सरल और सहज स्वभाव की धनी थी सुरुज बाई खांडे।

-अनुज शर्मा, धरसींवा विधायक

भरथरी लोकगाथा को नई पहचान दिलाई

लोकगीत एवं लोककथा परंपरा में सुरुज बाई खांड़े का योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। बिलासपुर में जन्मीं सुरुज बाई ने अपनी सशक्त गायन शैली से न केवल छत्तीसगढ़, बल्कि देश-विदेश में भी भरथरी लोकगाथा को नई पहचान दिलाई। उन्होंने लोककला के संरक्षण और संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

-भावना बोहरा, पंडरिया विधायक

सुरुज बाई लोककला की अमूल्य धरोहर

छत्तीसगढ़ी लोक गाथाओं पर शोध के दौरान स्वर्गीय सुरुज बाई खांड़े से मिलने का सौभाग्य मिला। 1980 के दशक में रिंगनी के लोकगाथा आयोजन में सुरुज बाई से पहली भेंट हुई। बिना औपचारिक शिक्षा के उन्होंने भरथरी जैसी लंबी लोकगाथाओं को कंठस्थ कर जीवंत रखा। वे लोककला की अमूल्य धरोहर थीं।

-डॉ. विजय कुमार सिन्हा, वरिष्ठ साहित्यकार

भरथरी- पिंगला की कथा को अनूठी शैली में प्रस्तुत किया

मेरा सौभाग्य रहा कि मैं SECL में सुरुज बाई खांड़े के साथ कार्यरत रहा। वे छत्तीसगढ़ की लोकगायन परंपरा की अप्रतिम कलाकार थीं। राजा भरथरी–पिंगला की कथा को उन्होंने अपनी अनूठी शैली से देश-विदेश तक पहुँचाया और रूस सहित 18 देशों में छत्तीसगढ़ की संस्कृति का गौरव बढ़ाया।

-डॉ. राघवेंद्र दुबे, अध्यक्ष
प्रयास प्रकाशन साहित्य समिति बिलासपुर

सरल, सहज और स्नेहपूर्ण महिला थीं

सुरुज बाई की आवाज और उनकी विशिष्ट गायन शैली का अनुकरण करना लगभग असंभव था। उनका स्वभाव अत्यंत सरल, सहज और स्नेहपूर्ण था। वे भरथरी लोकगाथा की विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाना चाहती थीं। उन्होंने मुझे अपनी शिष्या के रूप में स्वीकार कर भरथरी गायन का प्रशिक्षण दिया।

-वंदना वर्मा, शिष्या, भरथरी गायिका, भिलाई

यूनिवर्सिटी में आखिरी प्रस्तुति, हार्ट अटैक से निधन

8 दिसम्बर 2017 के दिन गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय बिलासपुर में सुरुज बाई खाण्डे जी को गुरु घासीदास जी जयंती पर आमंत्रित किया गया था । केन्द्रीय विश्वविद्यालय में आखिरी बार मंच पर बिना साज के ही सुरुज बाई ने भरथरी को एकल रूप से प्रस्तुत किया और लोगों का मन मोह लिया। पूरा सभागार तालियों से गूंज उठा... तब यहां बैठे लोग तथा देश में किसी को यह अंदेशा नहीं था कि सुरुज बाई 69 वर्ष की आयु में 10 मार्च 2018 को हम सबको छोड़कर हमेशा के लिये अस्त हो जायेंगी । पहले हुई सड़क दुर्घटना की वजह से सुरुज बाई कमजोर होती चली जा रहीं थी और हृदयाघात होने से वो इस नश्वर संसार को छोड़कर चली गई...आज उनके पति श्री लखन खांडे तथा उनकी बहन सोहारा बाई खांडे उनकी विरासत को आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं। सुरुजबाई खांडे ने सिद्ध किया कि सच्चा कलाकार पुरस्कारों से नहीं, अपनी साधना से अमर होता है। उन्होंने

तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के साथ सुरुजबाई खांडे।

भरथरी को जीवन दिया, पहचान दी और विश्व मंच तक पहुंचाया। उनका स्वर आज भले मौन हो गया हो, किंतु उनकी गाई हुई भरथरी आज भी छत्तीसगढ़ की मिट्टी में गूँजती है

सुरुज के सुरता और सुरुज उत्सव

सुरुजबाई की स्मृति में सामाजिक कार्यकर्ता दीप्ति ओंघरे का सुरुज ट्रस्ट साल भर में विभिन्न मौकों पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करवाता है। 10 मार्च को स्मृति दिवस पर सुरुज के सुरता के नाम से कार्यक्रम होते हैं इसके अलावा 12 जून को जयंती पर सुरुज उत्सव का आयोजन किया जाता है..दीप्ति ने बताया कि वे कभी सुरुजबाई से उनके जीवनकाल में मिल नहीं पाई लेकिन उनकी जिंदगी और कला यात्रा से प्रभावित होकर सुरुज ट्रस्ट बनाकर सामाजिक कार्यों का संकल्प ले लिया। पिछले कई सालों से दीप्ति अपने सुरुज ट्रस्ट के माध्यम से सामाजिक कार्य कर रही है।

भरथरी गायन अत्यंत मार्मिक और प्रभावशाली

सुरुज बाई ने देश-विदेश में अपनी प्रस्तुतियों से छत्तीसगढ़ की

लोकसंस्कृति को नई पहचान दिलाई। विशेष रूप से राजा भरथरी और रानी पिंगला के प्रसंगों का उनका गायन अत्यंत मार्मिक और प्रभावशाली होता था। 1970 के दशक में उनसे मेरी मुलाकात हुई। आकाशवाणी और दूरदर्शन के माध्यम से वे लोकगाथा की सशक्त पहचान बनीं।

-डॉ. विनय पाठक
वरिष्ठ साहित्यकार, बिलासपुर

भरथरी को देश-विदेश में पहचान दिलाई

छत्तीसगढ़ की लोकगीत एवं लोकगाथा परंपरा में सुरुज बाई

खांडे का योगदान अविस्मरणीय है। उन्होंने अपनी विशिष्ट गायन शैली से भरथरी लोकगाथा को देश-विदेश में पहचान दिलाई। लोककला के संरक्षण और संवर्धन में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही।

-डॉ. विवेक तिवारी जिला समन्वयक छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग बिलासपुर

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com